www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...
राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, गुरुवार, 3 जुलाई, 2025 | वर्ष-18 | अंक-88 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

विपक्ष के नेता के रूप में एक साल में शिद्दत 02
■ विजयनगर निवासियों को गंगाजल आपूर्ति में न हो...
■ वृद्धाश्रम में विदेशी फंडिंग के मिले सबूत 04
■ व्हाइट हाउस में मनेगा ईरान के खिलाफ अभियान का जश्न
■ हमास से 60 दिन के सीजफायर पर सहमत इजरायल : ट्रंप 07
अजय देवगन और मेरे बीच फिल्मों को लेकर ... 10

बिहार में मतदाता सूची पर समीक्षा बैठक को लेकर चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

केवल पार्टी प्रमुखों की सुनेंगे बात

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर मुलाकात के लिए समय मांगने के अनुरोध को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने साफ कर दिया है कि आयोग समीक्षा पर बैठक के अनुरोधों पर केवल राजनीतिक दलों के प्रमुखों से ही बातचीत करेगा। अधिकारियों के अनुसार, राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई व्यक्ति बिहार की मतदाता सूची के वर्तमान में चल रही विशेष गहन समीक्षा पर चर्चा करने के लिए आयोग से मुलाकात का समय मांग रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि अब से चुनाव प्राधिकरण अनधिकृत व्यक्तियों की ओर से किए गए ऐसे अनुरोधों को खारिज कर देगा।

विपक्षी दलों ने लगाया यह आरोप

दरअसल, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि समीक्षा की इस प्रक्रिया से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जहां पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। विपक्ष का कहना है कि इसके चलते भाजपा सरकार अपने लाभ के लिए राज्य मशीनरी का उपयोग कर सकती है।

कांग्रेस ने की थी तत्काल बैठक की मांग

बता दें कि चुनाव आयोग की तरफ से घोषणा के बाद बीते 30 जून को कांग्रेस के एक कानूनी प्रतिनिधि ने चुनाव आयोग को एक ई-मेल भेजकर 2 जुलाई को तत्काल बैठक की मांग की थी। यह ई-मेल कांग्रेस की ओर से, विपक्षी गठबंधन के कई दलों की ओर से भेजा गया था। कांग्रेस प्रतिनिधि ने खुद को कई दलों की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि बताया था। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि केवल दो दलों, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन और सीपीआई (एम) ने अब तक बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। गौरतलब है कि बिहार में चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के विशेष संशोधन अभियान की प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को इस प्रक्रिया को लेकर आपत्तियां और शंकाएं हैं, जिसे लेकर वे चुनाव आयोग से मिलकर अपनी चिंता जताना चाहते थे।

इस बीच आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बिहार में मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के विषय में बातचीत के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और पार्टी द्वारा दी गई दोनों अधिकारिक मेलों पर को 30 जून को निमंत्रण भेजा गया था। इन मेल में उन्हें बुधवार शाम पांच बजे का समय दिया गया था। इस बीच आयोग ने कुछ राजनीतिक दलों की ओर से आयोग को 30 जून और दो जुलाई को मेल भेजने वाले उमर होदा को एक मेल करके कहा है, भविष्य में, राजनीतिक दलों और आयोग के बीच किसी भी अनधिकृत संचार को रोकने के लिए, आपको उस राजनीतिक दल के प्रमुख से वैध प्राधिकरण प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है जिसका आप प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर विपक्ष ने उठाए है सवाल

चुनाव आयोग सीधे तौर पर भाजपा का एजेंट बनकर काम कर रहा है। चुनाव आयोग बताए कि आज तक उसने भाजपा के किसी भी नेता के खिलाफ कार्रवाई की हो। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्या-क्या नहीं कहा..क्या इस पर कोई कार्रवाई हुई : **तेजस्वी यादव,राजद नेता**

चुनाव आयोग ने बिहार की 2003 की मतदाता सूची को बनाया है आधार

चुनाव आयोग ने इस समीक्षा के लिए बिहार की 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाया है जिससे करीब पांच करोड़ मतदाताओं और उनकी संततियों को अलग से कोई दस्तावेज नहीं जमा कराना पड़ेगा। आयोग ने यह भी कहा कि कोई भी वयस्क नागरिक अपने स्थायी निवास स्थान वाले निर्वाचन क्षेत्र में वैध रूप से मतदान करने का पत्र होता है और इस तरह उसका नाम केवल वहां की सूची में ही दर्ज होना चाहिए।

राजनीतिक दलों की ओर से बीएलए की नियुक्ति में हुई वृद्धि

चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' को लेकर विभिन्न राजनीति दलों की ओर से बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) की नियुक्ति में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। आयोग ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों ने 23 जून तक एक लाख 36 हजार 680 बीएलए की नियुक्ति की थी जो आज एक लाख 56 हजार 625 हो गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सबसे अधिक 53 हजार 689 बीएलए नियुक्त किए हैं।

ओला, उबर व रैपिडो के किराए में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2025 के लिए मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइड लाइंस जारी की हैं। इन गाइड लाइंस के तहत कैब एग्रीगेटर्स (जैसे ओला, उबर वगैरह) को अब पीक आवर्स यानी सबसे ज्यादा मांग वाले समय में बेस किराए का दोगुना चार्ज करने की अनुमति मिल गई है। पहले यह सीमा 1.5 गुना थी। वहीं, नॉन-पीक ऑवर्स में न्यूनतम किराया बेस फेयर का 50 प्रतिशत रखना अनिवार्य होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा-निर्देश 2025 में कहा है कि एग्रीगेटर को आधार किराये से न्यूनतम 50 प्रतिशत कम किराया लेने तथा उप-खण्ड (17.1) के तहत निर्दिष्ट आधार किराये से अधिकतम दो गुना डायनैमिक प्राइसिंग की अनुमति होगी। नई गाइड लाइंस के अनुसार, बेस फेयर कम से कम 3 किलोमीटर के लिए तय किया जाएगा। इसका मकसद डेड माइलेज को कवर करना है। यानी वो दूरी जो ड्राइवर बिना सवारी के तय करता है या किसी सवारी को लेने के लिए यात्रा करता है। इससे ड्राइवर को बेहतर मुआवजा मिलेगा।

■ पीक आवर्स में वसूल सकेंगी दोगुना किराया
■ सरकार ने नियमों में दी ढील

राज्य सरकार तय करेगी बेस फेयर

गाइड लाइंस में यह भी साफ किया गया है कि अलग-अलग कैटेगरी या क्लास की गाड़ियों के लिए राज्य सरकार जो किराया तय करेगी, वही एग्रीगेटर का बेस फेयर माना जाएगा। राज्यों को इन नए नियमों को तीन महीने के भीतर अपनाने की सलाह दी गई है। गाइड लाइंस में यह भी कहा गया है कि एग्रीगेटर्स को अपने ड्राइवरों के लिए कम से कम 5 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस देना अनिवार्य होगा।

दिखावे से नहीं चलती कूटनीति : कांग्रेस

यूएनएससी में पाकिस्तान की ताजपोशी पर केंद्र पर बोला हमला

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता मिलने पर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी ने इसे भारत की कूटनीतिक विफलता बताया और सवाल उठाया कि पाकिस्तान जैसे देश, जो खुद आतंकवाद फैलाने में शामिल है, उसे वैश्विक मंच पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी कैसे मिल गई। दरअसल, पाकिस्तान ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जुलाई महीने के लिए यूएनएससी का अध्यक्ष बनेगा। पाकिस्तान जनवरी 2025 से सुरक्षा परिषद में गैर-स्थायी सदस्य है। इसके अलावा पाकिस्तान को तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है। बंगलूरू में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पाक जैसे देश को यूएनएससी का अध्यक्ष बनाना वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि आतंक फैलाने वाला देश अब वैश्विक सुरक्षा का संरक्षक बन गया है। यह भारत सरकार के लिए शर्मनाक है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस.जयशंकर दुनिया में अपनी कूटनीतिक ताकत का ढोल पीटते हैं।

आतंकवाद फैलाने वाला बना सुरक्षा संरक्षक : **रणदीप सुरजेवाला**

पाकिस्तान की भूमिका पर उठाए सवाल

सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास आतंकियों को पनाह देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में हमले करवाने का रहा है। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले को भी उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित हमला बताया। साथ ही उन्होंने ये भी कहा ऐसे में पाकिस्तान को इस तरह की जिम्मेदारियां मिलना भारत की कूटनीतिक विफलता का प्रमाण है।

देश के कई राज्यों में बारिश का कहर

■ भारी बरसात और भूस्खलन से चलते कई सड़कें बंद ■ हिमाचल में 16 जगह बादल फटे, अब तक 51 की मौत

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जहां उत्तराखंड में चार धाम यात्रा पर रोक लगाई गई है, कई नदियां उफान पर हैं और शहरों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश में 20-21 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। अब तक 20 से ज्यादा जगह बादल फटने की घटना हो चुकी हैं। अकेले 30 जून की रात मंडी और किन्नौर में 16 जगह बादल फटे थे। इस मानसून में राज्य में लैंडस्लाइड-बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। 22 से ज्यादा लोग लापता हैं। 40 के करीब मकान पूरी तरह ढह गए हैं। मंडी जिले से बहने वाली ब्यास नदी उफान पर है। राज्य में आज तेज बारिश का रेड अलर्ट है। मंडी के पास सराज क्षेत्र में बादल फटने के बाद बारिश से पटिकरी पावर प्रोजेक्ट पूरी तरह तबाह हो गया।

पटिकरी पावर प्रोजेक्ट तबाह

हनुमानगढ़ में पुल धंसा, मोड़क में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में हो रही बारिश आफत बन गई है। कोटा के मोड़क कस्बे में बाढ़ के हालात हैं। घर, स्कूल, हॉस्पिटल, एटीएम तक में पानी भर गया है। चार-चार फीट तक पानी घरों में बह रहा है। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में गूंजली नदी का पानी पुल के ऊपर से तक बह रहा है। आधा दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क कट गया है। छत्तीसगढ़ के राजपुर क्षेत्र में बारिश में गागर नदी में मछली पकड़ने गए 3 पहाड़ी कोरवा बच्चे 4 घंटों तक फंसे रहे। नदी का जलस्तर बढ़ने से हादसा हुआ। नदी का जलस्तर कम हुआ, तो बच्चों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया।

काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, 20 छोटे मंदिर जलमग्न

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 8.8 मिमी बारिश हुई है, जो कि नॉर्मल 7.2 से 15 प्रतिशत कम है। उत्तर प्रदेश में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे स्थित 20 छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। मणिकर्णिका घाट तक पानी पहुंच गया है। गंगा द्वार घाट से मणिकर्णिका घाट का संपर्क टूट गया है। स्थिति ऐसी ही बनी रही तो जल्द ही घाटों पर घूमना-फिरना बंद हो जाएगा। उन्नाव में जोरदार बारिश हुई है। यहां परियर चौकी में पानी घुस गया, जिसे सिपाहियों ने बाल्टी से निकाला।

संसद की सुरक्षा में सेंध के आरोपी नीलम-महेश को राहत

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में चूक के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दो आरोपियों नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दे दी है। हाईकोर्ट ने आरोपियों को 50-50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानतों पर राहत प्रदान की। निचली अदालत ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

बता दें कि 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में अन्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले निचली अदालत ने आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद आरोपियों ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दी है। मामला 2023 का है, जिस दिन संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी भी थी। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान सागर शर्मा और मनोरंजन डी दर्शक दीर्घा से नीचे सदन में कूद गए थे। उन्होंने जूते से स्मोक कैन निकालकर पीली गैस छोड़ी और नारेबाजी की। लगभग उसी समय, दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम आजाद ने संसद परिसर के बाहर रंगनी गैस छोड़ी और नारेबाजी की।

■ दिल्ली हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए के निजी बॉण्ड पर दी जमानत

हफ्ते में तीन दिन थाने में देंगे हाजिरी

अदालत ने जमानत देने से पहले कुछ शर्तें भी रखी हैं। न्यायाधीश ने उन्हें मीडिया को साक्षात्कार न देने और घटना से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट न करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा दोनों व्यक्तियों को हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे संबंधित पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने और दिल्ली-एनसीआर से बाहर न जाने का भी निर्देश दिया है।

इंजन फेल होने से हुआ विमान हादसा

फ्लाइट सिमुलेटर पर जांच से तह तक पहुंचने की कवायद

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे को दो हफ्ते से ज्यादा का समय बीत चुका है और जांचकर्ता इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि इस हादसे की वजह क्या रही। एअर इंडिया के पायलटों ने हादसे की वजह जानने के लिए फ्लाइट सिमुलेटर पर भी जांच की। इस जांच में पता चला है कि संभवत: विमान के दोनों इंजन फेल होने की वजह से विमान क्रैश हुआ होगा। एयर लाइन के पायलटों ने फ्लाइट सिमुलेटर में विमान के उड़ान के दौरान के विभिन्न पैरामीटर्स को फिर से दोहराया, जिसमें लैंडिंग गियर की स्थिति और विंग फ्लैप को वापस खींचना शामिल था।

अहमदाबाद में हुआ था एआई 171 विमान दुर्घटनाग्रस्त

12 जून को अहमदाबाद में एआई-171 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। विमान में जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के दो इंजन लगे थे। वीडियो में देखा गया कि विमान को उड़ान भरने के बाद ऊंचाई हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। फिर वह वापस जमीन पर आ गया और उसमें धमाका हो गया।

शेख हसीना को छह माह जेल की सजा

ढाका, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के आरोप में दोषी ठहराया गया है और छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने सजा का एलान किया है। बुधवार को तीन सदस्यों वाली पीठ ने यह फैसला सुनाया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण की पीठ की अध्यक्षता जस्टिस मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजूमदार ने की। यह पहली बार है जब किसी मामले में शेख हसीना को जेल की सजा सुनाई गई है। बीते साल शेख हसीना की एक ऑडियो क्लिप लीक हुई थी।

■ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने सुनाया फैसला
■ हसीना को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया

दावा *कोविड के बाद अचानक मौतों पर आईसीएमआर के शोध में दावा*

अचानक मौतों की वजह कोरोना वैक्सीन नहीं

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने अपने शोध में बताया कि देश में हार्ट अटैक से होने वाली अचानक मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। यह स्टडी 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौत पर आधारित है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। स्टडी में कहा गया है कि भारत की कोविड वैक्सीन सेफ और इफेक्टिव है। इससे होने वाले गंभीर साइड इफेक्ट के मामले रेयर हैं। शोध में बताया गया है कि अचानक हुई मौतों की अन्य वजहें हो सकती हैं। इनमें जेनेटिक्स, लाइफ स्टाइल, पहले से मौजूद बीमारी और कोविड के बाद के कॉम्प्लिकेशन शामिल हैं। भारत में दो कोविड वैक्सीन विकसित हुई थीं। भारत बायोटेक ने आईसीएमआर के सहयोग से कोवैक्सिन का निर्माण किया था। वहीं, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से कोवीशील्ड बनाई थी। आईसीएमआर व एनसीडीसी अचानक होने वाली मौतों की वजह समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इसके लिए दो रिसर्च स्टडी की जा रही हैं।

■ 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौतों पर किया गया शोध

अचानक मौत होने के कई कारण : सरकार

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अचानक हो रहीं मौतों की देश की विभिन्न एजेंसियों ने जांच की है और जांच में पाया गया है कि इनका कोरोना वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं हैं। आईसीएमआर और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने भी अपने अध्ययन में इसकी पुष्टि की है। कोरोना वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावकारी है और इसके दुर्लभ ही किसी पर गंभीर परिणाम दिखे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अचानक हो रही मौतों के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें जेनेटिक्स, हमारा रहन-सहन और दिनचर्या, पहले से कोई बीमारी और कोरोना संक्रमित होने के बाद की दिक्कतें शामिल हैं।

सार संक्षेप

मोदी पांच देशों की यात्रा पर घाना पहुंचे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अफ्रीका, कैरेबियाई और दक्षिण अमरीकी क्षेत्र के पांच देशों की यात्रा पर बुधवार सुबह रवाना हुए। आठ दिन की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी घाना, त्रिनिदाद एवं टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामिबिया जाएंगे। मोदी चार व पांच जुलाई को अर्जेंटीना में होंगे।

पद्म पुरस्कार के लिए नामांकन 31 जुलाई तक

नई दिल्ली। अगले वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2025 है। सरकार के अनुसार पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं।

नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ उदयगिरि

नई दिल्ली। नौसेना के तरकश में तमाल के बाद एक और घातक तीर जुड़ गया है, वो है उदयगिरि। तमाल रूस में बना है तो उदयगिरि अपने देश में। प्रोजेक्ट 17 ए के तहत मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने इसे तैयार किया हैं। मझगांव डॉकयार्ड ऐसे सात फ्रिगेट बना रहा है जिसमे उदयगिरि दूसरा है। यह लॉन्चिंग के 37 महीने में नौसेना को हैंड ओवर कर दिया गया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

हेमंत खंडेलवाल मप्र भाजपा अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। हेमंत खंडेलवाल बुधवार को मध्य प्रदेश भाजपा के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी घोषणा थी। खंडेलवाल ने सोमवार शाम नामांकन भरा था। उनके अलावा किसी अन्य ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा था बीते दिन पांच राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के अध्यक्ष भी निर्विरोध चुने गए थे। हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने।

शिवसेना चुनाव चिह्न विवाद पर सुनवाई 14 को

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय शिवसेना और शिवसेना (यूबीटी) के बीच धनुष-बाण चुनाव चिह्न आबंटन विवाद से संबंधित मामले में आगामी 14 जुलाई को विचार करेगा। न्यायमूर्ति एम.एम.सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत की इस मामले में तत्काल सुनवाई की गुहार पर सहमति व्यक्त की।

देश

उवाच "किराया नहीं बढ़ना चाहिए, मैं इसका समर्थन करता हूं। हालांकि, सरकार को बेहतर सुविधाएं देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है। सुरक्षा महत्वपूर्ण है, समय कीमती है और समय की बचत महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि हमारी सरकार में काफी समय से रेल किराया नहीं बढ़ा है, लेकिन उनके (मायावती) समय में हर बार किराया बढ़ता था: **संजय निषाद, कैबिनेट मंत्री**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	38.0	29.0
मुंबई	30.0	27.0
कोलकाता	34.0	27.0
चेन्नई	36.0	30.0

विपक्ष के नेता के रूप में एक साल में शिद्दत से उठाए हैं जनता के मुद्दे : राहुल

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपने एक साल के कार्यकाल को यादगार बताते हुए कहा है कि इस दौरान उन्होंने संसद में जनता के मुद्दे शिद्दत के साथ उठाए और लोगों को निडर होकर हक की बात करने के लिए उत्साहित करने के साथ ही संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई को मजबूती से लड़ा है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर बुधवार को एक पोस्ट में कहा, 'लोकसभा में नेता विपक्ष के रूप में एक वर्ष पूरा करने पर, मैं पूरे साल की यादों, अनुभवों और संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई को आपके साथ साझा कर रहा हूं। संसदीय भाषणों में, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मेरे विज़न और 2024 लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत के पीछे के कारकों, मणिपुर वासियों से लेकर किसानों तक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से दलित युवाओं तक –देशभर के लोगों के साथ मेरी मुलाकातों का विवरण साझा कर रहा हूं। मोहब्बत और सच्चाई के रास्ते पर आपके साथ हूं।' विपक्ष के नेता के रूप में अपने सालभर के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए कहा कि इस अवधि में 115 से ज्यादा जनसंवाद कर संसद में 16 भाषण दिये और 35 से ज्यादा आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने 60 से ज्यादा जनसभाएं की और 16 बार प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया है। संसद से सड़क तक जनता की आवाज को बुलंद किया है और विशेष रूप से देश की 90 प्रतिशत आवादी को प्रभावित करने वाले मुद्दे उठाए हैं। कांग्रेस पार्टी ने श्री गांधी के किये कार्यों को एक न्यूजलेटर के जरिए प्रेस से साझा करते हुए कहा कि इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था और भागीदारी के लिए उन्होंने एक नया विजन पेश किया है। पार्टी ने कहा कि उन्होंने उत्पादन और टेक्नालॉजी पर देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए अपने विजन को सामने रखा है और विकास के मॉडल को समृद्धि और भागीदारी पर केंद्रित कर उत्पादन प्रणाली में वंचित समुदाय की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया है। श्री गांधी ने इसके साथ ही आपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय के मुद्दे उठाने, मणिपुर में शांति स्थापित करने, श्रमिक अधिकारों को महत्व देने, नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करने और संसद में किसानों की आवाज उठाने सहित कई मुद्दों को उठाया है।

संसद में जनता के मुद्दे शिद्दत के साथ उठाए और लोगों को निडर होकर हक की बात करने के लिए उत्साहित करने के साथ ही संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई को मजबूती से लड़ा है : राहुल गांधी

केरल सरकार ने कर्मचारियों के भत्ते हड़पे: कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता के मुरलीधरन ने आरोप लगाया है कि केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले एक लाख करोड़ रुपये के वित्तीय लाभ हड़प लिए हैं। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व (केपीसीसी) अध्यक्ष ने कहा, ऐसा कभी नहीं हुआ जब सरकारी कर्मचारियों को इस तरह से वेतन देने से मना किया गया हो। यहां तक कि पिछले वेतन संशोधन का बकाया भी नहीं दिया गया है। बारहवें वेतन आयोग की प्रभावी तिथि एक जुलाई, 2024 के बाद से एक पूरा साल बीत जाने के बावजूद सरकार ने अभी तक इसके लिए आयोग का गठन नहीं किया है।' उन्होंने वेतन संशोधन बकाया और लंबित महंगाई भत्ते को तत्काल जारी करने की मांग करते हुए कहा कि सरकार पर कर्मचारियों को छह किस्तों में 18 फीसदी महंगाई भत्ते का बकाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की वित्तीय अनुशासनहीनता के खिलाफ विरोध के तौर पर केरल के गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) एसोसिएशन ने राज्यव्यापी 'विश्वासघात दिवस' मनाने के तहत सचिवालय तक जुलूस निकाला।

खरगे-राहुल ने हिमाचल आपदा पर जताया शोक, केंद्र से मांगी बकाया आपदा राशि

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे तथा राहुल गांधी ने हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश तथा भूस्खलन से हो रही तबाही पर गहरा क्षोभ व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री खरगे ने यहां जारी बयान में कहा 'हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश व भूस्खलन से पिछले कई दिनों से जान-माल के नुक़सान की ख़बर बेहद पीड़ादायक है। सरकार और प्रशासन युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। पीड़ितों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील है कि जनमानस को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएँ।' उन्होंने केंद्र सरकार से हिमाचल की बकाया आपदा की राशि जारी करने की अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार से हमारी माँग है कि पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल प्रदेश की बकाया आपदा राशि को तत्काल प्रभाव से जारी किया जाए।

राजनाथ ने विपक्ष को निशाने पर लिया व एनडीए की तारीफ के कसीदे भी गढ़े, कहा

भाजपा ने जो कहा, वह करके दिया : राजनाथ सिंह

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने न केवल विपक्ष को निशाने पर लिया बल्कि भाजपा और एनडीए को लेकर तारीफ के कसीदे भी गढ़े। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि राजद और कांग्रेस के लिए सत्ता जनसेवा नहीं बल्कि परिवारवाद है जबकि भाजपा ने जो कहा, वह कर के दिखाया है।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उन्होंने इस साल होने वाले चुनाव में फिर से एनडीए की दो तिहाई बहुमत से सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि एनडीए की सरकार में बिहार में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि बिहार विकसित राज्य बनेगा। चाहे मुख्यमंत्री हों, उपमुख्यमंत्री हों या मंत्री, किसी पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष नफरत की राजनीति करता है, जबकि भाजपा सेवा और विकास की राजनीति करती है। हर कार्यकर्ता का फर्ज है कि वह हर घर तक पहुंचे और मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दे। हमें लोगों को यकीन दिलाना है कि अगर कोई बिहार का खोया गौरव लौटा सकता है, तो वह भाजपा और एनडीए है। केवल हमें चुनाव के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए काम करना है जो एक समय बिहार से पलायन कर गए थे, जिनके भाइयों का अपहरण कर लिया गया था। भाजपा का मकसद सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि समाज को जोड़ना और हर व्यक्ति की गरिमा को बनाए रखना है।

कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना। जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है, ऐसी नीतियां बनाना है जिसमें समाज के हर वर्ग का विकास हो : राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना। जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है, ऐसी नीतियां बनाना है जिसमें समाज के हर वर्ग का विकास हो। सभी को आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले, यह भी हमारी सरकार ने किया है।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजद के अध्यक्ष लालू यादव के जननायक कर्पूरी ठाकुर और भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के अपमान करने की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने मुख्यमंत्री रहते समय कर्पूरी जी की विरासत और मूल्यों दोनों को हाशिए पर डाल दिया। यहां तक कि न कोई स्मृति स्थल, न कोई ठोस योजना उनके नाम पर, न कोई विचारधारा का प्रचार।

सार संक्षेप

बिरला शहरी स्थानीय निकाय अध्यक्षों के सम्मेलन का आज करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के मद्देनजर शहरी स्थानीय निकायों की अहम भूमिका को देखते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ कर महत्वपूर्ण परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा शहरी शासन को बेहतर बनाने के नए तौर-तरीकों पर विचार करना है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार कल मानेसर, गुरुग्राम के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी में आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह, हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और अन्य गणमान्य व्यक्ति सम्मेलन के मौजूद रहेंगे।

टीएमसी नेताओं का दिमाग ठीक से नहीं करता काम : दिलीप घोष

खड़गपुर। टीएमसी विधायक मदन मित्रा द्वारा कोलकाता के लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले में टिप्पणी को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष ने टीएमसी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता सिर्फ टीएमसी में ही पाए जाते हैं। भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, 'वे हमेशा तभी जागते हैं जब चीजें गलत हो जाती हैं। हर कोई जानता है कि कभी वे ठीक होते हैं, कभी नहीं, और शाम के बाद उनका दिमाग ठीक से काम नहीं करता। इसलिए ऐसे नेता आजकल केवल टीएमसी में ही पाए जाते हैं। बस उनके बयानों और कार्यों को देखें।' उन्होंने आगे कहा, 'अनुब्रत मंडल जैसे नेता को ही देख लें। इतनी बड़ी घटना हुई, उन्होंने एक पुलिस अधिकारी का अपमान किया, फिर भी अधिकारी को सजा दी जा रही है। उनके साथ कुछ नहीं हो रहा है क्योंकि टीएमसी ऐसे क्रूर, असामाजिक तत्वों द्वारा चलाई जाती है। अगर उन्हें हटा दिया गया, तो पार्टी टूट जाएगी।'

सुकांत मजूमदार ने काफिले पर हमले को लेकर सौंपा विशेषाधिकार हनन नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री और बालुरघाट से सांसद डॉ. सुकांत मजूमदार ने 19 जून को पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर में अपने काफिले पर हुए हमले के मामले में लोकसभा सचिवालय को विशेषाधिकार हनन का नोटिस सौंपा। उन्होंने इसे सांसद की गरिमा और सुरक्षा पर हमला बताया। लोकसभा सचिवालय ने गृह मंत्रालय से 15 दिनों के भीतर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने नोटिस में बताया कि 19 जून को वे डायमंड हार्बर में राजनीतिक हिंसा के पीड़ितों से मिलने और कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने गए थे।

हिरासत में मौत

स्टालिन ने भाई को सौंपा नियुक्ति पत्र

चेन्नई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शिवगंगा जिले के थिरुपुवनम में एक मंदिर सुरक्षा गार्ड की हिरासत में मौत की जांच राज्य पुलिस से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के आदेश के बाद मृतक की मां और भाई को दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का आश्वासन दिया देते हुए भाई को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र तथा एक नि:शुल्क घर का पट्टा (भूमि विलेख) सौंपा है। श्री स्टालिन ने कल देर शाम मृतक अजीत कुमार (29) की मां मालती से बात की और इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने तीन बार 'सॉरी' कहा और पीड़ित के परिवार से हिम्मत न हारने को कहा। उन्होंने सहकारिता मंत्री के.आर. पेरियाकरुप्पन के मोबाइल फोन से मालती बात की और कहा, 'वनक्कम अम्मा बहुत खेद है... बहुत खेद है, बहुत खेद है। मैंने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है और आपके लिए जो भी आवश्यक है, वह किया जाएगा। मंत्री इसका ध्यान रखेंगे। आश्वस्त रहें... आश्वस्त रहें। जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था।'

थिरुपुवनम में एक मंदिर सुरक्षा गार्ड की हिरासत में हो गई थी मौत

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। बातचीत के दौरान जब फोन अजीत के भाई नवीन कुमार को सौंपा गया, तो मुख्यमंत्री ने दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, 'वणक्कम थम्बी (भाई)। जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। निश्चिंत रहें मैंने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

भारतीय सेना प्रमुख की भूटान यात्रा, दोनों देशों की मित्रता को मिली नई ऊंचाइयां

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भूटान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। बुधवार को वह भूटान के जम्तशोलिंग स्थित ग्यालसुंग अकादमी पहुंचे। इस अवसर पर उन्हें भूटान के सैन्य अधिकारियों ने पंचम राजा की दूरदर्शी राष्ट्र निर्माण एवं युवा सशक्तीकरण योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जनरल द्विवेदी ने भारत और भूटान के बीच की गहरी और ऐतिहासिक मित्रता को दोहराते हुए आश्वस्त किया कि भारतीय सेना, भूटान की इस परिवर्तनकारी पहल में हर संभव सहयोग करती रहेगी। जनरल द्विवेदी ने अकादमी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान भूटान के युवाओं के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने अकादमी की आधुनिक अधोसंरचना एवं भावी योजनाओं की भी प्रशंसा की, जो कि महामहिम राजा के भव्य दृष्टिकोण को साकार करेंगी।

ऐतिहासिक मित्रता को दोहराते हुए आश्वस्त किया कि भारतीय सेना, भूटान की इस परिवर्तनकारी पहल में हर संभव सहयोग करती रहेगी: जनरल द्विवेदी

इससे पूर्व, भूटान के महामहिम राजा और महामहिम रानी ने ताशीछो जोग में जनरल उपेंद्र द्विवेदी को आमंत्रित किया। यहां राजा का कार्यालय, कैबिनेट सचिवालय और कई मंत्रालय है। भारतीय सेनाध्यक्ष का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। अपने चार दिवसीय आधिकारिक दौरे के दौरान, सेना प्रमुख ने ताशीछो जोग स्थित नेशनल मेमोरियल चोर्टेन में भूटान के तीसरे राजा महामहिम जिग्मे दोरजी वांगचुक को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने यहां एक प्रभावशाली गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया। भारतीय सेनाध्यक्ष ने यहां रॉयल भूटान सेना के मुख्य परिचालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल बट्टू शेरिंग से भी मुलाकात की है। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए थे। सेनाध्यक्ष का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच लंबे समय से चले आ रहे गहरे व विश्वासपूर्ण रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दुकानदारों की पैंट उतरवाने वालों और पहलगाम के आतंकियों में अंतर बताएं : एसटी हसन

मुरादाबाद, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कांवड़ यात्रा से पहले मुजफ्फरनगर में दुकानदार की पैंट उतारकर पहचान करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व सांसद एसटी हसन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पूछा कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक करें? समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने कहा, 'कांवड़ रूट को लेकर सरकार का आदेश है कि नेम प्लेट लगाई जाए। मैं सरकार के इस निर्णय से सहमत भी हूं। इस्लाम कभी ये नहीं सिखाता है कि आप अपनी पहचान छिपाकर कारोबार करें। हालांकि, ऐसे फैसलों को लागू करने का काम प्रशासन का होता है, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकियों में क्या अंतर रह गया? मैंने जो बात कही है, उसमें क्या गलत है? क्या ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

सदियों पुरानी तिब्बती बौद्ध संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहेगी: दलाई लामा

धर्मशाला, 2 जुलाई 2025 (एजेंसियां)। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी मृत्यु के बाद भी दलाई लामा की संस्था चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि गदेन फोडरंग ट्रस्ट को ही उनके पुनर्जन्म को मान्यता देने का एकमात्र अधिकार होगा। गदेन फोडरंग ट्रस्ट की स्थापना तिब्बती संस्कृति को संरक्षित करने और तिब्बती लोगों के साथ-साथ अन्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए की गई थी, चाहे उनकी राष्ट्रीयता, धर्म या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। धर्मशाला के पास मैकलियोडगंज में तीन दिवसीय बौद्ध धार्मिक सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान दलाई लामा ने यह महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, '24 सितंबर 2011 को तिब्बती आध्यात्मिक परंपराओं के प्रमुखों की बैठक में मैंने तिब्बत के अंदर और बाहर रहने वाले तिब्बतियों, तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुयायियों और तिब्बत से जुड़े लोगों के सामने यह स्पष्ट किया था कि दलाई लामा की संस्था को जारी रखने का फैसला लिया गया है।' तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने कहा कि उनकी मृत्यु के बाद भी दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पुनर्जन्म को मान्यता देने का अधिकार केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट को होगा।

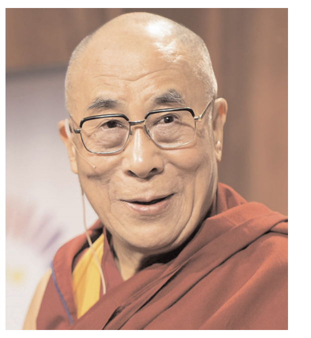

6 जुलाई को 90 वर्ष के होने जा रहे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा ने धर्मशाला के मैकलियोडगंज में एक बौद्ध सम्मेलन के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने बताया कि 1969 में उन्होंने कहा था कि दलाई लामा के पुनर्जन्म को जारी रखने का फैसला तिब्बती लोगों और संबंधित समुदायों को करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 90 वर्ष की आयु के आसपास वे तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुख लामाओं, तिब्बती जनता और बौद्ध धर्म के अनुयायियों से इस पर चर्चा करेंगे। हालांकि, पिछले 14 वर्षों में तिब्बती आध्यात्मिक नेताओं, निर्वासित तिब्बती संसद, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, गैर-सरकारी संगठनों, हिमालयी क्षेत्र, मंगोलिया, रूस के बौद्ध गणराज्यों और चीन के बौद्धों ने उन्हें पत्र लिखकर दलाई लामा की संस्था को जारी रखने की मांग की।

नेशनल हेराल्ड मामला

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा दावा किया है। बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने बताया कि कांग्रेस नेशनल हेराल्ड की करीब 2,000 करोड़ रुपए की संपत्ति हड़पना चाहती थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में कहा, 'नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कंट्रोल करने के लिए यंग इंडियन लिमिटेड बनाने की साजिश रची गई थी, जिसमें कांग्रेस संसदीय पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी प्रमुख हिस्सेदार हैं। इसका लक्ष्य पार्टी नेतृत्व को व्यक्तिगत लाभ पहुंचाना था।' एएसजी राजू ने दावा किया कि कांग्रेस के कई सीनियर नेता एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को किए गए 'फर्जी लेनदेन' में शामिल थे।

ईडी का दावा- 2000 करोड़ की संपत्ति हथियाने की हुई थी साजिश

महागठबंधन की सरकार बनी तो दिव्यांगों के लिए मंत्रालय और आयोग का गठन किया जाएगा: तेजस्वी

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को घोषणा करते हुए कहा कि बिहार में जब महागठबंधन की सरकार बनेगी तो दिव्यांगों के लिए मंत्रालय और आयोग का गठन किया जाएगा। पंचायती राज एवं स्थानीय निकाय चुनाव में दिव्यांगों के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जाएगी तथा राज्य सलाहकार समिति का गठन किया जाएगा। साथ ही दिव्यांग अधिकार अधिनियम को मजबूती से लागू किया जाएगा। पटना के बापू सभागार में एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसैबिलिटीज के तत्वावधान में आयोजित राज्यव्यापी दिव्यांग अधिकार सम्मेलन में पहुंचे तेजस्वी यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए घोषणाओं की झड़ी लगा दी।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के बैकलॉग को सरकार बनने के 100 दिनों में पूरा किया जाएगा। हर पंचायत में दिव्यांग मित्रों की नियुक्ति की जाएगी तथा आवास योजना में पांच प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत दिव्यांग, विधवा एवं वृद्धजनों के लिए 1,500 रुपए हर माह दिए जाएंगे और हर साल 200 रुपए की वृद्धि की जाएगी। दिव्यांगों के लिए हर जिले में विशेष विद्यालय की स्थापना की जाएगी।

■ दिव्यांगों के बैकलॉग को सरकार बनने के 100 दिनों में पूरा किया जाएगा

राजद नेता तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि 20 साल पुरानी खटारा सरकार को बदलने के लिए आप सभी संकल्प लें। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 वर्षों में जिस सरकार ने दिव्यांगजनों के हितों के लिए कोई कार्य नहीं किया हो, उससे उम्मीद करना भी बेकार है।

बदलाव — रेलवे की तत्काल टिकट की बुकिंग हुई आसान, एजेंटों पर कसी नकेल

तत्काल टिकट की बुकिंग के लिए आधार नंबर का सत्यापन अनिवार्य

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। रेलवे की तत्काल टिकट की बुकिंग के लिए बुधवार से आधार नंबर का सत्यापन अनिवार्य हो गया है। गौरतलब है कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से यात्रियों को तत्काल टिकट सुलभ कराने के लिए भारतीय रेलवे ने इसकी बुकिंग प्रणाली में संशोधन करने की घोषणा की थी।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर तत्काल टिकट सिर्फ आधार सत्यापित उपभोक्ताओं के लिए ही उपलब्ध होगा। साथ ही, कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकट बुक करने के लिए 15 जुलाई से उपयोगकर्ता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन की आवश्यकता होगी।

रेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार तत्काल टिकटों की थोक बुकिंग को रोकने के लिए रेलवे ने अधिकृत टिकटिंग एजेंटों को बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान टिकट बुक करने की अनुमति नहीं दी है। यह प्रतिबंध एसी श्रेणी के लिए सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक और गैर-एसी श्रेणी के लिए सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक लागू रहेगा।

निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से यात्रियों को तत्काल टिकट सुलभ कराने के लिए भारतीय रेलवे ने बुकिंग प्रणाली में संशोधन कर रही है: रेलवे

वडोदरा मंडल डिजिटल भुगतान अपनाने में अग्रणी

पश्चिम रेलवे में गुजरात का वडोदरा मंडल पीआरएस काउंटरों पर डिजिटल भुगतान को अपनाने में अग्रणी है। मंडल रेल प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय रेलवे द्वारा डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 29 जून को पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों में पीआरएस काउंटरों पर डिजिटल भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गयी। इस समीक्षा में वडोदरा मंडल ने 40 प्रतिशत डिजिटल भुगतान के साथ सभी मंडलों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। यह प्रदर्शन यात्रियों की बढ़ती डिजिटल जागरूकता के साथ-साथ मंडल द्वारा किये गये संगठित एवं सतत प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है।

पूर्वी तटीय रेलवे राजधानी और राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त एसी कोच लगाएगा

पूर्वी तटीय रेलवे (ईसीओआर) यात्रियों की बढ़ती भीड़ के मद्देनजर राजधानी और राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रेनों में अस्थाई रूप से अतिरिक्त एसी-3 टियर कोच की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

उल्टा पुल्टा

व्यक्ति : (रेलवे के पूछताछ खिड़की पर) आपने अभी कहा कि ट्रेन टाइम पर आ रही है...।
अधिकारी : हां, सही है...।
व्यक्ति : लेकिन इससे पहले तो ट्रेन पटरी पर आया करती थी...।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत किया सम्मेलन आयोजित, कहा

दलितों, आदिवासियों व पिछड़ों के अधिकारों के लिए मिलकर लड़ेंगे

संविधान में समाज के वंचित वर्गों को आरक्षण का प्रावधान होने के बावजूद समाज के उच्च पदों पर पहुंचने नहीं दिया गया : देवेन्द्र यादव

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर गरीबों की अनदेखी का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में संगठन सृजन अभियान के तहत 258 ब्लाक कांग्रेस कमेटियों के द्वारा जय बापू, जय भीम, जय संविधान विषय पर सम्मेलन आयोजित किए गए। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिनभर में लगभग दर्जन भर सम्मेलनों में हिस्सा लिया। प्रत्येक बैठक में मौजूद ब्लाक कार्यकारिणी के सदस्यों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने एक प्रस्ताव भी पारित करते हुए संकल्प लेकर प्रस्ताव पास किया कि

हम मिलकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में भाजपा के नफ़रत फैलाने और समाज को बांटने के एजेंडे के ख़िलाफ तथागत महात्मा बुद्ध व गांधी जी के सत्य और अहिंसा के आदर्शों, बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की सामाजिक न्याय की अवधारणा और संविधान में निहित दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के हनन के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे। वंचित वर्गों की न्यायालयों, पत्रकारिता, व्यापार, विश्वविद्यालयों सहित सभी क्षेत्रों में हिस्सेदारी व भागीदारी सुनिश्चित करने का संघर्ष जारी रखेंगे' सभी ने जय बापू, जय भीम, जय संविधान के नारे भी उद्घोषित किए।

देवेन्द्र यादव ने कहा डॉ. अम्बेडकर द्वारा संविधान में सबको बराबरी का हिस्सा देने वाले प्रावधानों के खिलाफ भाजपा सरकारी नौकरियों को संयोजित सुनियोजित तरीके से खत्म करके प्राइवेट लोगों के हाथों में देकर ठेकेदारी प्रथा को लागू करके अधिकारों का हनन कर रही है जिसके कारण बेरोजगारी अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि संविधान में समाज के वंचित वर्गों को आरक्षण का प्रावधान होने के बावजूद समाज के उच्च पदों पर पहुचने नहीं दिया गया और केवल चुनिंदा वर्ग के लोग ही उच्च पदों पर बैठकर समाज के नीति निर्धारण का काम कर रहें हैं। जिसके विरुद्ध राहुल गांधी द्वारा उठाई गई जातिगत जनगणना की आवाज़ समाज का एक्सरे करने के लिए आज के दौर में वंचित वर्गों को समाज में उनका हक दिलाने महत्वपूर्ण है। श्री यादव ने कहा कि लगातार दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों के ऊपर अत्याचार हो रहे हैं और महिलाएं बलात्कार का शिकार बन रही है जो कि संविधान में दिए गए बराबरी और उनके लिव विद ह्यूमन डिग्निटी के अधिकार का सीधे तौर पर उलंघन है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार इनकम टैक्स, ईडी, इलेक्शन कमीशन, सीबीआई जैसी संवैधानिक संस्थाओं को पूरी तरह से राजनैतिक टूल में बदलकर बदले की भावना से इनका दुरुपयोग कर रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने रेहड़ी पटरी वालों के अजीविका के हक़ और उनको नियमित करने के लिए प्रत्येक राज्य में जनसंख्या के हिसाब से रेहड़ी पटरी क़ानून बनाया था।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि गरीब लोगों के जीवन के अधिकार पर सीधा प्रहार करके भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार झुग्गी झोपड़ियों को उजाड़कर उनके आशियानें छीनने का काम कर रही है। भाजपा की केन्द्र सरकार ने 'जहां झुग्गी वहीं मकान' का वायदा करके 2022 तक सभी को छत देने का वायदा भी किया था, परंतु 2025 में दिल्ली की सत्ता में आने के बाद भाजपा ने गरीब झुग्गीवालों को उजाड़ने का काम किया है।

शिकायत पेटियां सरकार व जनता के बीच संवाद का एक माध्यम : रेखा गुप्ता

प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में डीएम, एसडीएम और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में लगाई गई शिकायत और सुझाव पेटियों को स्वयं खोला और नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई समस्याओं का संज्ञान लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्वी, उत्तर पूर्वी, पूर्व,, पश्चिम, दक्षिण और दक्षिण पश्चिम दिल्ली में लगी 42 शिकायत पेटियों को खोला गया। सीएम ने बताया कि इन शिकायत पेटियों में प्राप्त होने वाली शिकायतों का मूल्यांकन सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा किया जाएगा, ताकि किसी भी शिकायत की अनदेखी न हो और प्रत्येक मुद्दे पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि यह कदम सरकार की जन-संवेदनशीलता, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में एक और ठोस प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के नागरिकों की शिकायतों का समाधान करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। किसी भी विभाग में लंबित शिकायतें कतई भी स्वीकार्य नहीं हैं। इसी समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार ने दिल्ली के सभी डीएम, एसडीएम और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में 'शिकायत और सुझाव पेटी' लगाने के निर्देश दिए थे। उनका उद्देश्य यही था कि जनता की बात सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि पहले ही स्पष्ट किया गया था कि इन पेटियों को प्रत्येक माह मुख्यमंत्री कार्यालय में लाकर खोला जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की लीक या मैनिपुलेशन की संभावना न रहे।

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि मैंने कुछ शिकायत और सुझाव पेटियां स्वयं खोली हैं और अब मैं इनमें से प्राप्त सभी शिकायतों को पढ़ने जा रही हूं। मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री और जनता के बीच सीधा संवाद अत्यंत आवश्यक है। जो भी बात लोग खुलकर कह सकें, वह सीधे मुझ तक पहुंचे, और सरकार व प्रशासन उस पर आवश्यक कार्रवाई करें, यही इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य है।

इससे शासन व्यवस्था और अधिक उत्तरदायी तथा जनकेन्द्रित बनती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कोई भी शिकायत केवल कागज़ का टुकड़ा नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षा और अधिकार की आवाज़ है।

सार संक्षेप

एशिया पैसिफिक वीडियो ऑपरेटर्स समिट आयोजित

नई दिल्ली। मीडियापार्टनर्स एशिया द्वारा बाली में आयोजित एशिया पैसिफिक वीडियो ऑपरेटर्स समिट 2025 के दौरान जियोस्टार एंटरटेनमेंट के लीडर्स आलोक जैन और कृष्णन कुट्टी ने भारतीय स्टोरीटेलिंग के भविष्य को लेकर एक सशक्त दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। ऐसा दृष्टिकोण जो साहसिक हो, समावेशी हो, भावनाओं से जुड़ा हो और बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके। इनसाइड द नेक्स्ट वेव ऑफ इंडियन स्टोरीटेलिंग शीर्षक से आयोजित फायरसाइड चैट में, जिसे एम पी ए के कार्यकारी निदेशक और सह-संस्थापक विवेक कूटो ने मॉडरेट किया, दोनों जियोस्टार प्रमुख ने स्पष्ट किया कि जियोस्टार अब केवल एक प्रसारक नहीं, बल्कि एक साझेदार के रूप में काम कर रहा है। उनका उद्देश्य है - सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी कहानियों में निवेश करना, स्थानीय आवाज़ों को मंच देना, और युवाओं के लिए कंटेंट तैयार करना। जियोस्टार का उद्देश्य है ऐसा प्लेटफॉर्म-अज्ञेय कंटेंट अनुभव तैयार करना, जो टीवी, मोबाइल, और डिजिटल सभी माध्यमों पर समान रूप से असरदार हो।

पिछले वर्ष की तुलना में साइबर हमलों में कमी

नई दिल्ली। साइबर हमलों पर काबू पाने के लिए नवोन्मेषी सुरक्षा समाधानों के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी, सोफॉस ने अपनी छठी वार्षिक द स्टेट ऑफ रैन्समवेयर 2025 रिपोर्ट जारी की, जो 17 देशों की 3,400 आईटी और साइबर सुरक्षा संस्थाओं का एक वेंडर-एग्नॉस्टिक सर्वेक्षण है। इसमें भारत के 378 संगठन शामिल हैं, जो पिछले वर्ष रैन्समवेयर से प्रभावित हुए थे। इस साल के सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 53 प्रतिशत भारतीय कंपनियों ने अपना डेटा वापस पाने के लिए फिरौती दी, जो पिछले साल दर्ज 65 प्रतिशत की तुलना में काफी कम है। भारत में, पिछले साल रैन्समवेयर हमले की स्थिति में किये जाने वाले भुगतान के लिहाज़ से उल्लेखनीय बदलाव आया है।

■ शालीमार बाग में शीशमहल को जनता के लिए खोलते गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल वी के सक्सेना व प्रवीण खंडेलवाल।

फोटो : इम्तियाज खान

'आप' सरकार की लापरवाही से बढ़ा प्रदूषण : सिरसा

'आप' सरकार ने न जनता के स्वास्थ्य की परवाह की, न वाहन मालिकों की : मनजिंदर सिंह

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली में आज जो वायु प्रदूषण की स्थिति है, और पुराने वाहनों पर जो सख्ती की जा रही है, वह आप सरकार की 10 साल की लापरवाही तथा निष्क्रियता का परिणाम है।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह और पर्यावरण मंत्री सिरसा ने दिल्ली में पुराने वाहनों पर कार्रवाई को लेकर एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 2014 से लगातार दिए गए आदेशों और 2018 में आए सर्वोच्च न्यायालय के फ़ैसले के आधार पर हो रही है। इन आदेशों के अनुसार, 15 साल से ज़्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल से ज़्यादा पुराने डीज़ल वाहनों को दिल्ली की सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं है क्योंकि इससे प्रदूषण बढ़ने की संभावना है। डॉ सिंह ने कहा कि यह दोषारोपण की बात नहीं है। यह उस नाकामी का नतीजा है जो पिछली सरकार ने प्रदूषण रोकने में की। श्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली में जो वायु प्रदूषण की स्थिति है, और पुराने वाहनों पर जो सख्ती की जा रही है, वह आप सरकार की 10 साल की लापरवाही और निष्क्रियता का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने न जनता के स्वास्थ्य की परवाह की, न वाहन मालिकों की। जब वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार खराब होता गया, तब कोर्ट को मजबूरी में इन वाहनों पर पूर्ण पाबंदी लगानी पड़ी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली सरकार जल्द ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को सारी योजनाओं और प्रयासों की रिपोर्ट सौंपेगी, जिनके माध्यम से दिल्ली में प्रदूषण कम करने का कार्य किया जा रहा है। श्री सिरसा ने कहा कि हम दिल्ली के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और इस लड़ाई को पूरी ताक़त से लड़ रहे हैं लेकिन सच्चाई ये है कि जो हालत आज दिल्ली की है, वो आप सरकार की लापरवाही का परिणाम है।

दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए हर महीने लगाएंगे शिविर : इंद्राज

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में व्हीलचेयर वितरण कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बुधवार को व्हीलचेयर वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संगम विहार और गिरी नगर के गरीब एवं वंचित परिवारों के दिव्यांग बच्चों और अन्य लोगों को 50 व्हीलचेयर वितरित की गईं। कार्यक्रम का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली, सफदरजंग द्वारा आस्था एनजीओ और दिल्ली स्टडी ग्रुप के साथ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने इस आयोजन के लिए महिला क्लब का उत्साह बढ़ाया और कहा कि दिल्ली सरकार विकसित दिल्ली लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रही है और इसके लिए हर वर्ग और हर संस्था का साथ जरूरी है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार हर महीने की 10 तारीख को एक जिले में सहायक उपकरण वितरण कैम्प लगाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता शोभा तुली ने दिल्ली को समावेशी और सभी के लिए सुलभ बनाने को लेकर अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर भाजपा नेता विजय जॉली, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन डॉ. रवि गुगनानी, रोटेरियन टीना कपूर, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सतेंद्र सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता शोभा तुली, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी रोटेरियन संजीव वाधवा, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन रोटेरियन नीरज भटनागर, असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन मधुमती, विशेषज्ञ टी.डी. धरियाल उपस्थित रहे।

जलभराव पर स्थायी बदलाव हमारा लक्ष्य : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को कहा कि लोगों ने जलभराव को अपनी नियति मान लिया था लेकिन सरकार का लक्ष्य केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि स्थायी बदलाव है।

श्री सिंह ने कहा कि यहां आया नगर की जल निकासी समस्या का समाधान केवल एक इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट नहीं था, बल्कि वर्षों से उपेक्षित लोगों को राहत और सम्मान देने की प्रतिबद्धता थी। यह उस बदलाव का प्रतीक है जो हम दिल्ली भर में ला रहे हैं जहां सबसे कठिन समस्याओं का सीधा समाधान किया जा रहा है, उन्हें टाला नहीं जा रहा। लोगों ने जलभराव को अपनी नियति मान लिया था लेकिन आज, इस स्थायी समाधान के साथ वह पहली बार निडर मानसून देखेंगे। हमारा लक्ष्य केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि स्थायी बदलाव है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने दक्षिणी दिल्ली के आया नगर गांव में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कर दिया है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (इ-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता-II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई-निविदा आमंत्रण।

NIT -34	**कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II / दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में DSA-SMQL-SRE सेक्शन में सहायक मंडल अभियंता शामली के कार्यक्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग संख्या 109 किमी 109/18-110/2 का उन्मूलन व एल.एच.एस (7.0 x 5.0) मीटर का निर्माण व लेवल क्रॉसिंग संख्या 61 किमी 58-9/10 का उन्मूलन व एल.एच.एस (5.0 x 5.0) मीटर और किमी 5/3-4 पर 4.5 x 2.5 मीटर आकार के एलएचएस का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :- 149167022.25** **बयाना राशि (रुपये): 895800.00**
निविदा खोलने की तिथि और समय	25.07.2025 15:00 Hrs.
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।

ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) **IREPS** साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं 128-W/280/e Tender Notice/NIT-34-25-26-W-II दिनांक : 01.07.2025 1997/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है:

क) **कुल ग्यारह (11) स्टॉल:** दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली शाहदरा, गन्नौर, करनाल, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी, पानीपत, गुड़गांव, पटौदी रोड और रोहतक स्टेशनों पर ।

ख) **कुल चौंतीस (34) ट्राली:** जींद, जाखल, टोहाना, मानसा, नरवाना, बादली, बल्लभगढ़, दिल्ली किशनगंज, देवबंद, नरेला, ओखला, पालम, सकौती टांडा, शामली, टपरी, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, बागपत रोड, बड़ौत, दिल्ली सराय रोहिल्ला, फरीदाबाद न्यू टाउन, खेकड़ा, नांगलोई, खतौली, मुरादनगर, नोली, परतापुर, शकूरबस्ती, जुलाना, सांपला, दिल्ली सफदरजंग, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज और मोदीनगर स्टेशनों पर।

- गन्नौर, करनाल, पटौदी रोड, रोहतक, गुड़गांव, और मेरठ कैंट स्टेशनों पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में 90 दिन होगी।
- उपरोक्त (ख) समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर **ट्रॉली** स्थापित करने की अवधि 30 दिन होगी।
- NSG 1, 2, 3 और 4 स्टेशनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क 2000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और NSG 5 (दिल्ली किशनगंज, देवबंद, बादली, ओखला, शामली, टपरी, जींद, जाखल, टोहाना, मानसा, नरवाना, बागपत रोड, खेकड़ा, नांगलोई, मुरादनगर, खतौली, मेरठ कैंट, जुलाना, सांपला, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज और दिल्ली सफदरजंग) & NSG 6 (परतापुर और सकौती टांडा) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:-

क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य / केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों / बुनकर आईडी कार्ड धारक।
ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी) / खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) / गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर / बुनकर / शिल्पकार।
ग) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।
घ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग।
ड.) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 08.07.2025, 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा ।
- सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक / अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्या: 12 / 2022 एवं 09/2023 के तहत / अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट: www.indianrailways.gov.in & URL:https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/ directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of%202023 पर उपलब्ध है।
- इस से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है। **1994/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मांग एमसीडी में आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने की मांग, कहा

एमसीडी के 12 हजार कर्मचारियों को तत्काल पक्का करे सरकार

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। एमसीडी में आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने बुधवार को सिविक सेंटर में प्रेस वार्ता कर कहा कि एमसीडी की 'आप' सरकार ने फरवरी-मार्च के हाउस में 12 हजार कर्मचारियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास किया था। ये दिहाड़ी मजदूर और संविदा कर्मचारी हैं, जो अपनी नौकरी नियमित होने का इंतजार कर रहे हैं। एमसीडी में हाउस सबसे बड़ा होता है। अगर हाउस में कोई प्रस्ताव पास हो गया, उसे वैध माना जाता है। फिर भी ये लोग चार महीने बाद भी कर्मचारियों को पक्का नहीं कर रहे हैं। ये कह सकते हैं कि 12 हजार कर्मचारियों को पक्का कर देंगे तो सैलरी कहां से देंगे?

'आप' की सरकार ने बजट में लगाया था कट मोशन

जबकि 'आप' की सरकार ने बजट में कट मोशन लगाया था। जिसमें 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया और 300 करोड़ रुपए का दूसरा कट मोशन लगाया गया। यानी कुल 800 करोड़ पास किए गए। जब बजट में संशोधन हो गया और कर्मचारी हाउस से पक्के हो गए, तो फिर भाजपा इन कर्मचारियों को पक्का क्यों नहीं होने दे रही? बीजेपी यह कौन सी राजनीति कर रही है।

अंकुश नारंग ने कहा कि एमसीडी के कई जोनों में 1998 में नियुक्त सफाई कर्मचारी अभी तक पक्के नहीं हो पाए, उनको काम करते हुए 27 वर्ष हो गए। जब कर्मचारी को पक्का करने की फाइल जाती है, तो अपनी उपस्थिति दिखाने को कहते हैं। ये कर्मचारी दिल्ली की जनता के लिए रोज सड़कें साफ करते हैं। फिर भी ये लोग उनसे हाजिरी मांग रहे हैं। कर्मचारी अपनी अटेंडेंस रखेगा या नियोक्ता यानी एमसीडी कर्मचारी का अटेंडेंस का रिकॉर्ड अपने पास रखेगी। अगर ये पक्का नहीं होंगे तो रिटायरमेंट के बाद इनको कोई लाभ नहीं मिलेगा। अभी 60 कर्मचारी रिटायर हुए हैं। विदाई पार्टी में मेयर राजा इकबाल सिंह ने उनको खाली लिफाफा पकड़ा दिया। उनको चेक, रिटायरमेंट लाभ, कैशलेस मेडिकल योजना किसी का लाभ नहीं मिला।

अंकुश नारंग ने कहा कि 2021-22 में 82 कर्मचारियों को पक्का किया गया, जबकि 2004 में पक्का होना था। इन 84 कर्मचारियों का कहना है कि उनके बाद पक्के हुए 94 कर्मचारियों को 2004 से पक्का माना जा रहा है तो उन्हें भी 2004 से पक्का माना जाए। डम्स विभाग ने 25 कर्मचारी लिया और उन्हें कस्तूरबा गांधी अस्पताल में भेज दिया।

भाजपा ने लोगों को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ा : 'आप'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हर क्षेत्र में विफल करार देते हुए बुधवार को कहा कि दिल्ली की सत्ता में आने के पांच महीने के अंदर ही जनता को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। 'आप'के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने 'एक्स' पर कहा कि सिर्फ़ पांच महीने में ही दिल्ली के बच्चे-बच्चे को समझ आ गया कि भाजपा वालों को सरकार चलाना नहीं आता। इन्हें तो बस लोगों को सताना आता है, लूटना आता है, घर उजाड़ना और बर्बाद करना आता है। श्री सिसोदिया ने कहा कि दस साल पुरानी कार और मोटरसाइकिल को पेट्रोल नहीं मिलने से प्रदूषण कैसे कम होगा? इससे तो बस दिल्ली की चारों तरफ़, बॉर्डर पर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के पेट्रोल पंपों की चांदी हो गई है। लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं इन पंपों पर और उनमें से 90 प्रतिशत लोग दिल्ली के वही हैं जिनकी गाड़ियां 10 साल पुरानी हैं। यानी जिसे अपने घर से पांच-10 किलोमीटर जाना था, वो अब 15-20 किलोमीटर दूर दिल्ली की सीमा से सटे पेट्रोल पंप पर जाकर तेल भरवा रहा है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच “ कहीं भी क्षेत्र में जल व्यर्थ न बहे मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार विजयनगर क्षेत्र में गंगाजल आपूर्ति का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इंदिरापुरम क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के दाता के आधार पर विश्लेषण की कार्रवाई भी प्रारंभ की जाएगी जिससे आने वाले समय में इंदिरापुरम क्षेत्र वासियों को सीवर की समस्या से पूर्ण रूप से निजात मिलेगी : **विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त।**

विजयनगर निवासियों को गंगाजल आपूर्ति में न हो विलंब : नगर आयुक्त

नगर आयुक्त ने जल कल तथा जल निगम अधिकारियों की बुलाई बैठक, बनाई योजना

गाजियाबाद, 2 जुलाई (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा जलकल विभाग तथा जल निगम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की गई, बैठक में इंदिरापुरम क्षेत्र की सीवर समस्या के समाधान को लेकर, अमृत की स्काडा योजना तथा विजयनगर को गंगाजल आपूर्ति पर समीक्षा की गई, बैठक में अवनींद्र कुमार अपर नगर आयुक्त, अधिशासी अभियंता निर्माण एसपी मिश्रा, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, आश कुमार अधिशासी अभियंता जलकल विभाग से उपस्थित रहे इसके अलावा जल निगम से अधीक्षण अभियंता एसके गौतम, अधिशासी अभियंता संतोष कुमार, अरुण प्रताप सिंह, गंगाजल से ब्रह्मानंद अधिशासी अभियंता भी उपस्थित रहे।

■ जल व्यर्थ न बहे लीकेज पर विशेष ध्यान दें अधिकारी, कवि नगर तथा इंदिरापुरम क्षेत्र में स्काडा को करें प्रारंभ

बैठक में नगर आयुक्त द्वारा विजयनगर क्षेत्र वासियों को गंगाजल आपूर्ति की कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए तथा कार्य 15 जुलाई से प्रारंभ करते हुए तीन माह में कार्य पूर्ण करने के लिए कहा गया, इसके अलावा इंदिरापुरम क्षेत्र में सीवर समस्या के समाधान के लिए जल निगम तथा जलकल विभाग को संयुक्त रूप से सर्वे करने के लिए कहा गया गैप एनालिसिस करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त द्वारा स्काडा योजना जो की अमृत योजना है जिसके क्रम में पानी की बचत के ऊपर कार्य किया जाना है प्रथम चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कवि नगर तथा इंदिरापुरम क्षेत्र में स्काडा योजना की कार्रवाई की जानी है जिससे लगे हुए नलकूप से ऑटोमेटिक ऑन ऑफ की प्रक्रिया शुरू होगी। नगर आयुक्त द्वारा समस्त उपस्थित अधिकारियों को लीकेज पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने के निर्देश दिए कहीं भी क्षेत्र में जल व्यर्थ न बहे मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार विजयनगर क्षेत्र में गंगाजल आपूर्ति का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इंदिरापुरम क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के दाता के आधार पर विश्लेषण की कार्रवाई भी प्रारंभ की जाएगी जिससे आने वाले समय में इंदिरापुरम क्षेत्र वासियों को सीवर की समस्या से पूर्ण रूप से निजात मिलेगी।

गाजियाबाद विकास की राह में, निगम अधिकारी करें कड़ी मेहनत : नगर आयुक्त

■ निगम बढ़ाएगा आय के स्रोत : महापौर

गाजियाबाद, 2 जुलाई (देशबन्धु)। विकास की राह में है महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए मंथन किया गया जिसमें महापौर तथा नगर आयुक्त ने निगम अधिकारियों को कड़ी मेहनत करने के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में महापौर द्वारा निगम के आय के स्रोतों को बढ़ाने पर भी बात की गई तथा नगर आयुक्त सहित सभी अधिकारियों को छूटी हुई संपत्ति पर संपत्ति कर लगाने के लिए कहा गया। किराया वसूली को भी बढ़ाने के लिए निर्देश दिए गए, अन्य योजना बनाने के लिए भी महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा मंथन किया गया। अन्य नगर निकायों के सापेक्ष गाजियाबाद नगर निगम के विकास कार्य बहुत ही सराहनीय रहे जिनके कार्य लगातार चल रहे हैं प्रोजेक्ट की रफ्तार बढ़ाने के लिए भी महापौर नगर आयुक्त द्वारा अधिकारियों को कहा गया तथा चल रहे प्रोजेक्ट को गति देने के लिए निगम अधिकारियों को कड़ी मेहनत की आवश्यकता है नगर आयुक्त ने टीम को मोटिवेट करते हुए निर्देश दिए, शहर का विकास लगातार यूं ही होता रहे जिसके लिए गाजियाबाद नगर निगम अधिकारी योजना बनाते हुए कार्य करेंगे तथा चल रहे प्रोजेक्ट को रफ्तार देने की निर्देश दिये गए।

सुप्रीम कोर्ट से जीत, अब चलेगा अवैध निर्माण पर बुलडोजर

■ 200 मीटर तक बनेगी सड़क, सीधे जा सकेंगे सेक्टर-46, 47

■ ट्रैफिक सिग्नल पर नहीं लगेगा जाम

नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में सेक्टर-99-100 सेक्टर-46-47 क्रॉसिंग पर सड़क का निर्माण होना है। इसका अधिकांश हिस्सा बन चुका है। इस सड़क को आगे 200 मीट तकर बनाने के बाद ये सीधे सेक्टर-46,47 और 99 से कनेक्ट हो जाएगी। इसका फायदा रोजाना यहां से निकलने वाले हजारों वाहन चालकों को होगा। यहां सबसे बड़ी बाधा खसरा-331 और 332 पर अवैध निर्माण की है। इसे आबादी साबित करने के लिए किसानों ने सुप्रीम कोर्ट में वाद दायर किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने उक्त जमीन अधिग्रहण के लिए नोएडा प्राधिकरण के पक्ष में निर्णय लिया। इस मामले से संबंधित कोई वाद अब किसी भी अदालत में लंबित नहीं है। यहां सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। प्राधिकरण ने बताया कि सड़क निर्माण के बाद क्रॉसिंग से जाने वाली सड़क सेक्टर-46-47 और सेक्टर-99 से सीधे कनेक्ट हो जाएगी। इससे ये ट्रैफिक सीधे सेक्टर-98 तक जा सकेगा। प्राधिकरण ने बताया कि वर्तमान में यहां करीब 10 से 12 दुकान, कुछ पक्के स्ट्रक्चर और 50 से 70 झुग्गियां है। जिनको ध्वस्त किया जाएगा। वर्तमान में ये ट्रैफिक सेक्टर-100,101 के बीच से हाजीपुर, सेक्टर-104 होता हुआ सेक्टर-98, एक्सप्रेस वे की ओर आवागमन करता है। इस कारण सेक्टर-47,100, 101 के ट्रैफिक सिग्नल पर जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में अवैध निर्माण को हटाकर सड़क का निर्माण कराया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि पर्याप्त पुलिस की मौजूदगी में अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाएगा।

सार संक्षेप

मॉकड्रिल द्वारा आगजनी के दौरान सुरक्षा के उपाय की दी गई जानकारी

खोड़ा। अनिल विहार स्थित एस एस इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को मॉकड्रिल करके आगजनी के दौरान छात्र छात्राओं को सुरक्षा के गुर सिखाया गया। यह जानकारी स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र यादव ने दी। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग के एक्सपर्ट द्वारा आगजनी के दौरान छात्र छात्राओं को बिल्डिंग से बाहर निकलने आगजनी के दौरान मुंह को रुमाल ढकने सुरक्षित रास्ते का चयन करने और अन्य लोगों को सहायता देने के लिए विस्तृत जानकारी दी गई। बिजली और ज्वलनशील पदार्थों से हुई आगजनी के दौरान सी ओ 2 छोटे सिलेंडर से अग्नि को बुझाने का अभ्यास कराया गया। छात्र छात्राओं को मॉकड्रिल करके सुरक्षा के उपाय को सिखाया गया। मौके पर स्कूल के प्रबंधक रविन्द्र यादव प्राचार्य प्रोमिला नागर कई शिक्षक सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आज लखनऊ में सुनवाई करेगी लोक लेखा समिति

नोएडा। लोक लेखा समिति गुरुवार को लखनऊ में सीएजी की आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। बैठक में हिस्सा लेने के लिए नोएडा प्राधिकरण के अफसर रवाना हो गए हैं। इस बार खास तौर से स्पोर्ट्स सिटी, ग्रुप हाउसिंग, संस्थागत विभाग से जुड़ी आपत्तियों पर सुनवाई होगी। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बैठक में ग्रुप हाउसिंग, व्यवसायिक, संस्थागत आदि विभागों की आपत्तियों को लेकर सुनवाई होनी प्रस्तावित है। करीब ढाई साल से लोक लेखा समिति सीएजी की आपत्तियों को लेकर सुनवाई कर रही है। अब तक सिर्फ स्पोर्ट्स सिटी, औद्योगिक संपत्ति, नियोजन विभाग से संबंधित आपत्तियों पर ही सुनवाई हुई, लेकिन औद्योगिक संपत्ति को छोड़ दें तो बाकी विभागों की सभी आपत्तियों का निस्तारण नहीं हो सका है।

ऑनडिमांड मार्कशीट बनाने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा। ऑन डिमांड फर्जी मार्कशीट और सर्टिफिकेट बनाने वाले गिरोह के दो लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 66 फर्जी मार्कशीट, 7 माइग्रेशन सर्टिफिकेट और बहुत सा सामान बरामद किया गया। इनका नाम अभिमन्यु गुप्ता और धमेंद्र गुप्ता है। एक मार्कशीट बनाने का 80 हजार से 2 लाख रुपए लेते थे। तीन साल से फर्जी मार्कशीट बनाने का काम किया जा रहा था। इस गिरोह को ट्रेक करने के लिए थाना फेज-1 पुलिस के अलावा स्वात टीम भी लगाई गई। डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि ये लोग बेरोजगार व परीक्षा में फेल व नौकरी की आयु पार कर चुके लोगों को ऑन डिमांड फर्जी मार्कशीट व अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्र बनाकर देते है। मार्कशीट में कस्टमर के कहने पर नंबर उसकी आयु प्रतिशत अंक प्राप्त कर ग्राहकों को देते है। डेटा गूगल से निकालते है। जिसके बाद ओवर राइटिंग करके फर्जी मार्कशीट तैयार करते है।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा खोड़ा को 50 एमएलडी पानी नहीं देने पर धरने की चेतावनी : ब्रह्मेश्वरनाथ मिश्रा

खोड़ा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। वयोवृद्ध एवं समाजसेवी ब्रह्मेश्वरनाथ मिश्रा ने खोड़ा को 50 एमएलडी गंगाजल शीघ्र नहीं देने पर धरना देने की चेतावनी दी है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को दिए गए पत्र में कहा कि वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र देकर खोड़ा को पेयजल की आपूर्ति के लिए आग्रह किया गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा अवगत कराया गया कि प्रताप विहार स्थित गंगाजल इकाई से 20 क्यूसेक पानी खोड़ा के लिए प्रस्तावित है। लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा मामले में कोई दिलचस्पी न लेने की वजह से मामला कागजों तक सिमट कर रह गया। जिला प्रशासन और शासन अवगत है कि खोड़ा में पेयजल की किल्लत से लोग परेशान है। केआरए और कई अन्य संगठन खोड़ा में पेयजल के लिए नगर पालिका परिषद से लेकर जंतर मंतर तक दर्जनों बार धरना प्रदर्शन कर चुके है। काफी जिद्दोजहद के उपरांत जल निगम द्वारा डीपीआर बनाकर शासन को भेजा गया। डीपीआर भेजने से पूर्व नोएडा प्राधिकरण और शासन के उच्चाधिकारियों की प्राधिकरण में हुई बैठक में सेक्टर 62 से 50 एमएल डी पेयजल खोड़ा को देने के लिए सहमति दी गई थी। 187 करोड़ के बजट की स्वीकृति मिलने के बाद जल निगम नोएडा प्राधिकरण को पत्र भेजकर लिखित सहमति मांगी गई। परन्तु छ माह का समय बीत जाने के बावजूद कोई संतोषजनक उत्तर जल निगम को प्राधिकरण द्वारा नहीं दिया गया। मामला अधर में लटका है। जल निगम के अधिकारियों का कहना है कि नोएडा प्राधिकरण से सहमति पत्र मिलने के उपरांत पाइपलाइन और यूजीआर सहित सभी कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

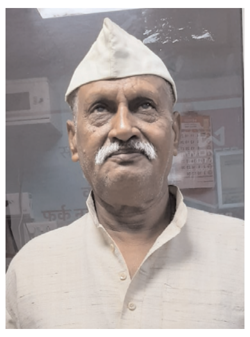

खोड़ा में पेयजल की जटिल समस्या है। बारह लाख की आबादी को पेयजल टैंकरों से उपलब्ध कराया जाता है। निजी बोरो पर चार से पांच लाख बजट खर्च करने पर घर गृहस्थी का बजट असंतुलित हो जाता है। सतही भूजल नहाने कपड़े धोने के योग्य नहीं है। भूजल स्तर पांच से सात सौ फिट नीचे चला गया है। लोग पलायन को मजबूर हो रहे है। आर्थिक रूप से सक्षम लोग मकानों को किराए पर देकर नोएडा गाजियाबाद दिल्ली का रुख कर रहे है। उन्होंने शीघ्र ही नोएडा प्राधिकरण से जल निगम को सहमति पत्र न मिलने पर धरने की चेतावनी दी है।

मधुबन बापू धाम योजना की 4 हजार करोड़ की परिसंपत्तियों के निस्तारण की प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने तय की कार्य योजना

गाजियाबाद, 2 जुलाई (देशबन्धु)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने मधुबन बापूधाम योजना की करीब 4 हजार करोड़ की परिसंपत्तियों के निस्तारण के दिशा में अहम निर्णय लिए गए। इस बीच तय किया गया कि सर्व प्रथम प्राधिकरण की परिसंपत्तियों के निस्तारण पर प्राथमिकता दी जाए जिसमें बैठक के दौरान जोर दिया गया कि हाल ही में प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में लिए गए फैसले के आधार पर योजना से प्रभावित किसानो को इस माह के अंत तक भूखंड उपलब्ध हो जाए। इसके लिए कार्य पूरा कर लिया जाए। ये भी स्पष्ट किया गया कि अब विकास कार्यों को नवीन डीपीआर के अनुसार तेजी से शुरू किया जाए, ताकि जनसामान्य को मधुबन बापू धाम योजना में भूखंड प्राप्त होने का मौका प्राप्त हो सके। इसके लिए ले-आउट तैयार कर लिया गया है।

■ इस माह के अंत तक किसानों को किए गए वायदे के अनुरूप प्राधिकरण भूखंड देने की कार्रवाई करेगा पूरा

■ योजना के प्रत्येक पाकेट में लगेगा बड़ा नक्शा, आवंटी अपने भूखंड की प्राप्त कर सकेंगे जानकारी

ये भी तय किया गया कि योजना में 40, 60, 90, 120, 300 वर्गमीटर साइज के भूखंडों के लिए आवेदन करने वाले आवंटियों को भूखंडों का आवंटन लाटरी के माध्यम से किया जाएगा। केवल बड़े भूखंड जो कि सामान्यत: सृजित किए जाने वाले भूखंडों से भिन्न होते है, उन्हें सीधे आवंटित किए जाएंगे। बैठक के दौरान ये भी तय किया गया कि श्मशान घाट से प्रभावित आवंटियों को दूसरे स्थान पर सृजित किए गए भूखंड उपलब्ध कराने की कार्रवाई भी की जाए। ये भी जोर दिया गया कि योजना के प्रत्येक पाकेट का बड़ा नक्शा/सूचक स्थल पर सूचक के तौर पर लगाया जाए, ताकि योजना में पहुंचने वाले आवंटियों को ये स्पष्ट हो सकें कि उनका भूखंड जो उन्हें आवंटित किया जा रहा है, वह किस दिशा में या स्थान पर है। इसके अतिरिक्त किसानों के अनुरोध पर प्राधिकरण द्वारा मधुबन बापू धाम के ले आउट में ये भी सुनिश्चित किया गया है कि योजना के परिधि पर सड़क निर्माण किया जाएगा। किसानों से अपील की जाती है कि प्राधिकरण द्वारा अपनी जिम्मेदारी के तहत प्राधिकरण बोर्ड से स्वीकृति प्राप्त करते हुए भूखंडों का सृजन कर विकसित भूखंड का आवंटन कराया जा रहा है, ऐसे में प्राधिकरण के विकास कार्यों में किसी तरह का गतिरोध उत्पन्न न किया जाए, बल्कि योजना के विकास में सहयोग किया जाए, इससे उनके भूखंडों के मूल्य मे भी वृद्धि होगी।यदि इसके बावजूद भी योजना के विकास कार्य में किसी तरह का अवरोध उत्पन्न किया जाता है तो प्राधिकरण कड़े कदम उठाएगा।

वृद्धाश्रम में विदेशी फंडिंग के मिले सबूत

■ जांच रिपोर्ट में फार्म-12, फार्म-8 का जिक्र

■ एकाउंटस की ली जाएगी जानकारी

नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। सेक्टर-55 के आनंद निकेतन वृद्ध सेवा आश्रम में बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार मामले में जिला प्रशासन को सौंपी गई जांच रिपोर्ट चौकाने वाली है। इस रिपोर्ट में फार्म-12 और फार्म-8 का जिक्र है। जिसके तहत विदेशी फंडिंग की गई। इन पैसों का रिकार्ड आश्रम के पास नहीं है। कितना ट्रांजेक्शन और किस देश से पैसा आश्रम के खाते में ट्रांसफर किया गया। इसकी जांच के संकेत जिला प्रशासन ने दे दिए है। यानी आश्रम प्रबंधन की मुश्किल बढ़ने वाली है।

डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि जांच रिपोर्ट में फार्म-12 और 8 का जिक्र है। आश्रम को फंडिंग की गई है। ये पैसा कहा से आया हमारी जांच उस पर नहीं थी। हम जांच बुजुर्गों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार की शिकायत पर कर रहे है। शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है। वहां से जैसा भी आदेश होगा उस पर अमल किया जाएगा। अगर शासन फंडिंग की जांच के लिए निर्देशित करेंगे तो उसकी जांच होगी। हालांकि इस तरह की जांच अधिकृत एजेंसी के द्वारा ही कराई जाती है। वहीं राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला ने बताया जिन कमियों की शिकायत की गई थी उसके साक्ष्य मिले है। बुजुर्गों और उनके परिजनों के बयान भी दर्ज किए गए है। जल्द ही आश्रम को सील किया जाएगा।

अधिकृत एजेंसी कर सकती फंड की जांच

पैसा, ट्रांजेक्शन और बैंक से संबंधित डिटेल की जांच अधिकृत एजेंसी ही कर सकती है। रिपोर्ट में इसकी जांच कराने के लिए भी आग्रह किया गया है। हालांकि शासनादेश के बाद ही कोई एजेंसी यहां जांच करेगी। बहरहाल, जल्द ही आश्रम को सीज करने की तैयारी की जा रही है।

बता दे शनिवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट विवेक कुमार भदौरिया, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार व अन्य अधिकारी जांच करने पहुंचे थे।

2001 में नक्शा पास 2009 में रजिस्ट्री कैसे उठे सवाल

नोएडा में सेक्टर-55 के सी-5बी चल रहा वृद्धाश्रम जन कल्याण ट्रस्ट के नाम पर है। 3293 वर्गमीटर पर यहां इमारत का निर्माण किया गया है। जिसमें ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट और सेकंड फ्लोर है। जबकि प्राधिकरण में सिर्फ ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर का ही नक्शा पास किया है। ये नक्शा 2001 में पास किया गया। जबकि ट्रस्ट के नाम लीज डीड 2009 में संपादित की गई। यानी लीजडीड होने से पहले ही प्राधिकरण में नक्शा जमा किया गया और पास भी करा लिया गया। हालांकि भूखंड आवंटन 1993 में हो चुका थ। लीज डीड के समय वैरिएशन पर ध्यान नहीं दिया गया। क्योंकि 1993 में आवपंटन के समय ट्रस्ट को जमीन 600 रुपए प्रतिवर्गमीटर की दर से दी गई थी और लीजडीड 2009 में की गई। 2009 में इस तरह प्रायोजन के लिए दी जाने वाले जमीन की दर क्या थी। उसका मिलान तक नहीं कराया गया। जिससे प्राधिकरण को राजस्व हानि हुई।

प्राथमिक विद्यालयों के बंद करने के निर्णय को लेकर आप का प्रदर्शन

नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के निर्णय के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस आंदोलन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने किया।

उन्होंने इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए प्रदर्शन को दिशा दी और प्रतिनिधिमंडल के साथ महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर सरकार गांव-गांव शराब की दुकानें खोल रही है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा के मंदिरों पर ताले लगा रही है। आम आदमी पार्टी यह अन्याय किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकारें सरकारी स्कूलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकती हैं, तो उत्तर प्रदेश में भी शिक्षा को प्राथमिकता दी जा सकती है। जरूरत है तो सिर्फ राजनीतिक इच्छाशक्ति की। प्रदर्शन के दौरान पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया को ज्ञापन सौंपते हुए यह मांग की कि 16 जून 2025 को जारी शासनादेश को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। ज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया कि यह आदेश शिक्षा का अधिकार अधिनियम और बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम का खुला उल्लंघन है।

ओखला बर्ड सेंचुरी में मनाया गया वन महोत्सव

राज्यमंत्री बोले, ‘नुकसान को न्यूनतम करने के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत आवश्यक’

नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में आज से वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सात जुलाई तक यहां पौधारोपण किया जाएगा। इस बार 9 लाख 31 हजार 520 पौधों को लगाया जाएगा। कार्यक्रम ओखला बर्ड सेंचुरी में आयोजित किया गया। इसमें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग राज्य मंत्री केपी मलिक मौजूद रहे। राज्यमंत्री ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया।

उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील करने साथ पर्यावरण व प्रकृति के प्रति सद्भावना रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान को न्यूनतम करने के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत आवश्यक है। इस मुहिम का हिस्सा सभी को बनना चाहिए। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, मुख्य वन संरक्षक पश्चिमी जोन उत्तर प्रदेश मेरठ एन के जानू, वन संरक्षक मेरठ वृत्त मेरठ आदर्श कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

इन पौधों का किया गया रोपण

आए हुए लोगों ने रुद्राक्ष, चंदन, मौलश्री, सिंदूर का पौधा लगाया और लोगों को अधिक से अधिक पौधरोपण का संदेश दिया। इस मौके पर पौधारोपण से संबंधित एक प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान को महाअभियान 2025 के रूप में हम सबको मिलकर मनाना है। इस कार्य में जन सामान्य की सहभागिता की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि हम सबको अपनी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करना है। साथ ही अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना है। उन्होंने जन सामान्य से अपील करते हुए एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाने को कहा।

पौधे लगाकर ग्लोबल वार्मिंग से बचना

इस मौके पर लोगों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के चलते पर्यावरण दूषित हो रहा है। ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। वर्तमान में हमे यह समझना चाहिए की संपूर्ण मानवता का अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है। इसलिए एक स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के बिना मानव समाज की कल्पना अधूरी है। हमारी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करना चाहिए।

महाकवि डॉ. कुंअर बेचैन की कविताओं की वाचन प्रतियोगिता आयोजित

20 विद्यार्थियों ने लिया भाग, पांच बच्चों को मिला गोल्ड मेडल

गाजियाबाद, 2 जुलाई (देशबन्धु)। वसुंधरा स्थित स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल में देवप्रभा प्रकाशन और स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल ने महाकवि डॉ. कुंअर बेचैन की कविताओं की वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 20 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सभी प्रतियोगियों ने अति सुन्दर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि और जज की भूमिका में सुप्रसिद्ध कवयित्री शोभा सचान और शिक्षाविद आईएम पांडेय रहे। जबकि कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय कवि एवं प्रकाशक डॉ. चेतन आनंद थे। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ। विशिष्ट अतिथियों का शाल, पुष्प एवं मोतियों की माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल की कोऑर्डिनेटर निधि रस्तोगी ने किया। वाचन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगियों में प्रथम स्थान पर कक्षा 10 की छात्रा जाह्नवी सिंह, दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से कक्षा 9 की छात्रा भावना जोशी एवं कक्षा 12 के छात्र निशांत, तृतीय स्थान पर कक्षा 11 की छात्रा पूर्विका एवं कशिश रही। विजयी प्रतियोगियों को गोल्ड मेडल, प्रमाण पत्र एवं पुस्तकें देकर पुरस्कृत किया गया। अन्य प्रतियोगियों उत्सव, अविशी, सृष्टि, आरुषि, वंशिका, रिमझिम, अभिषेक, युक्ता, अंजलि, चंचल, खुशी, जानवी, आरुषि गौतम, प्रज्ञा, सोनाली को पुस्तक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार सिंह, सचिव डॉ. उदय रस्तोगी और प्रबंधक प्रदीप कुमार शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

उवाच

यह केस बेहद दुर्लभ और जटिल था, क्योंकि दोनों गांठें बेहद नाजुक अंगों के पास थीं। मीडियास्टाइनल ट्यूमर दिल से जुड़ी बड़ी नसों के आसपास था, और दोनों ट्यूमर वोकल कॉर्ड्स को कंट्रोल करने वाली रीकरन्ट लेरिन्जियल नर्व्स को दबा रहे थे। इस वजह से आवाज हमेशा के लिए चले जाने और सांस लेने में गड़बड़ी का खतरा था : **डॉ. हेमकांत वर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, शारदा केयर हेल्थसिटी।**

ग्रेनो में खुल सकता है वेस्टर्न सिडनी विवि का कैंपस

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। देश के छात्रों को वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय से तमाम कोर्सेज व रिसर्च करने का अवसर ग्रेटर नोएडा में ही मिल सकता है। वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय का एक कैंपस ग्रेटर नोएडा एरिया में खोलने की तैयारी है। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया का एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर नोएडा पहुंचा। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर विश्वविद्यालय का एक कैंपस खोलने की इच्छा जाहिर की। प्राधिकरण भी विश्वविद्यालय का कैंपस खोलने के लिए जगह देने पर राजी है। दोनों पक्षों की तरफ से फाइनल निर्णय जल्द होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल में ऑस्ट्रेलियाई मंत्री व परामर्शदाता (शिक्षा और अनुसंधान) ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग जॉर्ज थिवोस, नैथनियल वेब, प्रथम सचिव (शिक्षा और अनुसंधान), ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के डिप्टी वॉइस चांसलर और सीओओ बिल पैरासिरिस, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मैरिओन जॉन्स, प्रोजेक्ट मैनेजर शुभम गुप्ता और लीड रिसर्चर कोलेबोरेशन एंड पार्टनरशिप साउथ एशिया कोपल चौबे, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में वरिष्ठ नीति सलाहकार (शिक्षा और अनुसंधान) अनु जैन शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल सुबह करीब 11.30 बजे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचा। प्राधिकरण की तरफ से एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव के अलावा ओएसडी एनके सिंह, महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह व अन्य अधिकारीगणों के साथ बैठक की। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय ने ग्रेटर नोएडा में कैंपस खोलने का प्रस्ताव रखा, जिस पर प्राधिकरण की तरफ से भी जगह उपलब्ध कराने के लिए सहमति दी गई है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ एनजी रवि कुमार से मिलकर अपनी परियोजना से अवगत कराया।

- **ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने दिया प्रस्ताव**
- **प्राधिकरण के सीईओ व एसीईओ संग की बैठक**

सीईओ ने कहा कि एजुकेशन हब के रूप में ग्रेटर नोएडा की खास पहचान है। यहां शिक्षा के क्षेत्र में बहुत स्कोप है। उद्यमियों की जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देकर युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने में वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकता है।

प्रतिनिधिमंडल ने भी ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर को सराहा और जल्द ही फाइनल निर्णय लिए जाने की बात कही। एसीईओ की तरफ से प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को पौधे भी भेंट किए गए। वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय खुलने से यहां के युवाओं को डिग्री के साथ ही रिसर्च करने का सुनहरा अवसर मिल सकेगा। बैठक के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्रा, रतिक और सौरभ भारद्वाज व उद्यमी मित्र के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेस वे को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने की प्रक्रिया हुई तेज

- **यूपीडा ने शुरू की 74.3 किमी लंबे ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस वे को लेकर जमीन की मार्किंग**

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ने की प्रक्रिया तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने 74.3 किलोमीटर लंबे ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए अधिसूचित जमीन की मार्किंग का काम शुरू कर दिया है। यह लिंक एक्सप्रेस वे गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर के 56 गांव की भूमि पर बनेगा। इसे फिल्म सिटी के पास यमुना एक्सप्रेस वे से जोड़ा जाएगा।

गंगा और यमुना एक्सप्रेस वे को जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेस वे बनना है। यह 120 मीटर चौड़ा लिंक एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र में शुरु होगा व यमुना एक्सप्रेस वे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा। पहले इसकी लंबाई 83 किलोमीटर थी, लेकिन एलाइंमेंट में बदलाव के बाद इसे सेक्टरों को बचाते हुए इसे सेक्टर-21 में जोड़ने की योजना तैयार की गई है, जिससे लंबाई करीब 8.7 किलोमीटर कम हो गई। लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण गौतमबुद्धनगर के 8 गांव और बुलंदशहर के 48 गांव की जमीन पर होगा। इनमें 14 गांव खुर्जा तहसील के हैं, बाकी बुलंदशहर, सियाना व शिकारपुर तहसील के रहेंगे। एक्सप्रेस वे के निर्माण को लेकर मार्किंग शुरू कर दी गई है। ये परियोजना करीब 4000 करोड़ रुपये में पूरी होगी।

लिंक एक्सप्रेस वे पर इन गांवों की आ रही जमीन

गौतमबुद्धनगर में जेवर तहसील के मेहंदीपुर बांगर, भाईपुर ब्रहमनान, रबुपूरा, भुन्नातगा, म्याना, फाजिलपुर और कल्लूपुरा। खुर्जा तहसील के अमानुल्लापुर उर्फ मारहरा, इनायतपुर उर्फ मधुपुरा, कपना, भगवानपुर, हसनपुर लड़ूकी, बीघेपुर, सनैता शफीपुर, भदौरा, वरतौली, खवरा, धरारी, दीनौल, खलसिया चूहरपुर, विचैला, धरांऊ। बुलंदशहर तहसील के औरंगाबाद, हिंगथला उर्फ भावसी, चरौरा मुस्तफाबाद, सैदपुरा, इस्माइला, सराय छबीला, अडौली, दोहली, चिरचिटा, मामन खुर्द, मामनकुलां, भाईपुर, ऐमनपुर, कलौली, बंगला पूठरी, पिपाला इखलासपुर, मूडीवकापुर, चिरचिटा। स्याना तहसील के घुंघरावली, मडौना जाफराबाद, बैनीपुर, अलावास वातरी, चित्सौना अल्लीपुर, सेगा जगतपुर, डारौली, बांहपुर, वीवी नगर, मोहम्मद पनाह पुर सगली और सिकंदराबाद के रुपवास पंचगई और चचोई।

ग्रीनवे बिल्डर ने भूखंड बचाने के लिए 40 करोड़ रुपए किया जमा

- **शेष रकम जमा करने के लिए बिल्डर ने यमुना प्राधिकरण से मांगा एक माह का समय**

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। भूखंड का आवंटन रद्द होने से बचाने के लिए ग्रीनबे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने यमुना प्राधिकरण को 40 करोड़ रुपए भुगतान कर दिया। साथ ही शेष रकम के भुगतान के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा है, जिसकी मंजूरी दे दी गई है।

यमुना प्राधिकरण ने ग्रीनबे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को वर्ष 2011 में सेक्टर-22डी में 100 एकड़ जमीन आवंटित की थी। बिल्डर ने उक्त भूखंड पर गोल्फ विलेज नाम से परियोजना शुरू की थी। इस परियोजना में 691 भूखंड हैं। इसमें 50 फीसदी की रजिस्ट्री हो चुकी है। बिल्डर पर बकाया होने की वजह से परियोजना रफ्तार नहीं पकड़ पा रही थी। बिल्डर ने अमिताभ कांत समिति की सिफारिश का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था, लेकिन बिल्डर ने किस्तों का समय से भुगतान नहीं किया। यमुना प्राधिकरण की 84वीं बैठक में बकाया राशि भुगतान के लिए तीन माह का अतिरिक्त समय दिया गया, इसके बाद भी पहली किस्त का भुगतान नहीं किया गया। इस पर बीते दिनों हुई प्राधिकरण की 85वीं बोर्ड बैठक में निर्णय लिया किया कि यदि बिल्डर बकाया धनराशि 117.73 करोड़ रुपए का 30 जून तक भुगतान नहीं करता है तो उसका आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। इससे बचने के लिए बिल्डर ने 40 करोड़ रुपए भुगतान कर दिया और पूरी रकम जमा कराने के लिए एक माह का समय मांगा। प्राधिकरण ने बिल्डर को 31 जुलाई तक बकाया जमा कराने की मंजूरी दे दी है।

औषधि निरीक्षक ने जेवर क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों पर चार दवाओं के नमूने किए संग्रहित

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिले के मेडिकल स्टोर्स पर मानकों के अनुरूप दवाईयों की बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विगत दिवस औषधि निरीक्षक जय सिंह ने जेवर क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान जेवर टप्पल रोड पर स्थित सिद्धार्थ मेडिकल स्टोर से 2 एवं सैफी मेडिकल स्टोर से 2 दवाओं, कुल 4 दवाओं के नमूने जांच हेतु संग्रहित किये हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों के क्रम में जिले में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान संचालित करते हुए मेडिकल स्टोर्स पर दवाओं की जांच की जाएगी।

बाढ़ की स्थिति का सिंचाई विभाग द्वारा की गई तैयारियों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बुधवार को याकूतपुर गांव के पास स्थित सिंचाई विभाग की बाढ़ चौकी, हिंडन यमुना दोआब तटबंध तथा यमुना मार्जिनल बंध पर सिंचाई विभाग द्वारा कराई गई बाढ़ पूर्व तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय सहायक अभियन्ता सिंचाई विभाग हरिओम सिंह व पवन सारस्वत तथा अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। सहायक अभियन्ता ने जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि जिले की सीमा के अन्तर्गत यमुना नदी की कुल लम्बाई 77.00 कि.मी है, जिसके बॉये तट पर बाढ़ से सुरक्षार्थ 72.00 कि.मी. लम्बाई में तटबन्ध निर्मित है। सभी तटबन्धों की आवश्यकतानुसार मरम्मत कराकर सुदृढ़ कर लिया है एवं सीही तथा रेट होल्स इत्यादि की भी मरम्मत करा ली गई है। जिलाधिकारी ने बाढ़ को देखते हुए सभी स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में रिजर्व स्टाफ को संरक्षित रखने तथा सभी बाढ़ चौकियों व कन्ट्रोल रूम पर स्टाफ की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए।

साथ ही निर्देशित किया कि नोएडा ड्रेन रेगुलेटर की मरम्मत कराकर संचालन योग्य बना लिया जाए। यमुना मार्जिनल बन्ध पर निर्मित सड़क की मरम्मत हेतु प्राधिकरण से समन्वय बनाकर कार्य कराने हेतु निर्देश दिए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी उपजिलाधिकारी से समन्व्य बनाकर बाढ़ बचाव की सभी तैयारियों को पूर्ण करा लिया जाए।

उद्यमियों ने पौधरोपण कर मनाया वन महोत्सव

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। वन महोत्सव के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से साइट 4 सौंन्दर्यीकरण के तहत पौधारोपण अभियान के तहत बुधवार आयोजित किया गया।

संगठन ने औद्योगिक क्षेत्र के मैदान में अमरूद, आंवला, आम, जामुन तथा अन्य उपयोगी पौधों को रोपित किया गया। संगठन से रविदत्त शर्मा, बजरंग गोयल, शिवकुमार शर्मा, अरुण गुप्ता, धौला सिंह, कमल गुप्ता, सुरेंद्र तायल, अतुल जैन व वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर के चेयरमैन बने सरबजीत सिंह

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआइए) के विधान अनुसार प्रथम जुलाई से नए सत्र का आगाज हो गया। केंद्रीय कार्यालय आईआइए भवन लखनऊ के सभागार में नव नियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ली। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोएल ने ग्रेटर नोएडा चैप्टर के निवर्तमान सचिव सरबजीत सिंह (पलक टेप्स) को 2025-26 के लिए चेयरमैन नियुक्त किया है, जो सिंह के नेतृत्व, कार्यशैली और समर्पण को दर्शाता है। इस समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र विभाग) अरुण कुमार सक्सेना ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद और निष्ठा की शपथ दिलवाई।

इस अवसर पर मंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र के विकास एवं उत्थान के लिए आईआइए द्वारा किए का रहे प्रयासों की प्रशंसा की एवं संगठन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। आईआईए चेयरमैन सरबजीत सिंह ने कहा कि मुझे संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है उसको पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा।

इमोशनल वेल बीइंग पर कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च का परिसर संवेदनाओं, ज्ञान और प्रेरणा के तहत 'इमोशनल वेल बीइंग' पर एक प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक

इस ज्ञानवर्धक एवं जागरूकता बढ़ाने वाले सत्र की स्मृति स्वरूप, संस्थान की ओर से डॉ. आनंद राय, प्रोग्राम चेयरपर्सन एवं डॉ. अरविंद कुमार भट्ट, प्रोफेसर द्वारा दोनों अतिथियों को 'ग्रीन ग्रीटिंग' के रूप में पौधे भेंट किए गएजो विकास, उपचार और आशा का प्रतीक हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिव्या शाह, हैप्पीफाई की सह-संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित पत्रकार-से-इमोशनल वेल बीइंग प्रेरक बनी विशेषज्ञ, ने इमोशनल हाइजीन, इनर चाइल्ड, सहानुभूति और अन्य व्यक्ति की भावनाओं को समझने की क्षमता जैसे विषयों पर चर्चा की और विभिन्न एक्टिविटीज में हिस्सा लेकर नव आगंतुक छात्रों ने इमोशनल वेल बीइंग होने के लिए जरूरी सिद्धांतों को समझा। उनका संवाद ऊर्जा, जागरूकता और संवेदनशीलता से परिपूर्ण रहा। श्वेता ग्रोवर, परामर्श मनोवैज्ञानिक एवं प्रमाणित एनएलपी प्रैक्टिशनर, ने एंग्जाइटी, बॉडी इमेज, जेंडर सेंसिटिविटी तथा लाइफ स्किल्स जैसे आधुनिक समय के महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यवहारिक और आत्मविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए महिलाओं को किया गया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। जिला प्रशासन एवं भारत सरकार टकसाल नोएडा एमआईएनटी के द्वारा महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम को लेकर लगाई जा रही मुफ्त टीकाकरण हेतु जागरूकता अभियान के अन्तर्गत बुधवार को बिसरख ब्लॉक स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर मे सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था और टीकाकरण पार्टनर 'ब्यूटीफुल टुमारो' द्वारा एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य संरक्षक इंदु गोयल, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनीता यादव और डॉ. पल्लवी आदि वकताओं ने प्रशिक्षु छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के लक्षण-कारण और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण लगवाने के लिए प्रेरित किया।

घर में घुसकर परिवार पर हमला, चार पर मुकदमा दर्ज

दनकौर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। दनकौर कस्बे में रंजिश के चलते पड़ोस के लोगों पर घर में घुसकर एक परिवार पर हमला करने का आरोप लगा है। इस घटना में पीड़ित परिवार के कई लोगों को चोट आई है। जिनका पास के ही एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला समेत चार के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज किया है। अमित ने कोतवाली में दर्ज कराए केस दर्ज में कहा है कि 27 जून की रात पड़ोस के चंदर, पुष्पा, रवि और छोटू ने रंजिश के चलते उनके घर में घुसकर उनके बुजुर्ग माता-पिता पर डंडों से हमला कर उनको घायल कर दिया। इस दौरान उनको बचाने पहुंची बहन को भी बीच बचाव के दौरान आरोपियों ने पीट दिया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले में जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खाना बनाने में देरी होने पर रिश्तेदारों संग मिलकर पत्नी से मारपीट

जेवर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव कुरैव की एक महिला ने खाना बनाने में देरी होने की वजह से अपने पति पर रिश्तेदारों संग मिलकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता ज्योति पत्नी रोबिन सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 जून को उसका पति रोबिन सिंह अपनी बुआ के लड़के छवि निवासी हरियाणा के पलवल जिला के गांव जया व चिपयाना के वसु के साथ रात को एक बजे के करीब दारू के नशे में रात को एक बजे के करीब घर पहुंचे। उसके बाद रोबिन सिंह ने अपनी पत्नी को जगाकर खाना बनाने के लिए कहा। जिसके बाद पीड़िता ने खाना बनाना शुरू कर दिया। उसी दौरान पीड़िता का 14 माह का बेटा जग गया। बच्चे के रोने की वजह से पीड़िता को खाना बनाने में थोड़ी देरी हो गई। जिससे नाराज होकर पति ने गाली गलौज करते हुए डंडे व सरिया से मारपीट शुरू कर दी। जिससे पीड़िता का सिर फट गया। पीड़िता ने भागकर पति से बचने का प्रयास किया तो छवि व वसु ने उसे पकड़ कर मारपीट शुरू कर दी।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

दुर्लभ ड्यूल ट्यूमर मिनिमली इनवेसिव तरीके से की सफल सर्जरी

- **महिला मरीज की बेहद दुर्लभ और जटिल थी सर्जरी**
- **बेहद नाजुक अंगों के पास थे दोनों गांठें**

ग्रेटर नोएडा, 2 जुलाई (देशबन्धु)। सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल, शारदा केयर हेल्थसिटी ने ग्रेटर नोएडा की 37 वर्षीय महिला प्रीति शर्मा पर एक दुर्लभ और जटिल ड्यूल ट्यूमर का सफल आरपेशन हुआ। मरीज के शरीर में दो अलग-अलग जगहों पर ट्यूमर थे, एक 13 सेंटीमीटर का बड़ा थायरॉइड ट्यूमर और दूसरा 5 सेंटीमीटर का मीडियास्टाइनल ट्यूमर (जो फेफड़ों के बीच के हिस्से में था)।

दोनों ट्यूमर सांस की नली को दो तरफ से दबा रहे थे और उसकी आकृति एस के आकार में मुड़ गई थी। थायरॉइड ट्यूमर गर्दन में सूजन के रूप में दिख रहा था, जबकि मीडियास्टाइनल ट्यूमर (एक असामान्य गांठ) की पहचान एक दूसरे अस्पताल में कराए गए सीटी स्कैन के दौरान संयोग से हुई। पहले मरीज का ऑपरेशन दूसरे अस्पताल में शुरू किया गया था, लेकिन जटिलता और खतरे के कारण उसे पूरा नहीं किया जा सका।

बाद में मरीज शारदा केयर हेल्थसिटी में सेकंड ओपिनियन के लिए आई, जहां उसकी दोनों गांठों को एडवांस्ड और मिनिमली इनवेसिव वीडियो-असिस्टेड थोरेकोस्कोपिक सर्जरी से सफलतापूर्वक निकाला गया। डॉ. हेमकांत वर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, शारदा केयर हेल्थसिटी ने कहा कि यह केस बेहद दुर्लभ और जटिल था, क्योंकि दोनों गांठें बेहद नाजुक अंगों के पास थीं।

मीडियास्टाइनल ट्यूमर दिल से जुड़ी बड़ी नसों के आसपास था, और दोनों ट्यूमर वोकल कॉर्ड्स को कंट्रोल करने वाली रीकरन्ट लेरिन्जियल नर्व्स को दबा रहे थे। इस वजह से आवाज हमेशा के लिए चले जाने और सांस लेने में गड़बड़ी का खतरा था। ऋषभ गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट, शारदा केयर हेल्थसिटी ने कहा कि इस जटिल और दुर्लभ सर्जरी की सफलता हमारे एडवांस्ड मेडिकल टेक्नोलॉजी और क्लिनिकल एक्सीलेंस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। साथ ही, यह दर्शाता है कि हम देशभर के मरीजों को उच्च जोखिम वाली, वर्ल्ड-क्लास सर्जरी की सुविधा सुलभ बनाना चाहते हैं।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट न०-01, सेक्टर-के०पी०-04, ग्रेटर नौएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्ध नगर
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि HSCC Employees Sehkari Awas Samiti Ltd. के माध्यम से आवंटित भूखण्ड संख्या-26, Sector-Builder's Area, Pocket-P4, Greater Noida क्षेत्रफल-200 वर्ग मीटर, Dr. K.S. Mehdiratta S/o Shri M.S. Mehdiratta के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। आवंटी Dr. K.S. Mehdiratta की मृत्यु दिनांक 21.02.2013 को हो जाने के उपरान्त वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर उनके पुत्रों के नाम (Mr. Narender Singh Mehdiratta & Mr. Jaskaran Singh Mehdiratta Both S/o Late Dr. Kulmohan Singh Mehdiratta) ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी Dr. K.S. Mehdiratta के स्थान पर वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर उनके पुत्रों (Mr. Narender Singh Mehdiratta & Mr. Jaskaran Singh Mehdiratta Both S/o Late Dr. Kulmohan Singh Mehdiratta) के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ०प्र०
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मिर्जापुर में मा० न्यायालय सिविल जज (सी डि.)/एफ.टी.सी. गौतमबुद्धनगर के यहां योजित बाद ओरिजनिल सूट 1513/2019 किरनपाल सिंह पुत्र श्री गंगालाल निवासी मिर्जापुर परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर बनाम मनोज मुख्तयार, कृपाल, करतार, अतवीर पुत्रगण पूरन निवासीगण ग्राम मिर्जापुर, परगना दनकौर, तहसील व जिला गोतमबुद्धनगर में दिनांक 15.11.2022 को पारित आदेश स्व० प्यारेलाल पुत्र फतह सिंह उर्फ फत्ती सिंह द्वारा की गयी वसीयत दिनांकित 27.12.2011 के अनुसार वादी (किरनपाल सिंह पुत्र श्री गंगालाल निवासी मिर्जापुर) को स्व० प्यारेलाल का वारिस घोषित किया जाता है, जो कि निम्नवत है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध
मिर्जापुर	177	स्व0 प्यारेलाल पुत्र फतह सिंह उर्फ फत्ती सिंह निवासी ग्राम मिर्जापुर, परगना-दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	किरनपाल सिंह पुत्र श्री गंगा लाल	भतीजा

उपरोक्त के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें. अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-रोजा याकूबपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-आर.ओ.जे.01501, भूखण्ड संख्या-40-ए, क्षेत्रफल-250 वर्ग मीटर, श्री गंगासरन पुत्र श्री जहारिया, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री गंगासरन पुत्र श्री जहारिया की मृत्यु के उपरांत इनके वसीयती सर्वश्री अशोक, मनोज, अनुज पुत्रगण स्व० श्री गंगासरन, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु रजि० वसीयत के आधार पर नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त प्रस्तुत वसीयत की बही संख्या-3, जिल्द संख्या-376, पृष्ठ संख्या-203 से 224 पर क्रमांक 190 दिनांक 24.02.2022 को उप निबन्धक, दादरी, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्राकशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में सर्वश्री अशोक, मनोज, अनुज पुत्रगण स्व० श्री गंगासरन, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० का नाम आवंटी के रूप दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-घरबरा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एम.यू.आर.01411, भूखण्ड संख्या-125, पाकेट-ए, क्षेत्रफल-140 वर्ग मीटर सर्वश्री वीर सिंह, बिजेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री श्यौराज सिंह, निवासी-ग्राम-पौवारी, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी सर्वश्री वीर सिंह, बिजेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री श्यौराज सिंह की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री विनोद कुमार, संजय पुत्रगण स्व० श्री वीर सिंह व श्री पवन पुत्र स्व० श्री बिजेन्द्र सिंह, श्रीमती सुनीता पत्नी स्व० बिजेन्द्र सिंह, सर्वश्री मनोज, अमित पुत्रगण स्व० श्री वीर सिंह, सर्वश्री संदीप, प्रदीप पुत्रगण स्व० श्री बिजेन्द्र सिंह कु० मधू (अविवाहित) पुत्री स्व० श्री बिजेन्द्र सिंह, निवासी-ग्राम-पौवारी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री विनोद कुमार, संजय पुत्रगण स्व० श्री वीर सिंह व श्री पवन पुत्र स्व० श्री बिजेन्द्र सिंह, श्रीमती सुनीता पत्नी स्व० बिजेन्द्र सिंह, निवासी-ग्राम-पौवारी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री विनोद कुमार, संजय पुत्रगण स्व० श्री वीर सिंह व श्री पवन पुत्र स्व० श्री बिजेन्द्र सिंह, श्रीमती सुनीता पत्नी स्व० बिजेन्द्र सिंह, निवासी-ग्राम-पौवारी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

संपादकीय

नई दिल्ली, गुरुवार 3 जुलाई 2025

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

लंबी विदेश यात्रा पर मोदी

एक महीने से भी कम समय में प्रधानमंत्री मोदी फिर से विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। इस बार घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया इन पांच देशों की यात्रा श्री मोदी कर रहे हैं, जो 8 दिनों की होगी। हमेशा की तरह इस बार भी सरकारी बयान में बताया गया है कि विदेश यात्रा का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करना है। भारतीय प्रधानमंत्री इन देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और आपसी सहयोग और विकास पर चर्चा करेंगे। इसमें कुछ नया नहीं है, हमेशा यही तो होता है कि दूसरे राष्ट्राध्यक्षों से श्री मोदी की हाथ मिलाते, गले मिलते, सौहार्द्रपूर्ण माहौल में हंसते-मुस्कुराते चर्चा करते और विभिन्न करारों पर हस्ताक्षर करते तस्वीरें आती हैं। देश को बताया जाता है कि दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। भारत को विकसित करने के लिए सारे देश मदद कर रहे हैं। लेकिन इन तस्वीरों की हकीकत तब समझ आती है, जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी बड़े से भारतीय प्रतिनिधिमंडल को अलग-अलग देशों में अपना पक्ष रखने के लिए भेजना पड़ता है।

विदेश नीति की परीक्षा पहलगाम हमले या ऑपरेशन सिंदूर जैसी असामान्य स्थितियों में ही होती है, और इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार करना ही चाहिए कि इस परीक्षा में मोदी सरकार बुरी तरह विफल रही।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम को लेकर हो रहे बेहूदे दावे थम ही नहीं रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी ने खुद इन दावों को खारिज नहीं किया है तो अब तक भारत सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी सफाई देनी पड़ रही है। अभी विदेश मंत्री एस जयशंकर से अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक के लिए हो रहे एक साक्षात्कार में फिर यह सवाल पूछा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार कहा है कि 'संघर्ष को रोकने के लिए व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया गया। क्या इससे व्यापार समझौते की बातचीत पर कोई असर पड़ा है?' इस सवाल से साफ समझ आता है कि ट्रंप के दावे को अब दुनिया भी मान रही है। अगर श्री मोदी ने पहले ही बार में इस पर आपत्ति जताई होती तो शायद इस तरह के सवाल नहीं उठते। लेकिन अब सवाल उठ रहे हैं और विदेश मंत्री सफाई दे रहे हैं कि 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया था तो वह भी उसी कमरे में मौजूद थे। जयशंकर ने कहा कि तब प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पाकिस्तान की धमकियों से डरेगा नहीं बल्कि इसका जवाब देगा।

सोचने वाली बात यह है कि जो बयान भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री पहले दे चुके हैं, जिसे अभी विदेश मंत्री एस.जयशंकर भी कह रहे हैं, उस बात को अब तक प्रधानमंत्री मोदी अपने मुंह से क्यों नहीं बोलते। आखिर किसने उनके मुंह पर चुप की उंगली रखी है। क्या लंबी-लंबी विदेश यात्राओं से ये उंगली हटेगी या मुंह पर ताले और बढ़ेंगे। अभी कनाडा में जी-7 की बैठक में श्री मोदी शामिल हुए थे, और पखवाड़े बाद ही अब ब्रिक्स सम्मेलन के लिए वे रवाना हुए हैं। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंचों का इस्तेमाल सभी देश अपनी स्थिति बेहतर बनाने के लिए करते हैं, हालांकि इनमें असली जोर व्यापार का होता है, क्योंकि इस समय पूरी वैश्विक राजनीति कारोबारी हितों के इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे में श्री मोदी की मौजूदा यात्रा में भी व्यापार को बढ़ाने के संकेत अलग-अलग तरीकों से दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले घाना जाएंगे और यात्रा के अंतिम चरण में स्वदेश वापसी के समय नामीबिया जाएंगे। ये सारे देश अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी हैं और कहा जा रहा है कि इससे ग्लोबल साउथ के भारतीय एजेंडे को नई धार मिल सके। बता दें कि ग्लोबल साउथ शब्द पहली बार 1969 में राजनीतिक कार्यकर्ता कार्ल ओग्लेसबी ने इस्तेमाल किया था। इसमें अमूमन वही सारे देश हैं, जिन्हें तीसरी दुनिया के देश कहा जाता है। दुनिया के उत्तरी हिस्से में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप के देशों से अलग दक्षिण हिस्से में आने वाले अफ्रीकी, द.अमेरिकी और कई एशियाई देशों को ग्लोबल साउथ के तहत रखा जाता है। इनकी चिंताएं और सरोकार लगभग एक जैसे हैं। हालांकि इनमें चीन का दबदबा है और वहीं आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों का रुख भी कई बार ग्लोबल नार्थ की तरफ ही दिखाई देता है। ऐसे में ग्लोबल साउथ के बैनर तले जो नयी वैश्विक व्यवस्था बनाने की कोशिश चल रही है, वह कितनी कारगर होगी, कहा नहीं जा सकता। वैसे अभी श्री मोदी जिन देशों में जा रहे हैं, या ग्लोबल साउथ में जो देश आते हैं, उनसे भारत के संबंध पहले ही अच्छे रहे हैं। इन सभी देशों में प.नेहरू की बनाई विदेश नीति के कारण ही भारत की साख मजबूत बनी हुई है। अगर इसी विदेश नीति पर मोदी सरकार चलती रहती तो फिर इतनी विदेश यात्राओं के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन जुटाने के लिए भारत को जद्दोजहद नहीं करनी पड़ती।

वैसे ब्रिक्स सम्मेलन के अलावा श्री मोदी की मौजूदा यात्रा का बड़ा मकसद व्यापार को बढ़ाना ही दिख रहा है। घाना पश्चिमी अफ्रीका की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। घाना से भारत में होने वाले आयात में 70 प्रतिशत से ज्यादा सोना होता है। घाना के लिए भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश है। घाना से श्री मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे, इस कैरेबियाई क्षेत्र में भारतीय मूल के 40-45प्रतिशत लोग रहते हैं। भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच आर्थिक संबंध बहुत ही ज्यादा मजबूत हुए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 341.61 मिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। यहां से श्री मोदी अर्जेंटीना जाएंगे, और ट्रंप के चहेते राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश पर इस दौरान खास जोर रहेगा। इसके बाद ब्राजील में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद अपनी राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ब्रासीलिया जाएंगे। जहां राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य जैसे आपसी हित के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर चर्चा होगी। ब्राजील, दक्षिण अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। सबसे आखिरी में श्री मोदी नामीबिया जाएंगे, जहां वे संसद को भी संबोधित करेंगे। हाल के वर्षों में भारत और नामीबिया के बीच व्यापार बढ़ा है। 2000 में यह 3 मिलियन डॉलर से भी कम था जो अब लगभग 600 मिलियन डॉलर हो गया है। भारत में चीते नामीबिया से ही लाए गए थे।

योगी बंदर की लीला और जनजागरुकता

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

सोशल मीडिया पर रील्स, मीम्स बनाने का पागलपन, इस मंच को झूठी, नफरती खबरें फैलाने का जरिया बनाना, हर वर्ग के लोगों का अधिकाधिक वक्त सोशल मीडिया पर बीतना, इन सब बातों पर पिछले कुछ वक्त में काफी चिंता बढ़ी है। समाजशास्त्रियों के लिए यह अध्ययन का नया विषय ही बन गया है कि संचार क्रांति का यह कैसा दौर आया है, जिसमें एक के बाद एक नयी लहर उठती है। मियादी बुखार की तरह कभी भी कोई भी चीज वायरल हो जाती है। नैतिक-अनैतिक के बीच का हर अंतर सोशल मीडिया पर मिटाया जा चुका है। न किसी का लिहाज, न कोई पाबंदी, बस जिसे जो कहना है, लिखना है, दिखाना है, सुनाना है, वह अपने मन की करे। असल मायनों में मन की बात सोशल मीडिया पर चलती है। इसमें कभी कुछ ऐसा हो जाए, जिस पर बड़ा विवाद हो, तब कुछ पोस्ट्स को प्रतिबंधित किया जाता है, लेकिन तब तक उसका स्क्रीन शॉट सुरक्षित रख लिया जाता है या सामग्री ही किसी और तरीके से स्टोर कर ली जाती है। आसान शब्दों में, एक बार जो चीज सोशल मीडिया पर आ गई, उसे नष्ट करना मुश्किल होता है।

ऐसे सोशल मीडिया के दौर में 'बंदर लीला योगी' के वीडियो काफी वायरल हो रहे हैं। जैसा कि इसके नाम से ही जाहिर है, इसमें एक बंदर साधु या योगी की वेशभूषा में बैठा हुआ नजर आता है और उसकी लीला यह है कि यह योगी बंदर ज्वलंत सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर धीर-गंभीर बातें करता है। देश में शिक्षा की बदहाली से लेकर टीआरपी के लिए मीडिया की उछलकूद सब पर इस योगी बंदर का ध्यान है और वह अपने भक्तों को इस पर प्रवचन देता है कि उसकी निगाह में यह सही है या गलत।

एक वीडियो में कथावाचक बना बंदर कहता है, 'जिस देश में सरकारी स्कूलों की छतें टपकती हों और मंदिर सोने से जड़े हों, वो देश कभी विकसित नहीं हो सकता। अगर मंदिरों का पैसा स्कूलों में लगाया जाए तो भारत विकसित हो सकता है, लेकिन ऐसा इसलिए नहीं होगा क्योंकि कुछ लोगों को डर है कि अगर बच्चे पढ़ गए, तो सवाल पूछेंगे। वहीं एक प्रवचन में योगी बंदर ने कहा कि 'अगर मंदिर में चढ़ाया गया पैसा भगवान का है, तो फिर वो जनता में क्यों नहीं बांटा जाता?'

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के वक्त मीडिया के बड़े हिस्से ने जिस किस्म की रिपोर्टिंग की, उसकी धज्जियां भी योगी बंदर ने उड़ाई हैं। इसमें उसने कहा है कि अगर सर्कस देखना हो तो बाहर मत जाना, मोबाइल पर टीवी चैनल खोल देना। टीआरपी के लिए इतने मरे जा रहे कि हमारे सैनिक बार्डर पर खड़े हैं और ये कह रहे हैं इस्लामाबाद पर कब्जा। ये वही लोग हैं, जिन्होंने मुंबई हमलों के दौरान एनएसजी की लोकेशन ब्रॉडकास्ट कर दी और कहीं न कहीं उससे आतंकवादियों को मदद मिली। वो कहते हैं कि भारत अब विकसित होने ही वाला है। अरे लोगों के पास स्कूल-कॉलेज की फीस भरने के पैसे नहीं हैं, और तुम हवा में भारत को विकसित बना रहे हो।

एक अन्य वीडियो में योगी बंदर ने बताया है कि अगर श्री राम भारत के प्रधानमंत्री होते तो कैसा भारत होता। जिसमें आस्ट्रेलिया की तरह प्रदूषण मुक्त हवा होती। पुलिसवाले भाग-भागकर एफआईआर लिखते, भले सामने नेता का बेटा ही क्यों न हो। भारत का ट्रेड और एग्रीकल्चर फल फूल रहा होता। सबको समान न्याय मिलता, छुआछूत को मिटा दिया जाता, जाति को काम के आधार पर किया जाता, न कि जन्म के आधार पर। सरकारी अस्पतालों में साफ-सफाई होती। मंदिरों में भगवान का नाम लेकर साइंस और टेक्नॉलॉजी का ज्ञान साझा किया जाता। किसान खुदकुशी नहीं करते। वोटरों को बांटने के लिए नफरती भाषण नहीं दिए जाते। आरटीआई एक्टिविस्टों की हत्या नहीं होती। गंगा नदी एकदम साफ होती। आम आदमी के कोर्ट केस 20-20 साल नहीं चलते। मूवी का हीरो एक साथ सौ लोगों की हत्या करे तो उसे ग्लोरिफाई नहीं किया जाता और ऐसी फिल्मों की भारत में कोई जगह नहीं होती। अगर किसी कारण से जंगल काट भी दिए जाते तो ट्राइबल लोगों को गर्वमेंट आईडी दी जाती और उनकी शिक्षा का ख्याल रखा जाता।

एक और वीडियो में योगी बंदर ने कहा कि अगर आज हनुमान जी होते तो कहते कि मुझे तुम्हें अपना वंशज कहने में शर्म आती है। एक कंपनी का सीईओ भी बिल्ली के रास्ता काटने पर रुक जाता है। अरे तुम सीईओ हो कि चूहे हो। हमने तो रावण को घर में घुसकर मारा था, तुम एक बिल्ली से डर गए। तुम विश्वगुरु कैसे बनोगे, तुम डेढ़ सौ करोड़ हो, लेकिन डरे हुए हो। वो बताते कि हमने राम सेतु मंत्र फूंककर नहीं बनाया था, नल और नील नाम के दो इंजीनियरों से बनवाया था। वो तुम्हें जागृत करते कि जहां समाज डरा हुआ हो, वहां साइंटिस्ट कम और गुलाम ज्यादा पैदा होते।

भारत का अपना एआई क्यों नहीं बन पाया, इस बारे में भी योगी बंदर ने बताया है कि हमारे पास डेटा ही नहीं है, सारा डेटा यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक के पास है। अमेरिका ने चैटजीपीटी, चीन ने डीप सीक बना लिया। हमारे इंजीनियरों ने जब कू ऐप बनाया था तो उसके जरिए डेटा इकट्ठा हो सकता था, लेकिन उन्हें सपोर्ट नहीं मिला और चार साल में ही कू ऐप बंद हो गया।

> **भारत का अपना एआई क्यों नहीं बन पाया, इस बारे में भी योगी बंदर ने बताया है कि हमारे पास डेटा ही नहीं है, सारा डेटा यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक के पास है। अमेरिका ने चैटजीपीटी, चीन ने डीप सीक बना लिया। हमारे इंजीनियरों ने जब कू ऐप बनाया था तो उसके जरिए डेटा इकट्ठा हो सकता था, लेकिन उन्हें सपोर्ट नहीं मिला और चार साल में ही कू ऐप बंद हो गया।**

श्रीराम के शासन का भारत, हनुमानजी की सीख से लेकर मीडिया की नैतिकता, अंधविश्वास, विज्ञान और टेक्नॉलॉजी सभी विषयों पर यह एआई जनरेटेड योगी बंदर प्रवचन देता है। इसमें जो बातें कहीं गई हैं, उन्हें अक्सर लोग आपसी चर्चाओं में करते हैं, लेकिन अब माहौल ऐसा हो चुका है कि इन्हें खुलकर कहने की हिम्मत नहीं दिखाई जा रही। जो ऐसी हिम्मत दिखाते हैं, उन्हें किसी न किसी तरह की प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है।

इस एआई जनरेटेड बंदर को जिसने भी बनाया है, उसने ज्वलंत मुद्दों को रोचक तरीके से जनता तक पहुंचाने का काम किया है। धर्मभीरू भारतीय समाज को उसकी भलाई के लिए सलाह देने का यह तरीका कारगर है कि उसमें धर्म का आवरण डाल दिया जाए। यही बंदर अगर शिक्षक, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष यात्री, किसान, मजदूर या नेता की तरह दिखाई देता, तब भी उसकी बातें रोचक और जागरुक करने वाली तो होतीं, लेकिन उनका वह असर नहीं दिखाई पड़ता, जो अब दिख रहा है। बंदर बैठकर प्रवचन दे रहा है, यह बात तो रोचक है ही, दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बंदर रूढ़िवादिता को खारिज कर आधुनिक युग के हिसाब से चलने की सलाह भक्तों को दे रहा है। वर्ना इस समय समाज की बुद्धि ऐसे प्रवचनकारियों ने भ्रष्ट की हुई है, जो हथेली को मोबाइल बनाकर हनुमानजी से सीधे बात करने का ढोंग करते हैं और भक्तों को मूर्ख बनाते हैं। लोगों में इतनी चेतना भी दिखाई नहीं देती कि वे पूछ सकें कि अगर हनुमान जी से सीधे बात हो ही जाती है, तब हथेली को मोबाइल बनाने की भी क्या जरूरत, इस सीधे कनेक्शन के लिए तो किसी भी चीज की दरकार नहीं होनी चाहिए। लेकिन लोगों को मूर्ख बनाकर ही ऐसे ढोंगी खुद ऐशो आराम का सारा सामान जुटा लेते हैं। दुनिया की सैर करते हैं, महंगे कपड़े, जूते, चश्मे पहन कर रौब झाड़ते हैं कि सवाल मत पूछना वर्ना और महंगा पहन कर चिढ़ाऊंगा।

भारत विकसित हो रहा है, भारत विश्वगुरु बन रहा है, इस तरह का भ्रम फैलाने में ऐसे ही ढोंगी साधु, बाबा, योगी सरकार की मदद करते हैं। सत्ता पर बैठे लोग इन की आरती उतारते हैं, इनके आडंबर को बढ़ावा देते हैं। कोई अपने घर में कितना भी अंधविश्वास माने, पाखंड को बढ़ावा दे, भक्ति के नाम पर कट्टरता फैलाए, उसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन जब जनता के पैसे पर समाज में इन चीजों को बढ़ाया जा रहा है और देश का नुकसान हो रहा है, तब तो आवाज उठानी ही चाहिए। जनता का काम करने के लिए बैठी सरकारों से सवाल होने चाहिए कि आपका वक्त लोककल्याणकारी कार्यों से ज्यादा पूजा पाठ में क्यों लग रहा है। जनता के पैसे ढोंगियों पर लुटाने के अपराध पर इन्हें सत्ता से बाहर किया जाना चाहिए। लेकिन इस समय डरा हुआ समाज यह नहीं कर रहा है। ऐसे में पुनर्जागरण के एक नए दौर की जरूरत महसूस हो रही है।

योगी बंदर की बातें काफी क्रांतिकारी हैं, और इसमें प्रयुक्त भाषा बिल्कुल आम बोलचाल की है, ताकि जनता इसे फौरन समझ ले। हालांकि इन बातों का सिलसिला, ऐसे वीडियो आगे कब तक जारी रहेंगे, कहा नहीं जा सकता। खुद इस एआई से बने योगी बंदर ने कहा है कि हो सकता है ये वीडियो प्रतिबंधित हो जाएं। अगर ऐसा नहीं भी होता है, तब भी अभी बातों में जो धार दिख रही है, वह बरकरार रहे और किसी भी तरह मुद्दे से न भटका जाए, संविधान के उद्देश्यों को केंद्र में रख कर जन जागरुकता फैलाई जाए, यह जरूरी है।

नये भाजपा अध्यक्ष के चयन में और देरी संभव

■ अरुण श्रीवास्तव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में दशहरा के दिन अपना शताब्दी वर्ष मनायेगा। अधिकांश संगठन तो अपनी शताब्दी के करीब पहुंचने से पहले ही पतन की ओर अग्रसर हो जाते हैं या यहां तक कि विघटित हो जाते हैं। परन्तु आरएसएस अपनी राजनीतिक शाखा भाजपा के माध्यम से भारत पर शासन कर रहा है।

लेकिन शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर इसके सरसंघचालक मोहन भागवत ने विडंबनापूर्वक संगठन पर अपना अधिकार और नियंत्रण खो दिया है। जहां पिछले सरसंघचालकों के शब्दों को भगवा पारिस्थितिकी तंत्र ने आज्ञाओं की तरह माना, वहीं शताब्दी वर्ष में भागवत के उपदेशों को कोई नहीं मानता। यह अब कोई रहस्य नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जानबूझ कर और योजनाबद्ध तरीके से उनकी छवि और विश्वसनीयता को कम किया है। अपने शासन के ग्यारह वर्षों के दौरान, आरएसएस प्रचारक मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में भागवत से केवल एक बार मुलाकात की। इसका मतलब साफ है कि उन्होंने भागवत के सुझावों और सलाह की परवाह नहीं की। आरएसएस और खासकर भागवत भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन मोदी का उनके निर्देश की अनदेखी करना उनके तिरस्कार का स्पष्ट प्रमाण है।

> **4 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा। यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है।**

वास्तव में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 2024 में ही लोकसभा चुनाव से काफी पहले यह कहकर इस अनादर को प्रकट कर दिया था कि 'भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं है'। जब से नड्डा ने 2023 में अपना कार्यकाल पूरा किया है, तब से भागवत पार्टी प्रमुख के रूप में आरएसएस नेता के लिए जोर दे रहे हैं। लेकिन नड्डा की औपचारिक सेवानिवृत्ति के ढाई साल बाद भी, उनका भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य करना जारी है। कारण साफ है। मोदी को एक ऐसे अनुचर की जरूरत है जो उनके आदेशों का पालन करे। उन्हें समानांतर सत्ता केंद्र पसंद नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में आरएसएस नेता उनके वर्चस्व के लिए संभावित खतरा साबित हो सकते हैं। यही कारण है कि मोदी जानबूझ कर उनकी दलीलों को नजरंदाज कर रहे हैं।

गोवा में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में जब मोदी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया था, तब भगवा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मोदी की राष्ट्रीय अपील और लोकप्रियता नहीं थी। लालकृष्ण आडवाणी के साथ भागवत ने उन्हें आगे बढ़ाया। निर्वाचित होने के बाद मोदी का पहला काम आडवाणी को अलग-थलग करना और उन्हें निष्क्रिय बनाना था। लेकिन उस समय भागवत को हटाने या अलग-थलग करने की हिम्मत वे नहीं कर पाये, क्योंकि वे आरएसएस प्रमुख थे। एक सुनियोजित चाल के तहत उन्होंने उन्हें नजरंदाज करना शुरू कर दिया, जिससे यह संदेश गया कि भागवत भाजपा के लिए किसी काम के नहीं हैं। मोदी ने भगवा पारिस्थितिकी तंत्र के अंदर सफलतापूर्वक ऐसी स्थिति बना दी, जहां भागवत की सलाह अवांछित थी। 2023 में ही आरएसएस के कई शीर्ष नेताओं ने भागवत को आगाह किया था और उनसे सख्ती बरतने को कहा था। लेकिन उन्होंने ऐसा करने की हिम्मत नहीं की। मोदी जहां खुद को भाजपा और भारत के लिए राजनीतिक रूप से अपरिहार्य साबित करने पर तुले हुए हैं, वहीं भागवत हिंदू और हिंदुत्व की राजनीति को बढ़ावा देने में आरएसएस की अजेयता को प्रदर्शित करने का प्रयास कर रहे हैं।

इसे समझने के लिए हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों के विश्लेषण से अधिक उपयुक्त तरीका और कुछ नहीं हो सकता। जहां मोदी और उनके सहयोगियों ने इन राज्यों में भाजपा की जीत को मोदी के करिश्मे से जोड़ा, वहीं आरएसएस ने दावा किया है कि इन चुनावी जीत का श्रेय आरएसएस के कार्यकर्ताओं को जाता है।

मोदी और भागवत के बीच ताजा सत्ता संघर्ष बिहार की मतदाता सूची संशोधन के मामले में सामने आया है। आरएसएस ने मोदी के कदम का सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं किया है, लेकिन वह इसका समर्थन भी नहीं करता है। मोदी ने पहले ही बिहार में इस योजना को बड़े जोर-शोर से शुरू कर दिया है। आरएसएस नेताओं के अनुसार भी इस कदम का शिकार ईबीसी और दलितों की बड़ी आबादी होगी, जो आरएसएस के निशाने पर हैं। यह लगातार इन वर्गों को यह विश्वास दिलाता रहा है कि वे हिंदू हैं। गांवों में जाकर गणना करने वाले लोग उनके मूल निवासी होने के दावों के प्रमाण के रूप में मूल जन्म प्रमाण पत्र मांग रहे हैं।

यह एक खुला रहस्य है कि इनमें से एक बड़ी आबादी के पास अपनी पहचान साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। जाहिर है कि उन्हें अपनी राष्ट्रीय पहचान खोने का खतरा है। एक बार जब उन्हें राष्ट्रीयता से वंचित कर दिया जाता है, तो उन्हें वोट देने का अधिकार भी स्वत: ही छीन लिया जायेगा। यह स्पष्ट है कि मोदी अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए ऐसा कर रहे हैं। हाल ही में हुए चुनावों में उनकी निष्ठा बदली हुई, इंडिया ब्लॉक के पक्ष में दिखी जिससे मोदी को यह कड़ा संदेश गया है कि दलित और ईबीसी उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

मोदी का यह चुनावी कदम उन्हें मध्यम वर्ग पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और उनके बीच अपने समर्थन आधार को मजबूत करने में मदद करेगा। लेकिन इससे आरएसएस के राजनीतिक हित खतरे में पड़ जायेंगे, जो उन्हें हिंदू के रूप में पहचानने की कोशिश कर रहा है। इसका भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की आरएसएस की योजना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सूत्रों का कहना है कि आरएसएस शताब्दी समारोह के दौरान अपनी योजना की घोषणा करने के लिए दृढ़ था। लेकिन अब ऐसा लगता है कि वह कुछ और समय के लिए अपने फैसले को रोक देगा।

इस पृष्ठभूमि में 4 जुलाई से दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इन दो वर्षों के दौरान आरएसएस ने अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की एक दर्जन से अधिक बैठकें की हैं। हर बैठक में अपनी पसंद का नया अध्यक्ष चुनने का मुद्दा गूंजा। यह बैठक अलग प्रकृति की होगी, जिसका स्वरूप अलग होगा। यह आरएसएस की बैठक है, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों का मानना है कि भाजपा के कुछ शीर्ष नेता इस बैठक में भाग ले सकते हैं और अध्यक्ष चयन के मुद्दे पर आरएसएस पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर सकते हैं। इन सूत्रों के अनुसार मोदी और अमित शाह ने आरएसएस नेतृत्व, खासकर भागवत को बिहार विधानसभा चुनाव तक मौजूदा व्यवस्था जारी रखने के लिए कहा है। मोदी ने चुनाव के लिए एक योजना तैयार की है और किसी भी संगठनात्मक विवाद से भाजपा के चुनावी हित प्रभावित होंगे, जो बदले में आरएसएस के दीर्घकालिक राजनीतिक हित को नुकसान पहुंचायेगा।

बिहार और बंगाल के कुछ क्षेत्रीय नेताओं की गुटबाजी और संभावित खतरे से पार्टी कमजोर होगी। इन राज्यों में आरएसएस के प्रभावी हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए शताब्दी समारोह की योजना बनायी गयी है। उन्होंने आशंका जताई है कि भगवा ब्रिगेड असम पर अपनी पकड़ खो सकती है, जिससे पूर्व और उत्तर पूर्व में पार्टी की संगठनात्मक प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है। उनका तर्क है कि नये अध्यक्ष के लिए बिहार और बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उभरने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होगा। चुनौतियों का सामना करने के लिए, भाजपा ने संगठनात्मक बदलाव करने, मौजूदा राष्ट्रीय महासचिवों में से आधे को बदलने और महत्वपूर्ण पदों पर युवा नेतृत्व लाने की योजना बनाई है।

आपके पत्र

महिला आरक्षण की दहलीज़ पर लोकतंत्र

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में राजनीति के स्वरूप को बदलने का ऐतिहासिक अवसर है। हालांकि इसका क्रियान्वयन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संभव है, लेकिन यह तभी सफल होगा जब राजनीतिक दल अभी से महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाएं। केवल आरक्षित सीटें देना पर्याप्त नहीं; दलों को आंतरिक कोटा, वित्तीय सहयोग, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और निर्णयकारी भूमिका में महिलाओं को प्राथमिकता देनी होगी। अगर यह मौका चूक गया तो आरक्षण भी दिखावा बनकर जाएगा। समावेशी और सशक्त लोकतंत्र के लिए अब निर्णायक और नीतिगत पहल ज़रूरी है।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति हमेशा सीमित रही है। 2024 में चुनी गई 18वीं लोकसभा में सिर्फ 74 महिलाएं चुनकर आईं, जो कुल सीटों का मात्र 13.6प्रतिशत है। यह आंकड़ा 2019 की तुलना में भी घटा है और वैश्विक औसत 26.9प्रतिशत से काफी पीछे है। राज्य विधानसभाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां औसतन केवल 9प्रतिशत ही महिलाएं विधायक हैं। यह न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है बल्कि नीति-निर्धारण की उस प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है जिसमें आधी आबादी की हिस्सेदारी नगण्य है।

राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के निम्न स्तर के कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है भारतीय समाज की गहरी पैठी हुई पितृसत्तात्मक सोच। महिलाओं को पारिवारिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है, जिससे नेतृत्व के अवसर स्वाभाविक रूप से पुरुषों को मिलते हैं। 'सरपंच पति' जैसी प्रथाएं इस सोच को और भी स्पष्ट करती हैं।

राजनीतिक दलों के भीतर भी यह धारणा प्रचलित है कि महिलाएं चुनाव जीतने की दृष्टि से कमज़ोर प्रत्याशी होती हैं। लेकिन यह एक मिथक है, जिसे हाल के आंकड़े खारिज करते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 लोकसभा चुनाव में महिलाएं केवल 9.6प्रतिशत उम्मीदवार थीं, लेकिन उनकी सफलता दर पुरुषों से अधिक थी –उन्होंने 13.6प्रतिशत सीटें जीतीं।

महिलाओं के सामने आर्थिक संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है। भारत में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा है, और अधिकांश महिलाएं—खासकर ग्रामीण व पिछड़े वर्गों से—स्वतंत्र रूप से इतने संसाधन नहीं जुटा सकतीं। इसके अलावा, राजनीति का वातावरण भी महिलाओं के लिए असुरक्षित और शत्रुतापूर्ण रहता है। 2029 का चुनाव भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आएगा। लेकिन राजनीतिक दल अभी से महिला नेतृत्व को गढ़ने में निवेश नहीं करते तो यह आरक्षण भी केवल सत्ता में वंशवाद और प्रतीकात्मकता का विस्तार बनकर रह जाएगा।

अब वक्त है कि दल 'महिलाओं के लिए सीट छोड़ने' की बात नहीं करें, बल्कि 'महिलाओं को नेतृत्व के लिए खड़ा करने' की पहल करें। लोकतंत्र को मजबूत बनाने का यही असली रास्ता है।

–प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

शेक्सपियर

मैंने पहले भी लिखा है कि एक बार परसाई जी ने मुझसे कहा था कि अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू में क्रमश:-शेक्सपियर, तुलसीदास और मिर्जा गालिब ये तीनों महान लेखक हैं, क्योंकि इनकी रचनाओं में जैसा जीवन विवेक है वैसा अन्यत्र नहीं है। परसाई जी की यह बात मुझे समय-समय पर याद आ जाती है। आज जबकि दुनिया बहुत बदल चुकी है, फिर भी ऐसे मौके बारंबार हमारे सामने आते हैं जब इन तीनों लेखकों की कोई न कोई उक्ति सहसा मानस पटल पर कौंध जाती है कि अरे, ऐसा तो उन्होंने कहा था। मसलन जब बाजारवाद की बात चलती है जो कि आजकल अक्सर होती है, तो गालिब का शेर याद आ ही जाता है– 'बाजार से निकला हूं खरीदार नहीं हूं' इसी तरह कभी तुलसी, तो कभी शेक्सपियर हमारी विचारयात्रा में साथ आ जाते हैं बल्कि यह कहना सही होगा कि वे हरदम हमारे संग चलते हैं।

क्लासिक साहित्य में सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह देशकाल की सीमाओं का अतिक्रमण करता है और हर युग में हर पीढ़ी के पाठक के साथ उसका एक अटूट रिश्ता बना रहता है।

(अक्षर पर्व जून 2014 में प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/06/blog-post_16.html

अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

पर्यावरण पर प्लास्टिक प्रदूषण का कसता शिकंजा

दुनियाभर में जितने भी आविष्कार हुए, वो मानव जाति के विकास में सहयोग हेतु हुए, परंतु मानव ने अपनी आवश्यकताओं की सीमा को तोड़कर मनमानी शुरू कर दी और अपने साथ ही समस्त जीव सृष्टि के लिए विनाश का बिगुल फूंक दिया। ऐसा ही प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारे पृथ्वी के लिए बड़ी समस्या बना है। धरती, आकाश, जल, हवा संपूर्ण वातावरण में प्लास्टिक प्रदूषण ने जीवन के लिए खतरा पैदा किया है और यह खतरा तेजी से घातक स्तर पर बढ़ रहा है, फिर भी लोग समझने को तैयार नहीं है। हम अक्सर देखते हैं कि विशिष्ट प्लास्टिक बैग और अन्य प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध तरीके से धड़ल्ले से उपयोग की जाती है। प्लास्टिक प्रदूषण जीवन चक्र को बाधित कर के नुकसान पहुंचा रहा है। इसी समस्या की गंभीरता को समझने के लिए हर साल 3 जुलाई को 'अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 की थीम 'एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम कर के उसके टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देना' है। यह थीम डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग की समस्या को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देता है और पुन: प्रयोज्य विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और प्लास्टिक मुक्त भविष्य के लिए कार्रवाई को प्रेरित करना भी है।

संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण कार्यक्रम अनुसार, हर साल 460 मिलियन मीट्रिक टन से ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है। प्लास्टिक का इस्तेमाल लगभग सभी औद्योगिक गतिविधियों में, निर्माण में, वाहनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि तक और सभी उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। साल 2019 में पर्यावरण में वैश्विक प्लास्टिक कचरे में से 88 प्रतिशत या लगभग 20 मिलियन मीट्रिक टन मैक्रोप्लास्टिक था, जो सभी पारिस्थितिकी तंत्रों को प्रदूषित करता है। दुनिया का अधिकतर प्लास्टिक प्रदूषण बोतलों, कैप, शॉपिंग बैग, कप, स्ट्रॉ जैसे सिंगल-यूज़ उत्पादों से आता है। रोजाना दुनिया के महासागरों, नदियों और झीलों में 2,000 ट्रक प्लास्टिक कचरा डाला जाता है। यूएनईपी 2025 अनुसार, अब तक उत्पादित प्लास्टिक का केवल 9 फीसदी ही रीसाइकिल किया गया है, शेष वातावरण में प्रदूषण के रूप में मौजूद है।

प्लास्टिक प्रदूषण हमारे भोजन, पीने के पानी और हमारे द्वारा सांस ली जाने वाली ऑक्सीजन के माध्यम से भी हमारे शरीर में प्रवेश करता है। सौर विकिरण, हवा, धाराओं और अन्य प्राकृतिक कारकों के कारण, प्लास्टिक माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक में टूट जाता है। नैनोप्लास्टिक शरीर में सहज प्रवेश करने में सक्षम है। माइक्रोप्लास्टिक हमारे दिल, फेफड़े, लीवर, तिल्ली, गुर्दे और दिमाग में भी पाए गए हैं।

प्लास्टिक का उत्पादन उपभोक्ता की मांग को पूरा करने के लिए है, अगर हम उपभोक्ता ही प्लास्टिक से दूरी बना लें, तो समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है, प्लास्टिक के अन्य पर्याय को अपनाना और जागरूकता एवं पर्यावरण के बचाव के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। सबसे पहले अपना स्वार्थ और आलस छोड़ें, सरकारी नीतिनियमों का कड़ाई से पालन करें।

पर्यावरण हमें बेहतर जीवन देने के लिए है, अगर हम ही अपने पर्यावरण को बर्बाद करेंगे तो पर्यावरण भी हमें जीवन नहीं अपितु बर्बादी ही देगा, इस बात की गंभीरता को समझें और जागरूक नागरिक का फर्ज निभाएं।

–डा. प्रीतम

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

बांग्लादेश में छात्रों व पुलिस के बीच झड़प में 10 लोग घायल

ढाका, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चटगांव के पाटिया उप-जिले में पाटिया पुलिस स्टेशन के बाहर पुलिस और स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) के सदस्यों के बीच हिंसक झड़प में चार पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 10 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है। बांग्लादेश में छात्रों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प देर मंगलवार रात 9 बजे के आसपास हुई, जब स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के कार्यकर्ताओं ने शासक दल के एक नेता को केंद्रीय शहीद मीनार के पास हिरासत में लिया। बताया जा रहा है, इस झड़प में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने की ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी सेना के अभियान की प्रशंसा, कहा

व्हाइट हाउस में मनेगा ईरान के खिलाफ अभियान का जश्न

वाशिंगटन, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान के खिलाफ अभियान की सफलता का जश्न इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अगले सप्ताह यहां के भ्रमण के दौरान मनाएंगे। श्री ट्रम्प ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी और इजरायली हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि यह बहुत त्वरित जश्न होगा। हमें एक बड़ी सफलता मिली है।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार श्री ट्रम्प ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी सेना के अभियान की प्रशंसा की और कहा कि मिशन में शामिल लोगों को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया जाएगा।

ईरान ने हालांकि इस धारणा को खारिज कर दिया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है और जोर देकर कहा कि उसके बारे में ज्ञान और वैज्ञानिक क्षमताएं बरकरार हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि बमबारी के ज़रिए संवर्धन की तकनीक और विज्ञान को नष्ट नहीं किया जा सकता। हमारी इच्छाशक्ति मौजूद है और हम नुकसान की भरपाई कर पाएंगे और खोए हुए समय को जल्दी से वापस पा लेंगे। श्री ट्रम्प ने फ्लोरिडा में कहा कि

अमेरिकी हवाई हमलों और प्रतिबंधों से ईरान बहुत कमज़ोर हो गया है और वह

- **मिशन में शामिल लोगों को व्हाइट हाउस में किया जाएगा आमंत्रित**
- **ईरान ने परमाणु कार्यक्रम के नष्ट होने की धारणा को किया खारिज**

अमेरिकी मांगों का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें ईरान के साथ जबरदस्त सफलता मिली। वह बमबारी से पूरी तरह तबाह हो चुका है। वह जगह तबाह हो गई। वहां तक पहुंचने में कई साल लग जाएंगे। इस दौरान जब उनसे ईरान के अमेरिका के परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह प्राथमिकता नहीं है। लेकिन हम ईरान से जो भी चाहेंगे, वह हमें मिलेगा। अरागची ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वार्ता इतनी जल्दी फिर से शुरू होगी। लेकिन कूटनीति के दरवाज़े कभी बंद नहीं होंगे।

आईएईए के साथ फिलहाल सहयोग नहीं करेगा ईरान

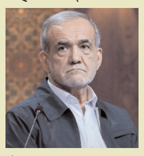

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ देश के सहयोग को फिलहाल रोकने के लिए कानून लागू करने का आदेश दिया है। 'तस्नीम न्यूज' एजेंसी ने बुधवार को बताया कि ईरानी संवैधानिक परिषद के प्रवक्ता हादी तहन नाजिफ ने कहा कि कानून में आईएईए के साथ फिलहाल सहयोग नहीं करने का प्रावधान है। यह तब तक जारी रहेगा जब तक कि ईरान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और इसकी परमाणु सुविधाओं तथा वैज्ञानिकों की सुरक्षा पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं हो जाती। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री पेजेशकियन ने मंगलवार को ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन,विदेश मंत्रालय और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को लागू करने का आदेश दिया। श्री नाजिफ ने कहा कि पिछले बुधवार को ईरानी संसद की ओर से पारित और अगले दिन संवैधानिक परिषद द्वारा अनुमोदित अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता के उल्लंघन तथा देश की क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं पर उनके हमलों के कारण कानून बनाया गया था।

ईरान ने फोर्डो परमाणु संयंत्र पर शुरू किया काम

उपग्रह की तस्वीरों से खुलासा

तेहरान। ईरान ने पिछले महीने अपने परमाणु संयंत्रों पर की गई अमेरिकी बमबारी के बाद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार टेक्नोलॉजीज की उपग्रह छवियों से उस संयंत्र तक पहुंचने के लिए एक नई सड़क के निर्माण और उपकरणों की तैनाती का पता चला है। उपग्रह की ली गयी तस्वीरों के अनुसार, ईरान अपने इस प्रमुख परमाणु संयंत्र में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए रात दिन काम कर रहा है और उपग्रह तस्वीरों में पहाड़ पर फोर्डो संयंत्र की ओर जाने वाली एक नई बनी सड़क दिख रही है। इसके साथ ही वहां कई वाहन भी दिख रहे हैं जिनमें एक उत्खनन वाहन और एक मोबाइल क्रेन शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान (आईएसआईएस) के एक विश्लेषण का हवाला दिया गया जिसमें कहा गया था कि उत्खनन वाहन संभवत: भूमिगत संयंत्र को हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए कैमरों या कर्मचारियों को नीचे उतारने के लिए स्टेजिंग एरिया तैयार कर रहा था। सोमवार को आईएसआईएस अध्यक्ष डेविड अलब्राइट ने कहा कि मैक्सार की तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान बम प्रभावित दो स्थलों पर नीचे की ओर निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।

कैलिफोर्निया में फायरवर्क फैसिलिटी में विस्फोट के बाद लगी आग

कैलिफोर्निया, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया के योलो काउंटी स्थित एस्पार्टो शहर में फायरवर्क फैसिलिटी में विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग लग गई। इस घटना के बाद आस-पास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। सड़कों को बंद कर दिया गया और इमरजेंसी रिस्पांस ऑपरेशन चलाए गए।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, मंगलवार शाम (स्थानीय समय) को हुए इस विस्फोट को कुछ लोगों ने शुरू में विमान दुर्घटना समझ लिया। विस्फोट के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और आसमान में काले धुएं का एक विशाल गुबार उठ गया, जो उत्तरी सोलानो काउंटी के कुछ हिस्सों तक दिखाई दे रहा था। काउंटी रोड 23 पर आग लगने के बाद शाम 6 बजे से ठीक पहले आपातकालीन दल

- **आसमान में छाया धुएं का गुबार**

घटनास्थल पर पहुंचा। कैल फायर के अनुसार, विस्फोट एक फायरवर्क स्टोरेज और हैंडलिंग फैसिलिटी में हुआ, जिससे आग भड़क उठी। इस वजह से चिंता बढ़ गई कि कहीं और धमाके न हों और जंगल में आग न लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों में काला धुआं तेजी से पूरे इलाके में फैलता नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें तेज धमाके सुनाई दिए।

इथियोपिया में मई में मलेरिया के 5 लाख से अधिक मामले आए सामने : डब्ल्यूएचओ

अदीस अबाबा, 2 जुलाई (एजेंसियां)। इथियोपिया में मलेरिया के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मई में 5,20,782 मलेरिया के मामले सामने आए। यह एक महीने में दर्ज की गई बड़ी संख्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी हालिया रिपोर्ट में बताया कि इथियोपिया में मलेरिया के अलावा, कालरा, खसरा और एमपॉक्स जैसी अन्य बीमारियों का प्रकोप भी जारी है। देश के कुछ हिस्सों में चल रहे संघर्ष के कारण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो गई है। इन क्षेत्रों में लोगों को तत्काल सहायता की जरूरत है। लेकिन, सहायता पहुंचाने में मुश्किलें सामने आ रही हैं। मलेरिया इथियोपिया में एक आम बीमारी है, खासकर उन क्षेत्रों में जो समुद्र तल से 2,000 मीटर से नीचे हैं। यह क्षेत्र देश के तीन-चौथाई हिस्से को कवर करता है, जहां की लगभग 69 प्रतिशत आबादी मलेरिया के खतरे में है। मलेरिया का प्रकोप आमतौर पर सितंबर से दिसंबर और अप्रैल से मई के बीच बढ़ता है, क्योंकि ये महीने बारिश के मौसम के बाद आते हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, साल 2024 में इथियोपिया में 84 लाख से ज्यादा मलेरिया के मामले सामने आए, जो देश में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

हमास से 60 दिन के सीजफायर पर सहमत इजरायल : ट्रंप

नए प्रस्ताव में हमास की कुछ चिंताओं को दूर करने की कोशिश की गई

ह्यूस्टन, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास से 60 दिन के संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने की अपील की है। ट्रंप ने बताया है कि इस प्रस्ताव की जरूरी शर्तों पर इजरायल ने सहमति जता दी है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मुझे उम्मीद है कि मिडिल ईस्ट की भलाई के लिए हमास इस समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। मौजूदा स्थिति से हालत सिर्फ बदतर ही होंगे। ट्रंप ने लिखा कि इजरायल ने 60 दिन के सीजफायर को अंतिम रूप देने के लिए जरूरी शर्तों पर सहमति जताई है। इस दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, मेरे प्रतिनिधियों ने गाजा पर इजरायल के साथ लंबी बैठक की। इसके साथ ही ट्रंप ने बताया कि कतर और मिस्र अंतिम प्रस्ताव पेश करेंगे।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, नए प्रस्ताव में हमास की कुछ चिंताओं को दूर

करने की कोशिश की गई है। सीजफायर के दौरान फिलिस्तीनी कैदियों के बदले इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार पिछले सप्ताह ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि अगले एक सप्ताह में गाजा में सीजफायर हो सकता है, लेकिन उस समय उन्होंने और अधिक जानकारी नहीं दी थी। इससे पहले मंगलवार को ट्रंप ने कहा था कि वह ईरान और गाजा के मुद्दे पर अगले सोमवार को व्हाइट हाउस में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे।

अमेरिका ने रोकी यूक्रेन की सैन्य मदद

ह्यूस्टन, 2 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के अपने भंडार की समीक्षा के बाद यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता के एक हिस्से को रोक दिया है। इसकी पुष्टि व्हाइट हाउस और पेंटागन ने की है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि हमारे देश के मिलिट्री सपोर्ट और दुनियाभर के अन्य देशों को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा के बाद अमेरिका के हितों को प्राथमिकता देने के लिए यह फैसला लिया गया है। कई अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने स्रोतों का हवाला देते हुए बताया कि यह कदम अमेरिकी सैन्य भंडार के बहुत कम होने की चिंताओं के बीच उठाया गया है।

सिन्हुआ के अनुसार पिछले महीने अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने यूक्रेन को तीन साल की मदद, यमन के हौथी समूह और ईरान पर हालिया हमलों के बाद हथियारों के अमेरिकी भंडार की समीक्षा करने का आदेश देते हुए एक ज्ञापन जारी किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समीक्षा में यह पाया गया कि पहले प्लेज्ड किए गए कुछ हथियारों का भंडार बेहद कम था। रक्षा विभाग के पॉलिसी अंडर सेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने कहा कि पेंटागन इस युद्ध को

- **अब नहीं मिलेगी पेट्रियट एयर डिफेंस और मिसाइलें**
- **अमेरिकी सैन्य भंडार के बहुत कम होने की चिंताओं के बीच उठाया गया कदम**

खत्म करने के अपने लक्ष्य के अनुरूप, यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रखने के लिए राष्ट्रपति को मजबूत विकल्प प्रदान करना जारी रखेगा। कोल्बी ने कहा कि इसी के साथ, विभाग इस लक्ष्य को हासिल करने के अपने दृष्टिकोण की सख्ती से समीक्षा और अनुकूलन कर रहा है, ताकि अमेरिकी सेनाओं की तैयारी और प्रशासन की रक्षा प्राथमिकताओं को भी सुरक्षित रखा जा सके।

दलाई लामा ने उत्तराधिकारी चुनने में चीन की भूमिका को नकारा

बीजिंग/धर्मशाला, 2 जुलाई (एजेंसियां।) चीन ने तिब्बती बौद्ध धर्म की 600 साल पुरानी परंपरा की रक्षा के लिए उत्तराधिकारी की नियुक्ति संबंधी तिब्बती नेता दलाई लामा की टिप्पणियों पर कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि अगले दलाई लामा की नियुक्ति का अधिकार केवल चीन को है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि दलाई लामा, पंचेन लामा और अन्य महान बौद्ध हस्तियों के पुनर्जन्म का चयन स्वर्ण कलश से लॉटरी निकालकर किया जाना चाहिए और ये केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित होना चाहिए।

14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो (89) ने दलाई लामा चुनने में किसी भी राजनीतिक दबाव को खारिज कर दिया था। उन्होंने अपने 90 वें जन्मदिन के पहले कहा कि उत्तराधिकारी की नियुक्ति केवल तिब्बती बौद्ध धर्म की सदियों पुरानी पारंपरिक नियमों द्वारा की जा सकती है और इसमें चीन का कोई दखल नहीं होना चाहिए। वर्ष 2011 में जब दलाई लामा से पूछा गया था कि क्या ये परंपरा जारी रहेगी तो उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक चर्चा नहीं होगा।

मामला / क्वाड देशों ने की पहलगाम हमले की कड़ी निंदा, कहा

हम ऐसे क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां सभी दबाव से मुक्त हों

वाशिंगटन, 2 जुलाई (एजेंसियां)। क्वाड देशों- भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और इस घटना में शामिल आतंकवादियों और उन्हें आर्थिक तौर पर मदद करने वाले संगठनों एवं उनसे जुड़े लोगों को तत्काल के न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया।

वाशिंगटन में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के ताकेशी इवाया ने कहा कि हम 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसमें 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई,जबकि कई अन्य घायल हो गए। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की हार्दिक कामना करते हैं। हम इस निंदनीय घटना में शामिल आतंकवादियों और उन्हें आर्थिक तौर पर मदद करने वाले संगठनों एंव उनसे जुड़े लोगों को तत्काल न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस मामले में सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह करते हैं।

संयुक्त वक्तव्य में चारों देशों की स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। उन्होंने चार प्रमुख क्षेत्रों-समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती

- **आतंकवादियों व उनसे जुड़े लोगों को न्याय के दायरे में लाने का किया आह्वान**

हुई प्रौद्योगिकी, और मानवीय सहायता एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित एक नए, महत्वाकांक्षी और मजबूत एजेंडे की भी घोषणा की। इस बैठक में क्वाड देशों ने 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव' के शुभारंभ की भी घोषणा की, जो महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित और विविधतापूर्ण बनाने की दिशा में सहयोग कर आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक लचीलेपन को मजबूत करने के लिए हमारी साझेदारी का एक महत्वाकांक्षी विस्तार है।

वक्तव्य में कहा गया है कि हम कानून के शासन, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। भारत- प्रशांत क्षेत्र में चार प्रमुख समुद्री राष्ट्रों के रूप में, हमारा यह मानना है कि समुद्री क्षेत्र में शांति और स्थिरता क्षेत्र की सुरक्षा और समृद्धि का आधार है। हम एक ऐसे क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां सभी देश दबाव से मुक्त हों। क्वाड विदेश मंत्रियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की और क्षेत्रीय भागीदारों केसाथ कार्य करते हुए शांति, सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ाने के लिए क्वाड संगठन की ताकत और संसाधनों का और अधिक दोहन करने के तरीके पर चर्चा की।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

- **बेजान दारूवाला**

ग्रह स्थिति : गुरूवार 3 जुलाई , 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 7

राशिफल

मेष - लंबी अवधि की आर्थिक योजना के लिए दिन अनुकूल है। आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभदायक होगा। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव होगा। मित्रों तथा स्वजनों की ओर से उपहार मिलेगा।

वृषभ - आज आपकी वाणी का जादू किसी को अभिभूत करके आपको लाभ दिलाएगा। वाणी की सौम्यता नए संबंध स्थापित करने में सहायक होगी। नए काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

मिथुन - मानसिक दुविधा के कारण महत्वपूर्ण निर्णय लेने में परेशानी होगी। विचारों की अधिकता के कारण मानसिक अस्वस्थता का अनुभव होगा। अत्यधिक भावुकता आपकी दृढ़ता को कमजोर बनाएगी।

कर्क - तन-मन की ताज़गी के अनुभव के साथ घर में भी आनंद का वातावरण रहेगा। मित्रों तथा स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। लाभ तथा शुभ काम को शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकूल है।

सिंह - आपका दिन मिश्रितफल देनेवाला रहेगा। किसी लंबी योजना में आप कन्फ्यूज हो सकते हैं। महत्वपूर्ण काम में मनोवांछित सफलता प्राप्त नहीं कर सकेंगे। पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा।

कन्या - आज के लाभदायक दिन आपकी वैचारिक समृद्धि बढ़ेगी। वाक्चातुर्य और मीठी वाणी से आप अच्छे और लाभप्रद संबंध विकसित कर सकेंगे। उत्तम भोजन, भेंट, उपहार और वस्त्रों की प्राप्ति होगी।

तुला - आज असंयमित और अविचारी व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकता है। दुर्घटना से बचे रहें। वाणी में उग्रता हो सकती है। सगे- संबंधियों के साथ अनबन होगी। मनोरंजन या घूमने के पीछे पैसे खर्च होंगे।

वृश्चिक - नौकरी- धंधे और व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। मित्रों के साथ मुलाकात तथा प्रवास का आयोजन करेंगे। विवाहोत्सुक युवक- युवतियों के लिए शुभ संयोग निर्मित होगा तथा पत्नी से लाभ होगा।

धनु - आर्थिक और व्यापारिक आयोजन करने के लिए शुभ दिन है। कोई भी काम सफलतापूर्वक पूरा होगा। परोपकार की भावना आज बलवती रहेगी। आमोद-प्रमोद में आपका दिन गुजरेगा।

मकर - बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। आपके व्यवसाय में नई विचारधारा आपके कार्यों को नया स्वरूप देगी। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ बनाएंगे।

कुंभ - आपको गलत काम और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।ज्यादा सोच-विचार करने से मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में झगड़ा या विवाद हो सकता है।

मीन - व्यापारियों को आगे बढ़ने के बहुत से अवसर मिलते रहेंगे। पार्टनरशिप के काम के लिए समय अच्छा है। कलाकार और साहित्यकार कुछ अच्छा रचने के काबिल रहेंगे। बड़े लोगों से सम्मान प्राप्त कर सकेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

सुडोकू 6962

			1		6	2		3
	8		3	7	5			1
	1		8				5	7
1	5	4						6
6			5		9			8
2						4	7	5
5	6				8		3	
7			4	5	3		6	
8		3	9		7			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6962

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. बड़ी मुश्किल से
३. बाकायदा
५. दहाड़
६. बेइज्जती, अपमानित
७. प्रयासरत
९. सामयिक
१०. जिसके अधिकार को समाप्त कर दिया गया हो (उर्दू)
१२. जहरीला
१३. छोटी टोकरी
१४. श्रीकृष्ण की पत्नी राधा की जन्मस्थली (उर्दू)
१६. जमीन में गड़ाना (उर्दू)
१८. त्रुटिपूर्ण (उर्दू)
२०. प्राय:, अधिकतर
२१. पथप्रदर्शक (उर्दू)
२३. मानव खोपड़ी

ऊपर से नीचे:-

१. थोड़ा भी
२. लिपिबद्ध (उर्दू)
३. गणेश
४. दरिंदगी, पाशविक (उर्दू)
५. बीता हुआ समय
८. लोचदार होने का भाव
१०. बेरोजगार (उर्दू)
११. पूर्ति होना, खर्च होना
१२. अवसाद, उदासी
१३. कल्याण, शुभ
१४. समान
१५. चौकन्ना, सतर्क
१६. छल, धोखा, लुभावना(उर्दू)
१८. ज्योतिषी, गिनने वाला
२०. बहने के गुण वाले पदार्थ, द्रव
२२. लड़ाई, युद्ध

वर्ग पहेली-6961

१ वी	णा	२ वा	दि	३ नी	■	४ सु	धा	५ र	ना
रां	■	व्यी	■	६ ल	श्क	र	■	ई	■
७ ग	तां	क	■	ग	■	८ बा	ल	स	९ खा
ना	■	र	■	१० ग	म	ला	■	■	द्य
■	११ प्र	ण	१२ य	न	■	■	१३ सं	क्षे	प
■	सि	■	व	■	१४ अ	रू	चि	■	दा
१५ वृ	द्ध	१६ ज	न	■	पि	■	१७ त	१८ द	र्थ
त्ति	■	ला	■	१९ कौ	तु	२० ल	■	र्श	■
२१ क	र्क	शा	■	र	■	२२ ठि	ठ	क	२३ ना
र	■	२४ य	श	व	र्द्ध	न	■	■	थ

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

अंटार्कटिक महाद्वीप में बर्फ के पिघलने की तेज गति वैश्विक चिंता का विषय

कैनबरा, 2 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों के एक नए शोध में कहा है कि गर्म मौसम के दौरान अंटार्कटिक महाद्वीप में बर्फ रिकॉर्ड गति से पिघल रही है और इससे वैश्विक जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र में व्यापक नाकारात्मक बदलाव आ सकता है।

अंटार्कटिक बर्फ की चादर का पिघलना सीधे तौर पर समुद्र के स्तर में वृद्धि का कारण बनता है। यह वृद्धि न केवल तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ाती है, बल्कि जलवायु प्रणालियों को भी प्रभावित करती है। अंटार्कटिक में बर्फ का पिघलना एक गंभीर मुद्दा है जो वैश्विक जलवायु को प्रभावित कर सकता है। यह न केवल समुद्र के स्तर में वृद्धि का कारण बनता है, बल्कि वैश्विक मौसम पैटर्न में भी बदलाव लाता है। इस समस्या का समाधान ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और अंटार्कटिका में बर्फ के पिघलने की दर को धीमा करना है

तस्मानिया विश्वविद्यालय में ऑस्ट्रेलियाई अंटार्कटिक कार्यक्रम भागीदारी (एएपीपी) द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, समुद्री बर्फ की मात्रा में रिकॉर्ड गिरावट से तट रेखाएं उजागर हो रही हैं, महासागर गर्म हो रहे हैं और नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र बाधित हो रहे हैं।

प्रादेशिकी

प्रत्येक कर्मचारी का सर्विस बुक डाटा किया जाए अपडेट : आनन्द बर्द्धन

देहादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने निर्देश दिए कि यूकेपीएफएमएस के माध्यम से सभी कर्मियों की सर्विस बुक डाटा को अपडेट किया जाए। बुधवार को यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में सचिव समिति की बैठक आयोजित हुयी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य एवं जनहित से जुड़ी योजनाओं सहित राज्य सरकार के कर्मियों की समस्याओं एवं मुद्दों पर चर्चा करते हुए विभिन्न दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी सचिवों को अपने विभागों के अन्तर्गत किए जाने वाले कार्यों के लिए ई-डीपीआर मॉड्यूल को लागू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईकृडीपीआर के माध्यम से डीपीआर तैयार किए जाने से लेकर सरकार तक पहुंचने तक की गतिविधि ई-डीपीआर के माध्यम से की जाए। उन्होंने कहा कि ई-डीपीआर का क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग को शत-प्रतिशत रूप से ऑनलाईन किया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यूकेपीएफएमएस के माध्यम से सभी कर्मियों की सर्विस बुक डाटा को अपडेट किया जाए।

सीएम धामी मंत्रीमंडल ने रेशम कोकून की एमएसपी में की बढ़ोत्तरी

बुधवार को आयोजित की गई मंत्री मंडल की बैठक में प्रस्ताव पर लगी मोहर

- ए ग्रेड के कोकून की कीमत 400 से बढ़ाकर की गई 440 रूपए प्रति किलो

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 2 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में एक प्रस्ताव पर मुहर लगी है। दरअसल, हर साल रेशम कोकून की एमएसपी तय की जाती है। इसी क्रम में इस साल भी रेशम विभाग ने कोकून की नई एमएसपी का प्रस्ताव तैयार किया था, जिस पर मंत्रिमंडल ने मुहर लगा दी है। पिछले साल कोकून के लिए तय की गई एमएसपी में इस साल बढ़ोत्तरी की गई है। जिसके तहत हाई क्वालिटी के कोकून की कीमत को 400 रुपए प्रति किलो से बढ़ाकर 440 रुपए प्रति किलो किया गया है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में एक ही प्रस्ताव पर मुहर लगी है। जिसमें कृषि विभाग के तहत सिल्क के कोकून की नई एमएसपी तय की गई है। हालांकि, हर साल कोकून की एमएसपी तय की जाती है, जिसके क्रम में इस साल भी कोकून की नई दरें तय की गई है। पिछले साल के मुकाबले इस साल कोकून की दरों में बढ़ोतरी की गई है। इससे प्रदेश में सिल्क के उत्पाद को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वर्तमान समय में प्रदेश के दो जिलों देहरादून और बागेश्वर में मुख्य रूप से कोकून का उत्पादन किया जा रहा है। लेकिन सरकार के इस प्रोत्साहन से आने वाले समय में कोकून के उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। मंत्री जोशी ने कहा कि सिल्क की क्वालिटी काफी बेहतर है। क्योंकि उत्तराखंड के कोकून से बनी सिल्क की साड़ियों की डिमांड न सिर्फ प्रदेश में बढ़ी है, बल्कि अन्य राज्यों में भी काफी अधिक पसंद की जा रही है। क्योंकि तमाम जगहों पर एक्सपो का आयोजन किया जाता है, जिसमें उत्तराखंड के सिल्क साड़ियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। जिसके चलते टर्नओवर बढ़ता जा रहा है। किसानों को कोकून के बीज समय पर उपलब्ध हो, इसके लिए सरकार काम कर रही है। लेकिन अभी तक ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है कि कोकून का बीज किसानों को समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

रेशम विभाग में कोकून की एमएसपी की गई दर तय

- ए ग्रेड के कोकून की कीमत 400 से बढ़ाकर 440 रुपए प्रति किलो की गई।
- बी ग्रेड के कोकून की कीमत 370 से 395 रुपए प्रति किलो की गई।
- सी ग्रेट के कोकून की कीमत 280 से 290 रुपए प्रति किलो की गई।
- डी ग्रेट के कोकून की कीमत 230 से बढ़कर 240 रुपए प्रति किलो की गई।

सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश ने 57 करोड़ रूपए का भुगतान कर दिया है: सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा विघुत बिलों के रूप में 57.87 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। बुधवार को यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य के मध्य अवशेष आस्तियों एवं दायित्वों के मामलों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन मामलों में दोनों राज्यों के बीच पिछली बैठक में सहमति बनी थी, उनमें से जिन मामलों में कार्यवाही गतिमान है, उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनका जल्द समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दोनों राज्यों के अवशेष आस्तियों एवं दायित्वों के मामले में जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक करेंगे।

समीक्षा बैठक में सीएम सैनी ने दिए निर्देश

'मानसून में पानी निकासी की पूरी व्यवस्था करें अधिकारी'

पंचकूला, 2 जुलाई (देशबन्धु)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानसून के मद्देनजर प्रदेशभर में जल निकासी से संबंधित मुद्दों पर अधिकारियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी की निकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी इंतजाम समय पर और प्रभावी ढंग से किए जाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानसून की तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें राज्य भर में जल निकासी उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वो अपने-अपने जिलों में जल निकासी की तैयारियां पूरी रखें और बारिश के दौरान किसी भी तरह की समस्या न हो, इसके लिए पहले से ही पूरी योजना के तहत काम करें। उन्होंने जिलों में उपलब्ध पंप सेटों की जानकारी जुटाई और उनके सही तरीके से काम करने की स्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और सिंचाई विभाग के पास मौजूद पंप सेट पूरी तरह से सुचारू रूप से काम करें, ये जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी। उन्होंने कहा कि जल निकासी से संबंधित शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। समीक्षा बैठक के दौरान गुरुग्राम, फरीदाबाद, अंबाला, कुरुक्षेत्र जैसे जिलों पर खास फोकस रहा, जहां जल निकासी की समस्या अधिकतर रहती है। मुख्यमंत्री सैनी ने इन जिलों के लिए विशेष योजना के तहत काम करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने ड्रेनों की सफाई के कामों का भी ब्यौरा लिया और सभी संबंधित विभागों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मानसून से पहले सभी जरूरी तैयारियां पूरी की जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। सीएम नायब सिंह सैनी ने मानसून को लेकर ऐसे समय बैठक की है, जब पिछले दिन बारिश के कारण हरियाणा के कई शहरों में जलभराव की स्थिति बन चुकी थी।

बारिश के पानी की निकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी इंतजाम समय पर और प्रभावी ढंग से किए जाएं : नायब सिंह सैनी

सार संक्षेप

कम उम्र में प्यार व शादी समाज के हित में नहीं : हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कम उम्र में प्यार और फिर शादी जैसे मामलों को समाज के लिये उपयोगी नहीं बताते हुए बुधवार को प्रदेश सरकार को जन जागरण अभियान चलाने को कहा है। साथ ही महिला सशक्तीकरण और बाल विकास विभाग को इस मामले में दो सप्ताह में ठोस प्रस्ताव पेश करने के निर्देश दिये हैं। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेन्दर और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने शालिनी एवं अन्य बनाम राज्य सरकार मामले में इस प्रकरण का स्वतः संज्ञान लेते हुए आज सुनवाई की। इस मामले में सुरक्षा के लिये अदालत पहुंचा प्रेमी जोड़ा कुल 19 साल का है।

लोगों को लूटने वाले लिफाफा गैंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की हल्द्वानी पुलिस ने भोलेभाले लोगों को लूटने वाले उत्तर प्रदेश (उप्र.) के शाहजहांपुर के एक लिफाफा गैंग का खुलासा किया है। इस संबंध में गिरोह के सरगना समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएन मीणा ने हल्द्वानी में बुधवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मंगलवार को कुछ अज्ञात लोगों ने पीलीभीत के थाना सुनगड़ी के रणजीत सिंह कालोनी निवासी छेदा लाल को लूट लिया था। पीड़ित की ओर से इस मामले में हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर सौंपी गयी। एसएसपी के निर्देश पर मामला का खुलासा करने के लिये हल्द्वानी कोतवाल राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष अभियान समूह (एसओजी) एवं पुलिस की एक टीम का गठन किया गया।

दिनदहाड़े हुई चोरी का खुलासा हिस्ट्रीशीटर समेत दो गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की लालकुआं पुलिस ने दिनदहाड़े में घर का ताला तोड़ कर चोरी करने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएन मीणा ने बुधवार को इस इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि विगत 18 जून को लालकुआं के हल्दूचैड़ के बमेठा बंगर में गीता जोशी नामक महिला के घर में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आयी थी। आरोपी सोने के जेवरात और बेशकीमती सामान चोरी कर ले गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले का खुलासा करने के लिये एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तथा 30 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की।

सुडोकू 6962 का हल

4	7	5	1	9	6	2	8	3
9	8	2	3	7	5	6	4	1
3	1	6	8	2	4	9	5	7
1	5	4	7	8	2	3	9	6
6	3	7	5	4	9	1	2	8
2	9	8	6	3	1	4	7	5
5	6	9	2	1	8	7	3	4
7	2	1	4	5	3	8	6	9
8	4	3	9	6	7	5	1	2

कावंड़ियों के ट्रक के पलटने से 3 की मौत 14 गंभीर घायल

ऋषिकेश गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाजल फकोट के करीब हुआ हादसा

नई टिहरी, 2 जुलाई (देशबन्धु)। कांवडियों को ऋषिकेश से गंगोत्री ले जा रहा एक ट्रक टिहरी क्षेत्र में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसके नीचे दबकर तीन की मौत हो गयी। वहीं 14 लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह एक ट्रक कांवड़ियों को लेकर ऋषिकेश से गंगोत्री की ओर जा रहा था। ट्रक में 18 से 20 कांवड़िए सवार थे। इसी दौरान टिहरी गढ़वाल जिले में ऋषिकेश गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाजल फकोट के बीच अचानक ड्राइवर ट्रक पर से संतुलन खो बैठा। इस दौरान अनियंत्रित होकर ट्रक सड़क किनारे खाई की ओर पर पलट गया। संयोग से ट्रक ऊपर ही अटक गया। ट्रक के पलटते ही वहां चीख पुकार मच गई। हादसे की खबर लगते ही स्थानीय लोग दुर्घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। इस बीच किसी ने पुलिस और एसडीआरएफ को भी हादसा होने की सुचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई। ट्रक पलटने से उसमें सवार ज्यादातर कांवड़िए ट्रक के नीचे दब गए। टिहरी एसपी के अनुसार ट्रक में 18 से 20 कांवड़िए सवार थे। राहत और बचाव टीम ने युद्ध स्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया। जेसीबी से ट्रक को सीधा किया गया। इस दुर्घटना में 17 कांवड़ियों को रेस्क्यू किया गया। इनमें से 3 की मौत हो गई है।

कावंड़िये गंगाजल भरने के लिए जा रहे थे गंगोत्री

उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए नॉमिनेशन शुरू

देहरादून, 2 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तराखंड में हरिद्वार जिला को छोड़ बाकी 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं। बीती 28 जून को पंचायत चुनाव के लिए संशोधित अधिसूचना जारी होने के बाद बुधवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। तय कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवार 2 जुलाई से 5 जुलाई तक सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन पत्रों को दाखिल कर सकते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की मानें तो प्रदेश के 12 जिलों में 1 जुलाई तक कुल 22,321 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई है। बता दें कि इससे पहले उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर 21 जून को चुनावी अधिसूचना जारी की गई थी, लेकिन मामला नैनीताल हाईकोर्ट में पहुंचने के बाद 23 जून को नैनीताल हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव के कार्यक्रमों को अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थगित करने का आदेश दिया। जिसके चलते 24 जून को राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी चुनावी कार्यक्रमों को अग्रिम आदेशों के लिए स्थगित कर दिया था। ऐसे में नैनीताल हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के बाद 27 जून को हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव के कार्यक्रमों पर लगी रोक को हटाते हुए नया चुनावी कार्यक्रम जारी करने के आदेश दिए। इसके बाद उत्तराखंड शासन और राज्य निर्वाचन आयोग ने 28 जून को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संबंधित संशोधित अधिसूचना जारी की थी। जिसके तहत 30 जून को जिला निर्वाचन अधिकारियों की ओर से सूचना जारी की गई। इसके साथ ही नामांकन पत्रों की बिक्री भी शुरू कर दी गई। ऐसे में 21 जून को चुनावी अधिसूचना जारी होने के बाद 23 जून को जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से सूचना जारी किए जाने के बाद ही नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो गई थी।

जिसके तहत 23 जून को 45 नामांकन पत्र और 24 जून को 1062 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई थी। चुनाव पर लगी रोक और फिर संशोधित अधिसूचना जारी होने के बाद फिर से नामांकन पत्रों की बिक्री 30 जून से शुरू हुई।

प्रदेश भर में बिके 22321 नामांकन पत्र

उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के चुनावी कार्यक्रम

- 5 जुलाई 2025 तक सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन की प्रक्रिया चलेगी।
- 7 जुलाई से 9 जुलाई तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।
- 10 और 11 जुलाई को सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 तक नाम वापसी की तिथि रखी गई है।
- दो चरणों में त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनाव होंगे।
- पहले चरण के चुनाव चिन्ह का आवंटन 14 जुलाई को किया जाएगा।
- पहले चरण का मतदान 24 जुलाई को होगा।
- दूसरे चरण के चुनाव चिन्ह का आवंटन 18 जुलाई को किया जाएगा।
- दूसरे चरण का मतदान 28 जुलाई को होगा।
- दोनों चरणों के चुनाव की मतगणना एक साथ 31 जुलाई को होगी

माता-पिता को घर से निकालने वाले पर चला न्याय का हथोड़ा

देहरादून, 2 जुलाई (देशबन्धु)। मां-बाप से सम्पत्ति की गिफ्ट डीड कराकर घर से निकालने वाले बेटे पर जिलाधिकारी सविन बसंल का न्याय का हथोडा चला और गिफ्ट डीड कैंसिल कर बुर्जुग दम्पत्ति को न्याय दिलाया। बुधवार को यहां जिलाधिकारी सविन बंसल के राज में जिला प्रशासन सामाजिक कर्तव्य से विमुख लोगों को अपनी न्याय प्रणाली से रास्ता दिखा रहा है वहीं असहाय जरूरतमंद लोंगों को त्वरित न्याय मिल रहा है। जिलाधिकारी सविन बसंल की कार्यप्रणाली सदैव असहाय, बुजुर्ग, महिला बच्चों, जनमानस के हित में रही है। असहाय जरूरतमंदो से जुड़े विषयों पर जिला प्रशासन द्वारा सक्रिय होकर त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं। यह जनमानस के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाता है। बुजुर्ग परमजीत सिंह ने अपनी 3080 वर्ग फुट सम्पति जो कि 2 बड़े हॉल है को गिफ्ट डीड में अपने पुत्र गुरूविंदर सिंह के नाम कर दिया था। गिफ्ट डीड की शर्तों के अनुसार पुत्र को अपने माता-पिता के भरणपोषण एवं माता-पिता के साथ रहने तथा पोते-पोती को दादा-दादी से दूर नही करना था। किन्तु सम्पति नाम होते ही पुत्र ने गिफ्ट डीड में की शर्तों का उल्लंघन कर माता-पिता से दूर रहने लगा तथा पोते-पोती को भी दादा-दादी से मिलने नही दिया गया। बुजुर्ग दम्पति के प्रकरण पर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में विधवत पर्याप्त सुनवाई की गई विपक्षी गुरूविंदर सिंह आदि को नोटिस जारी किया गया एवं विज्ञप्ति के माध्यम से भी सार्वजनिक सूचना प्रसारित की गई इसके बावजूद भी विपक्षी द्वारा न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत नही की गई और ना ही स्वयं उपस्थित हुए। जिस पर फैसला सुनाते हुए गिफ्ट रद्द करते हुए सम्पति को पुनः बुजुर्ग दम्पति के नाम कर दिया। बुजुर्ग माता-पिता से गिफ्ट डीड में बंगला बिजनेस अपने नाम कर अपना ही बेटा उनको घर से बाहर खदेड़ रहा था। डीएम बंसल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गिफ्ट डीड को एक झटके में ही खारिज करते हुए पूर्ण 3080 वर्ग फीट सम्पति पुनः बुजुर्ग दम्पति के नाम कर दिया है।

जिलाधिकारी की कार्यप्रणाली सदैव असहाय, बुजुर्ग, महिला बच्चों, जनमानस के हित में रही है

उत्तराखंड पुलिस का बड़ा फैसला

सिख श्रद्धालुओं के धारदार हथियार लाने पर लगी रोक

देहरादून, 2 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तराखंड में सिख श्रद्धालुओं के मारपीट और उत्पात मचाने की कई घटनाएं सामने आ चुका है। इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए उत्तराखंड पुलिस कुछ सख्त कदम उठाने जा रही है। पुलिस ने सिख समुदाय से जुड़ी उन परंपराओं को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें तलवार, भाले और कृपाण लाने की परंपरा रही है। अब ऐसे सभी हथियार बिना धार के ही उत्तराखंड की सीमाओं में प्रवेश कर पाएंगे। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने रेंज के सभी एसएसपी को उत्तराखंड की सीमाओं पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए है। केवल बिना धार वाले धार्मिक प्रतीकों को ही अनुमति दी जाएगी। साथ ही ग्रंथियों के माध्यम से इस नियम की जानकारी श्रद्धालुओं तक पहुंचाई जाएगी। बता दें कि हाल ही में हेमकुंड जाने वाले सिख श्रद्धालुओं के लिए श्रीनगर और जोशीमठ से कुछ वीडियो सामने आए थे। इन वीडियो में सिख श्रद्धालु तलवार लहराते हुए नजर आए थे। इस दौरान उनकी स्थानीय लोगों के साथ हिंसक झड़प भी हुई थी।

केंद्र सरकार ने समूचे हिमाचल को सिविल डिफेंस टाउन घोषित किया

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 2 जुलाई (देशबन्धु)। सूबे की एक फीसद आबादी अर्थात करीब 70 हजार लोगों को सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण मिलेगा। केंद्र सरकार ने समूचे हिमाचल को सिविल डिफेंस टाउन घोषित कर दिया है। सिविल डिफेंस एक्ट के तहत हिमाचल को सिविल डिफेंस टाउन घोषित किया गया है। एक्ट के तहत एक फीसद आबादी को सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स का प्रशिक्षण मिलेगा। प्रशिक्षिति सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स साल दर साल आपदाओं से जूझ रहे हिमाचल में मददगार साबित होंगे। सनद रहे कि प्रदेश की आबादी करीब 70 लाख है। इसमें से एक फीसद को सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही फिलवक्त प्रदेश का सिर्फ शिमला शहर की सिविल डिफेंस एक्ट के दायरे में शामिल है। राजस्व विभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक आपदा प्रबंधन डीसी राणा ने समूचे हिमाचल को सिविल डिफेंस में शामिल करने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा। हिमाचल साल दर साल दैवीय आपदाओं से जूझ रहा है। प्राकृतिक आपदा के वक्त राहत व बचाव के लिए एसडीआरएफ , एनडीआरएफ, पुलिस अथवा अन्य ऐजेंसियों के पहुंचने में कई मर्तबा वक्त लग जाता है।

एक्ट के तहत एक फीसद आबादी को सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स का प्रशिक्षण मिलेगा

डीएम ने ली केदारनाथ जीर्णोद्धार और पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा बैठक

केदारनाथ परियोजना के लंबित मुद्दों को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन

रुद्रप्रयाग, 2 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को एनआईसी सभागार में केदारनाथ धाम में चल रहे जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास परियोजना के विभिन्न फेजों के अंतर्गत हो रहे कार्यों की प्रगति तथा केदारनाथ परियोजना से संबंधित लंबित मुद्दों के समाधान को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने वर्तमान में लंबित प्रमुख मुद्दों की जानकारी ली, जिसमें न्यू भीमबली में तीसरे चिंतन स्थल के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटन पर निर्णय (लंबित), शिव उद्यान स्थल, केदारनाथ धाम में भूमि स्वामित्व विवाद, शिव उद्यान, केदारनाथ धाम में प्रस्तावित ओपन एयर थिएटर स्थल से मोबाइल टावर को स्थानांतरित करना, चन्नी कैंप में चिंतन स्थल के पास ओवरहेड एलटी केबल और पोल का स्थानांतरण, चिंतन स्थलों से मौजूदा केदारनाथ पैदल पथ तक संपर्क मार्गों का विकास, शिव उद्यान (ओपन एयर थियेटर सहित) और चिंतन स्थलों के लिए बिजली लोड आवश्यकताओं को पूरा करने की सुविधा, परियोजना के पूरा होने के बाद संचालन और रख-रखाव की योजना, (चिंतन स्थल, शिव उद्यान, ओपन एयर थियेटर और केदार परिचय संग्रहालय के लिए) परियोजना पर आने वाले अधिकारियों के लिए हेलीकॉप्टर टिकट बुकिंग प्रक्रिया, निर्माण और नाजुक सामग्रियों को साइट पर ले जाने के लिए चिनूक की बुकिंग में सुविधा पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का निस्तारण शीघ्र किया जाए। उन्होंने मोबाइल टावर शिफ्टिंग को लेकर सभी हितधारकों से वार्ता कर शीघ्र टावर के लिए भूमि चयन एवं टावर शिफ्टिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर

मानसून व बारिश के बीच सुरक्षात्मक तरीके से चलाई जा रही चारधाम यात्रा

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में स्थित छोटे मंदिर और शिव प्रतिमाएं जलमग्न हो गई हैं। इससे क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों के साथ-साथ यात्रियों की चिंता भी बढ़ गई है। इधर, मौसम की अनिश्चितता के बावजूद केदारनाथ यात्रा सोमवार सुबह से पुनः शुरू की गई। अपराह्न 3 बजे तक कुल 7936 श्रद्धालुओं ने सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान किया, जिनमें से अधिकांश देर शाम तक धाम पहुंच गए। वहीं, 8400 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर सकुशल सोनप्रयाग लौटे।

8400 श्रद्धालु सकुशल लौटे

प्रादेशिकी

कांवड़ यात्रा में डीजे की अधिकतम ऊंचाई निर्धारित

सहारनपुर। सहारनपुर जिला प्रशासन ने पवित्र मास श्रावण में कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे की अधिकत ऊंचाई दस फिट निर्धारित की है। अपर पुलिस महानिदेशक भानू भास्कर और मंडलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में बुधवार को कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गयी। श्री भास्कर ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों को एक पहचान पत्र रखना होगा। शिवभक्तों को कोई असुविधा न हो उसके लिए पोस्टर, बैनर, साइनेज लगाकर जानकारी दी जायेगी। उन्होने बताया कि डीजे की ऊंचाई अधिकतम 10 फीट तथा चौड़ाई गाडी से ज्यादा न हो। उन्होने ध्वनि के लिए न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन कराने की बात कही। अफवाह एवं भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मण्डलायुक्त ने कहा कि कांवड यात्रा को प्लास्टिक मुक्त रखा जाए।

निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना से मिल रहा संबल और सम्मान

योगी सरकार की योजना विस्तार और समावेशन की दिशा में तेजी से अग्रसर है

लखनऊ, 2 जुलाई (देशबंधु)। योगी सरकार ने एक बार फिर संवेदनशील और जनकल्याणकारी प्रशासन का परिचय देते हुए प्रदेश की लाखों निराश्रित महिलाओं के जीवन में उम्मीद का उजाला फैलाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में राज्य सरकार ने 35,78,000 निराश्रित महिलाओं के खातों में 3,000 रुपए की पेंशन राशि (1,000 प्रति माह) ट्रांसफर कर दी है। यह धनराशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को भेजी गई है।

इस तिमाही में 47,800 नई लाभार्थियों को भी पहली बार योजना से जोड़ते हुए राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र महिला लाभ से वंचित न रहे। इससे पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 35,30,311 महिलाओं को यह लाभ मिला था, यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार की योजना विस्तार और समावेशन की दिशा में तेजी से अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही यह योजना पति की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट झेल रही महिलाओं को न सिर्फ आर्थिक सहारा देती है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने की शक्ति भी प्रदान करती है। यह योजना राज्य की उन महिलाओं के लिए है, जिनका जीवनसाथी अब इस दुनिया में नहीं रहा और जो स्वयं की आजीविका के लिए संघर्ष कर रही हैं।

योगी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि केवल वास्तविक जरूरतमंद महिलाएं ही इस योजना से लाभान्वित हों। इसके लिए सत्यापन की एक सशक्त और पारदर्शी प्रक्रिया तैयार की गई है। वर्तमान तिमाही के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 28,56,821 महिलाओं को योजना का लाभ मिला है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 7,21,290 महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

यह योजना राज्य की उन महिलाओं के लिए है, जिनका जीवनसाथी अब इस दुनिया में नहीं रहा : योगी आदित्यनाथ

निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत किसी भी महिला को लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ बुनियादी शर्तें निर्धारित की गई हैं। लाभार्थी महिला उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी होनी चाहिए, उसकी आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और उसके पति की मृत्यु हो चुकी हो। साथ ही, परिवार की वार्षिक आय 2 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए और वह किसी अन्य केंद्र या राज्य सरकार की पेंशन योजना से लाभ नहीं ले रही हो। आवेदन प्रक्रिया को भी सुनियोजित रूप से विभाजित किया गया है। आवेदन मिलने के बाद संबंधित विभाग 45 दिनों में दस्तावेजों की जांच करता है। उसके बाद खंड विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी या नगर मजिस्ट्रेट स्तर पर 15 दिनों के भीतर अनुमोदन किया जाता है। इसके बाद जनपद स्तरीय अनुश्रवण व स्वीकृति समिति एक माह के भीतर अंतिम स्वीकृति देती है। अंतिम रूप से, एनआईसी और पीएफएमएस के सहयोग से पेंशन की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे योजना में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होती है। महिला कल्याण विभाग के उपनिदेशक व पेंशन योजना के नोडल अधिकारी बीएस निरंजन ने बताया कि योगी सरकार की इस योजना का विशेष फोकस ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं पर है। इन क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि पात्र महिलाएं योजना से वंचित न रहें। हर ब्लॉक और तहसील स्तर पर नोडल अधिकारियों की तैनाती कर आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया गया है।

पालिका अध्यक्ष ने की जलकल विभाग के साथ साप्ताहिक बैठक

■ **पेयजल व्यवस्था सुधारने के दिए कड़े निर्देश**

मवाना, 2 जुलाई (देशबंधु)। नगर पालिका परिषद मवाना के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने 02 जुलाई 2025 को जलकल विभाग के कर्मचारियों और सुपरवाइजरों के साथ साप्ताहिक विभागीय बैठक की। इस दौरान नगर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। अध्यक्ष ने जलकल विभाग के अवर अभियंता अमित श्रीवास्तव को स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं। साथ ही जलमूल्य के बकायेदारों को चिन्हित कर उनसे बकाया राशि वसूलने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अवैध जल कनेक्शनों की सूची तैयार कर उन्हें अंतिम नोटिस जारी करने के निर्देश जलकल लिपिक को दिए गए।

साथ ही नगर में खराब पड़े नलकूपों के स्टेबलाइजरों की मरम्मत के लिए अवर अभियंता को आकलन तैयार कर प्रस्तुत करने का आदेश भी दिया गया। अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि जलमूल्य के बिल वितरित करने वाले कर्मचारी बकायेदारों की सूची के अनुसार राशि वसूलने का कार्य करें और नोटिस देने के बाद की वसूली और शेष राशि की रिपोर्ट अगली विभागीय बैठक में प्रस्तुत करें। यह बैठक नगर की जल आपूर्ति और राजस्व वसूली को सशक्त और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिजली कर्मियों को विरोध प्रदर्शन में मिला किसानों का साथ

लखनऊ, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिजली के निजीकरण के विरोध में नौ जुलाई को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन में किसानो का साथ मिला है। विद्युत संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति के आह्वान पर देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन में संयुक्त किसान मोर्चा के संगठनों ने समर्थन देने की घोषणा की है। क्रांतिकारी किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष रामरतन यादव ने कहा कि बिजली के निजीकरण से सबसे बड़ा नुक़सान करोड़ों गरीब किसान और खेतिहर मजदूरों को है। निजीकरण के बाद महंगी बिजली बिलों का भुगतान करना उनके लिए नामुमकिन है। यहीं वजह है किसान और खेतिहर मजदूर पूरा ताकत के साथ बिजली के निजीकरण के खिलाफ कर्मचारियों के आंदोलन में जुटा है और सड़कों पर साथ उतरेगा।

सार संक्षेप

बिजली विभाग ने बिजली लाइनों का किया निरीक्षण

मवाना। मवाना की बिजली टीम ने बुधवार को अनूपशहर गंग नहर की पटरी और मुख्य मार्गो से गुजर रही बिजली की लाइनों का निरीक्षण किया। टीम ने बिजली तारों के नीचे होने और विशेष रूप से हाईवे व गंग नहर की पटरी पर गुजर रही लाइनों को देखा गया। उपखंड अधिकारी वकील कुमार ने बिजली कर्मियों को लाइनों के नीचे गार्डिंग (जाल) लगाने के आदेश दिये हैं। मवाना क्षेत्र में अनूपशहर गंग नहर की पटरी और रामराज व बहसूमा से हाईवे से कांवड़िये आते है। सावन के महीने का पहला दिन 11 जुलाई को हैं। 11 जुलाईसे कांवड़िये हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने-अपने शिवालयों की ओर चलेंगे। उनकी सुरक्षा बतौर बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी वकील कुमार, अवर अभियंता सीपी मौर्य ने बिजली कर्मियों के साथ गंग नहर, गणेशपुर गांव से मवाना तक हाईवे के आसपास बनी हुई बिजली लाइनों को देखा। उन्होंने बिजली कर्मियों को पांच जुलाई से पहले लाइनों के नीचे जाल लगाने के आदेश दिए।

जिला मेरठ कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

मेरठ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जिला कांग्रेस कमेटी मेरठ की कार्यकारिणी घोषित की। जिसमें कोषाध्यक्ष डॉक्टर कर्मेंद्र सिंह, प्रवक्ता सय्यद आमिर रजा, सोशल मीडिया प्रभारी अर्चित गुप्ता के साथ साथ 13 उपाध्यक्ष, 18 महासचिव एवं 43 सचिव नियुक्त किए गए हैं। जिला अध्यक्ष गौरव भाटी ने बताया कि कार्यकारिणी में 20 प्रतिशत महिलाएं, 50 प्रतिशत 50 वर्ष की आयु से कम के पदाधिकारी, 60 प्रतिशत दलित, अल्पसंख्यक, अति पिछड़ा वर्ग को ध्यान रखते हुए नियुक्त किए गए हैं।

एप्लीकेशन ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी पर व्याख्यान

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी एण्ड इन्फॉरमेशन साइंस डिपार्टमेन्ट द्वारा एप्लीकेशन ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जे. ए. सिद्दीकी विभागाध्यक्ष पुस्तकालय एवं सूचना विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय रहे, इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी के आधुनिक अनुप्रयोगो और लाइब्रेरी सेवाओं में उसके महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कला एवं सामाजिक विज्ञान, के संकायाध्यक्ष डॉ. सुधीर त्यागी ने मुख्य वक्ता डॉ. जे. ए. सिद्दीकी एवं सभी शिक्षकों के साथ मिलकर माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर किया। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर त्यागी ने मुख्य वक्ता डॉ. सिद्दीकी का संक्षिप्त परिचय दिया।

कौशांबी में प्रेमी युगल की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले की चरवा थाने पुलिस ने एक प्रेमी युगल की हत्या में शामिल मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 29 जून को गोहानी गांव के बाहर एक खेत से कीचड़ में दबे हुए प्रेमी युगल के शव बरामद हुए थे।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान कार्यक्रम आयोजित

मेरठ, 2 जुलाई (देशबन्धु)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश श्री नरेन्द्र कश्यप द्वारा मेरठ दौरे के दौरान महाभारत कालीन श्री सरंग ऋषि आश्रम, बढ़ला रोड, किला परीक्षितगढ़ (मेरठ) में वन विभाग मेरठ द्वारा आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर उन्होंने माँ को समर्पित एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को एक-एक वृक्ष लगाकर हरियाली बढ़ाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पेड़ लगाना ही नहीं, उसकी सुरक्षा व संरक्षण भी हमारा कर्तव्य है, ताकि वृक्षारोपण सार्थक सिद्ध हो। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े स्थलों को हरित करना और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देना था। इस वृक्षारोपण अभियान में वन विभाग मेरठ के डीएफओ, रेंज अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

■ **पेड़ लगाना ही नहीं उसकी सुरक्षा व संरक्षण भी हमारा कर्तव्य : नरेन्द्र कश्यप**

पौधरोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित करने का लिया संकल्प

मवाना, 2 जुलाई (देशबन्धु)। सरस्वती विद्या मंदिर मवाना में बुधवार को पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यक्रम अध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक अमित कुमार रस्तोगी व मुकेश बंसल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने वंदना में उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं व आचार्य को

पौधरोपण की महत्वता को समझाया तथा सभी से अपने जन्मदिन व अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक पौधा अपने घर के आसपास या किसी पार्क आदि स्थानों पर लगाने का आग्रह किया। आचार्य उपमा ने भी पौधों की महत्वता को समझाया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गीत के साथ किया गया।

ग्रीष्मकालीन छुट्टी खत्म, डीएवी में यज्ञ के साथ क्लास शुरू

मेरठ, 2 जुलाई (देशबन्धु)। डी ए वी विद्यालय के प्रांगण में यज्ञ का आयोजन किया गया। यजमान आर्य समाज के अध्यक्ष पवन आर्य ने प्रधानाचार्य डॉ. विनीत त्यागी, विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के साथ बड़े ही मनोयोग से यज्ञ सम्पन्न कराया । ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद विद्यालय का सत्र सफलतापूर्वक प्रारंभ हुआ। छात्रों में नवीन ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। यह उम्मीद की जाती है कि आगामी सत्र में सभी छात्र पूर्ण मनोयोग से अध्ययन करेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। छात्रों ने भी अपने अवकाश संबंधी अनुभव साझा किए और नए जोश के साथ अध्ययन शुरू किया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि यज्ञ पर्यावरण को शुद्ध करता है, इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु डीएवी स्कूल समय-समय पर यज्ञ आयोजित करता है । विद्यार्थी मंत्र उच्चारण करता है, जिससे उसे भाषा का ज्ञान्न तथा संस्कृति का भी ज्ञान होता है। डीएवी संस्था बच्चों में संस्कार, व्यक्तित्व निर्माण, सहयोग, चरित्रवान बनने की शिक्षा प्रदान करता है।

मवाना शुगर वर्क्स के पीछे नाले की सफाई को लेकर नगर पालिका ने जल निकासी विभाग को भेजा पत्र

मवाना, 2 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद ने मवाना शुगर वर्क्स के पास स्थित एसटीपी प्लांट के पीछे के नाले की सफाई के लिए गंभीरता दिखाते हुए अधिशासी अभियंता, अनुप्रवाह शाखा, खंड गंगनहर मेरठ को पत्र भेजकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि दिनांक 05 मई 2025 को प्राप्त शिकायत के आधार पर शुगर वर्क्स क्षेत्र में बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नगरपालिका अधिकारी के अनुसार, आगामी बरसात से पहले सफाई कार्य पूरा कराया जाना अत्यंत आवश्यक है।

नगर पालिका द्वारा संबंधित विभाग से अनुरोध किया गया है कि नाले की नियमित सफाई कराकर जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे बरसात के मौसम में किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचा जा सके। इस पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी मवाना, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड मेरठ सहित अन्य अधिकारियों को भी भेजी गई है। नगर पालिका का यह कदम क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर उसकी गंभीरता को दर्शाता है।

जय सिंह ने सहायक शाखा प्रबंधक का कार्यभार संभाला

■ **मवाना के पदभार ग्रहण करने की खुशी में उनको बुके देकर किया स्वागत**

मवाना, 2 जुलाई (देशबन्धु)। एलआईसी शाखा मवाना में पूर्व में रहे विकास अधिकारी जय सिंह सहायक शाखा प्रबंधक नजीबाबाद शाखा से स्थानांतरित होकर शाखा मवाना में सहायक शाखा प्रबंधक एजेंसी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उनके मवाना शाखा में आगमन पर एवं पदभार ग्रहण करने की खुशी में उनको बुका देकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। शाखा प्रबंधक भूपेन्द्र कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि इनके आने से शाखा के कार्य में बढ़ोत्तरी होगी। जय सिंह मवाना के लोकल रहने वाले है और बहुत ही व्यवहारिक व्यक्ति है ।

इस मौके पर शाखा प्रबंधक भूपेन्द्र कुमार के अलावा राजेन्द्र कुमार जोनल क्लब सदस्य एवं सीएलआईए,राकेश कुमार शर्मा,बादल कुमार धामा, जव्वार अहमद, मनोज कुमार, मधुकर रस्तौगी, अनिल कुमार शर्मा,प्रदीप कुमार, पंकज भारद्वाज, प्रमोद धामा, अरविन्द कुमार, सोहनबीर, राजु आदि अभिकर्ताओं ने एवं समस्त विकास अधिकारियों, समस्त स्टाफ के लोगों ने उन्हें बधाई दी।

सुलतानपुर में 329 स्कूली वाहनों का फिटनेस फेल

सुलतानपुर, 30 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में नौनिहालों को लेकर धड़ल्ले से सड़कों पर दौड़ रहे 329 स्कूली वाहन फिटनेस टेस्ट में फेल हुये है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अलका शुक्ला ने बुधवार को यहां बताया कि विभागीय जांच में जिले के 329 स्कूल वाहनो के फिटनेस फेल मिले है। इसके लिए सभी स्कूलों के प्रबंधक /प्रधानाचायों को स्कूल वाहनों की समस्त औपरिकतायें पूर्ण करते हुए कार्यालय दिवस में वाहन प्रस्तुत कर फिटनेस कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक *जनहित एवं लोक कल्याण के कार्यों को दी जाए प्राथमिकता : सभापति*

निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराया जाएगा सुनिश्चित : सीडीओ

मेरठ, 2 जुलाई (देशबन्धु)। विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद, जिला पंचायतों, नगर निगमों में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने, जाँच किये जाने सम्बन्धी समिति के सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्शू' की अध्यक्षता में मेरठ और हापुड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपाध्यक्ष हापुड विकास प्राधिकरण द्वारा समिति के सभापति एवं सदस्य गणों का पौधा भेंट कर तथा मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

■ **उपाध्यक्ष हापुड़ ने समिति के सभापति एवं सदस्यों को पौधा भेंट कर किया स्वागत**

बैठक में सभापति द्वारा नगर निगम, नगर पालिका, जिला पंचायत, आवास विकास परिषद, विकास प्राधिकरण के कार्यों के अंतर्गत विभागीय बजट, आय-व्यय की स्थिति, आय बढ़ाने हेतु किये गये प्रयास, कूड़ा प्रबंधन, नगर पालिका, नगर पंचायत और जिला पंचायत को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने, नगर क्षेत्र में जल निकासी, कूडा प्रबंधन के संबंध में की गई कार्यवाही उक्त विभागों की जनपद में भूमि की यथास्थिति तथा अवैध एवं अतिक्रमण से मुक्त करने हेतु की गई कार्यवाही, निगम एवं पालिकाओ द्वारा नगर क्षेत्र को स्वच्छ एवं मॉडल के रूप में विकसित किये जाने हेतु उठाये गये कदम, नगर निगम को इंटीग्रेटेड डेवलपमेन्ट प्लॉन के तहत अब तक की गई कार्यवाही तथा जनप्रतिनिधियो द्वारा दिये गये सुझाव पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

संबंधित जनपदों के विभागीय अधिकारियों ने समिति के समक्ष आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं कराए गए विकास कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल ने समिति के सभापति, सदस्यों और आमंत्रित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सभी सुझावों, मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराते हुये समिति के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएंगी। इस अवसर पर समिति के सदस्यगण डॉ जयपाल सिंह व्यस्त व गोविंद नारायण शुक्ला, विशेष आमंत्रित सदस्य एमएलसी अश्वनी त्यागी, एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज, महानगर अध्यक्ष विवेक रस्तौगी, मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल, उपाध्यक्ष मेडा संजय कुमार मीणा, नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, सीएमओ डॉ. अशोक कटारिया, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत वी.एस. कुशवाह, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, नगर पालिका एवं नगर पंचायत से अधिशासी अधिकारीगण तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं जनपद हापुड से उपाध्यक्ष हापुड, अपर मुख्य अधिकारी हापुड सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वेट्री मारन की फिल्म में डबल रोल में दिखेंगे सिम्बु

चेन्नई। एक्टर सिम्बु जल्द ही डायरेक्टर वेट्री मारन की अपकमिंग फिल्म में नजर आएंगे। इंडस्ट्री के सूत्रों के अनुसार, सिम्बु फिल्म में दो अलग-अलग किरदार में नजर आएंगे। यह वेट्री मारन की मशहूर फिल्म 'वडा चेन्नई' की दुनिया पर आधारित होगी। इसका मतलब है कि कहानी का माहौल और कुछ किरदार 'वडा चेन्नई' से प्रेरित होंगे, लेकिन यह उसका सीधा सीक्वल नहीं होगा। वेट्री मारन ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया कि उनकी अगली फिल्म में सिम्बु लीड रोल में होंगे और इसे निर्माता कलैपुली एस थानु प्रोड्यूस करेंगे। उन्होंने यह भी साफ किया कि यह फिल्म 'वडा चेन्नई 2' नहीं होगी। 'वडा चेन्नई 2' में धनुष मुख्य भूमिका में होंगे, लेकिन सिम्बु वाली यह फिल्म उसी दुनिया की कहानी को आगे बढ़ाएगी।

कच्ची ही नहीं, भुनी अदरक भी फायदेमंद

■ दर्द और जकड़न को दूर करने में मदद ■ अदरक सर्दी-जुकाम या गले की खराश में भी असरदार

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कच्ची अदरक पाचन में सुधार करती है, मतली को कम करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है। वहीं, भुनी हुई अदरक भी बहुत फायदेमंद है। यह जोड़ों के दर्द से राहत दिलाती है, ब्लड शुगर को नियंत्रित करती है और वजन घटाने में मदद करती है।

चरक संहिता में अदरक को विश्वभेषज (विश्व की औषधि) और वृष्य (बलवर्धक) कहा गया है। भुनी हुई अदरक का सेवन पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और जोड़ों के दर्द में आराम के लिए फायदेमंद माना गया है। यह गठिया और अन्य जोड़ों की समस्याओं में राहत देने के लिए जाना जाता है। इसमें सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं, जो दर्द और जकड़न को दूर करने में मदद करते हैं।

अदरक में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद करते हैं। अदरक सर्दी-जुकाम या गले की खराश में भी असरदार है और कई बीमारियों से लड़ने में भी मदद करता है। आयुर्वेद की माने तो अदरक में शुगर को कंट्रोल करने की क्षमता होती है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर में इंसुलिन की कार्यक्षमता बेहतर होती है और ब्लड शुगर लेवल भी स्थिर रहता है। भुनी हुई अदरक हार्ट डिजीज के खतरे को कम करने में सहायक है, और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करती है, जिससे हार्ट हेल्थ रहता है।

अदरक का सेवन मानसिक तनाव और चिंता को कम करता है। भुने हुए अदरक का सेवन ब्रेन फंक्शन को भी बेहतर बनाता है जिससे मूड को स्थिर रखने में मदद मिलती है। भोजन के बाद भुनी हुई अदरक का सेवन करने से पाचन-तंत्र से जुड़ी कई समस्याएं दूर होती हैं। यह कब्ज, पेट दर्द, पेट की ऐंठन, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाकर भोजन को ठीक से पचाने में मदद करती है। भुनी हुई अदरक मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती हैं। यह भूख को भी नियंत्रित करती है और वजन घटाने में मदद कर सकती है।

गर्भवती महिलाएं और अत्यधिक पित्त प्रकृति वाले लोगों को भुनी हुई अदरक का सेवन डॉक्टर से पूछकर करना चाहिए। खाली पेट अधिक मात्रा में भुनी हुई अदरक का सेवन न करें, वरना पेट में जलन हो सकती है।

सफेद दाग और मधुमेह से राहत दिलाने वाला चमत्कारी पौधा चक्रमर्द

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कुदरत की गोद में छिपे खजाने की बात कुछ और ही होती है। आयुर्वेद में कई जड़ी-बूटियों ने सदियों से मनुष्यों के स्वास्थ्य की सरंक्षा और संवर्धन किया है। एक ऐसे ही खास औषधीय गुणों से युक्त पौधा है- चक्रमर्द या चकवड़। इसका वैज्ञानिक नाम कैसिया ऑरिक्युलेटा है।

चक्रमर्द के (10 ग्राम) बीजों को छाछ में 8 दिन तक भिगोकर रखने के बाद, उसे पीसकर (5 ग्राम) हल्दी और (5 ग्राम) बावची के साथ मिलाकर लेप बनाकर लगाने से सफेद दाग, दाद, खाज और खुजली जैसी पुरानी समस्याओं को खत्म किया जा सकता है।

चक्रमर्द के पत्ते, फूल और बीज रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। जो लोग नियमित रूप से इसका काढ़ा या चूर्ण लेते हैं, उन्हें इंसुलिन के स्तर में स्थिरता मिलती है। चक्रमर्द की पत्तियां और बीज पाचन तंत्र को भी मजबूत करते हैं। यह पाचन एंजाइम्स के स्तर को बढ़ाता है और भोजन के बेहतर अवशोषण में मदद करता है, जिसकी वजह से पेट में न दर्द होता है न गैस की समस्या रहती है। इसके पत्तों का पेस्ट त्वचा पर लगाने से एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को साफ

■ चक्रमर्द के पत्ते, फूल और बीज रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद

■ बार-बार पेशाब आना या मूत्र में जलन जैसे समस्याओं का समाधान

और चमकदार बनाते हैं, जिससे मुंहासे, फोड़े-फुंसी या घाव को ठीक किया जा सकता है। इसके बीज और पत्तियां मूत्र प्रणाली (यूरिनरी सिस्टम) को संतुलित करती हैं और संक्रमण से बचाव करती हैं। इस आयुर्वेदिक पत्ते का इस्तेमाल करने से बार-बार पेशाब आना या मूत्र में जलन जैसे समस्याओं का समाधान आसानी से हो पाता है।

अजय देवगन और मेरे बीच फिल्मों को लेकर कभी झगड़ा नहीं हुआ : काजोल

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने अपने पति अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में कहा कि जब भी वे फिल्मों को लेकर साथ काम करते हैं, तो उनके बीच कभी कोई लड़ाई या झगड़ा नहीं होता। काजोल ने बताया कि दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए बहुत इज्जत और समझदारी है, चाहे वो काम से जुड़ी बात हो या घर की। वह अजय के वित्तीय फैसलों में दखल नहीं देतीं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि अजय के पास इस काम के लिए बेहतर सलाहकार हैं।

काजोल ने कहा कि पैसों के मामलों में अजय के पास सलाह देने वाले कई लोग हैं, जो उन्हें बताते हैं कि क्या करना है और क्या नहीं। मैं उस मामले में दखल नहीं देती। जहां तक फिल्म 'मां' का सवाल है, तो हां, हमने इस पर काफी लंबी बातचीत की थी। हमें फिल्म का क्लाइमेक्स भी फिर से शूट करना पड़ा, क्योंकि उसमें वीएफएक्स और एक्शन जैसे कुछ काम बाकी थे। कुल मिलाकर हम दोनों की सोच इस फिल्म को लेकर मिलती-जुलती रही। हमारे बीच कोई बड़ी बहस या झगड़ा नहीं हुआ।

काजोल ने अजय देवगन के प्रोड्यूसर बनने के सफर के बारे में बात करते हुए कहा कि वह बहुत ही अच्छे प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स तक, वह हर चीज में खुद शामिल रहते हैं।

यहां तक कि फिल्म की मार्केटिंग भी उन्होंने अपनी देखरेख में की। वह ध्यान रखते हैं कि सब कुछ अच्छे से हो और सही तरीके से काम हो। मैं कह सकती हूं कि वह एक बेहतरीन प्रोड्यूसर हैं।

पीठ दर्द से निजात पाना है तो दिनचर्या में शामिल करें व्यायाम

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। आजकल की भागदौड़ भरी दिनचर्या और पीठ दर्द का एक-दूसरे से गहरा संबंध बन गया है। खतरनाक बात यह है कि बढ़ती उम्र के लोगों के साथ ही युवा पीढ़ी के लोग भी इस समस्या से पीड़ित हो रहे हैं।

लोग ज्यादातर समय स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप या टैबलेट पर बिताते हैं। यही नहीं, ऑफिस में घंटो गलत पोस्चर में बैठे रहने से भी यह समस्या गंभीर होती जा रही है। लिहाजा, मांसपेशियों में खिंचाव, डिस्क की समस्या, मोच, गठिया, मोटापा, और तनाव भी पीठ दर्द का कारण बन सकते हैं।

न्यूरोसर्जन बताते हैं कि कुछ पीठ दर्द (जैसे चोट, गठिया या आनुवंशिक कारणों से होने होने वाले दर्द भी शामिल है) से बचा नहीं जा सकता है। इसके अलावा पीठ दर्द ऐसी तकलीफ है जो बार-बार उभर सकती है। लेकिन, कई आदतों को

■ ऑफिस में घंटो गलत पोस्चर में बैठे रहने से भी समस्या गंभीर

■ हल्के व्यायाम, टहलना या तैराकी करने से राहत

दिनचर्या में शामिल कर लंबे समय से परेशान कर रहे पीठ दर्द से निजात पाई जा सकती है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, इसके लिए सबसे पहले अपनी कोर मांसपेशियों को मजबूत करें। एब्डोमिनल एरिया की कोर मांसपेशियां रीढ़ को सपोर्ट देती हैं। अगर ये मजबूत हों, तो रीढ़ पर दबाव कम पड़ता है। कोर मांसपेशियों को मजबूत करने, फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने और वजन को नियंत्रित करने से रीढ़ स्वस्थ रहती है। दर्द से पीड़ित मरीज चिकित्सकिय सलाह के

बाद इस पर काम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, हल्के व्यायाम या स्ट्रेचिंग करें। हालांकि, दर्द बढ़ने पर इसे इग्नोर करें।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, नियमित शारीरिक गतिविधि शरीर को स्वस्थ रखती है। साल 2024 के एक रिसर्च में पाया गया कि जो लोग हफ्ते में 25 मिनट से ज्यादा टहलते हैं, उन्हें पीठ दर्द कम होता है और डॉक्टर के पास कम जाना पड़ता है। अगर दर्द नसों के दबने, डिस्क की समस्या या जॉइंट डिजेनरेशन से है, तो बिस्तर पर आराम करने से भी राहत नहीं मिलती है। मांसपेशियां में खिंचाव बढ़ जाता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है। हल्के व्यायाम, टहलना या तैराकी करें और झुकने, मुड़ने या भारी सामान उठाने से बचें।

पीठ दर्द का मानसिक स्वास्थ्य से भी कनेक्शन है। इसमें व्यायाम लाभकारी होता है। इससे न केवल पीठ दर्द कम होता है, बल्कि यह मूड को भी बेहतर बनाता है। पीठ दर्द से पीड़ित 70 प्रतिशत से ज्यादा लोग उदासी, तनाव या अवसाद का अनुभव करते हैं। अवसाद दर्द को और गंभीर बना सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन सलाह देता है कि हफ्ते में 150 मिनट मध्यम गति का व्यायाम और दो दिन मांसपेशियों को मजबूत करने वाला व्यायाम करना चाहिए।

प्यारे लाल भवन में भामाशाह की 478वीं की जन्म जयंति हर्षोल्लास के साथ मनाई

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद् द्वारा दानवीर राष्ट्रभक्त भामाशाह की (1547-1600) 478वीं जन्म जयंती बीते 28 जून 2025 को प्यारे लाल भवन बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में सुबह 10 बजे से बड़ें हर्षोल्लास के साथ मनाई। इसके साथ ही राजनैतिक हिस्सेदारी और भागेदारी की मांग जोरदारी से उठाई गई । देश में वैश्य समाज की आबादी 20 प्रतिशत है लेकिन राजनैतिक हिस्सेदारी नगणय है वैश्य समाज को राजनैतिक हिस्सेदारी से सभी राजनैतिक पार्टियों द्वारा निंतर उपेक्षित किया जा रहा है। समाज ने एकजुट होकर इस भामा शाह जयंती पर अपना पक्ष और दावेदारी मजबूती से रखने का प्रयास किया।

ज्ञातव्य हो वैश्य समाज भारतीय जनता पार्टी का स्थायी व परम्परागत वोट है। वोट बैंक के हिसाब से लोकसभा एवं विधानसभा व विधान परिषद में पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं मिल पा रही है। वैश्य/व्यपारी समाज राष्ट्र के विकास में अभूतपूर्व योगदान है तथा राजस्व देने में अग्रणी भूमिका व रोजगार के साधन मुहैया कराने में भी सबसे आगे हैं, इसके साथ ही सामाजिक धार्मिक क्षेत्रों में इसके सशक्त हस्ताक्षर है।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमंत गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से ये मांग रखी है कि नई दिल्ली में भामाशाह विश्व विद्यालय की स्थापना कराई जाए तथा भामा शाह छात्रावास का भी निर्माण भी किया जाए। इस संदर्भ में शीघ्र ही एक ज्ञापन मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार को दिया जाए। इस भामाशाह जयंती में उत्तर प्रदेश से भारी संख्या में वैश्य जनों ने भाग लिया इसके साथ ही महाराष्ट्र, म.प्र. दिल्ली सहित अन्य प्रदेश के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन को सफल बनाने में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया।

पेट को साफ करने के लिए करें मलासन वॉक

पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ मानसिक शांति के लिए भी बेहतरीन

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कहते हैं 'पेट सफा तो हर रोग दफा' लेकिन पेट ही साफ न रहे तो शरीर में बीमारियां बढ़ने का जोखिम भी बढ़ जाता है। ऐसे में सही खान-पान के साथ योग और प्राणायाम सेहत के लिए वरदान है। इन्हीं में शामिल है- मलासन वॉक, जिसे गारलैंड पोज भी कहते हैं। यह योगासन न केवल पेट को साफ रखता है, बल्कि पूरे शरीर को तंदुरुस्त बनाने में मदद करता है। खास बात यह है कि रोजाना कुछ मिनट मलासन का अभ्यास करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, मलासन एक आसान और प्रभावी व्यायाम है, जिसका सुबह के समय कुछ मिनट अभ्यास करने से सेहत में सुधार होता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ शरीर के लचीलेपन को भी बढ़ाता है और मानसिक शांति के लिए भी बेहतरीन है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, मलासन एक योगासन है, जिसमें स्क्वाट की मुद्रा में बैठते हैं, यानी घुटने मोड़कर और कूल्हों को जमीन की ओर लाकर बैठते हैं। इसे करने के लिए पैरों को कंधों की चौड़ाई जितना फैलाकर, फिर धीरे-धीरे स्क्वाट करना चाहिए। मलासन पोज में छोटे-छोटे कदम चलते हैं। यह सुबह के समय खाली पेट करने के लिए सबसे अच्छा आसन माना जाता है, क्योंकि यह पाचन तंत्र को सक्रिय करता है।

मलासन करने के फायदे

मलासन करने के कई फायदे हैं। मलासन से पेट की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे कब्ज, गैस और अपच की समस्या दूर होती है। यह आंतों को सक्रिय करता है और मल त्याग को आसान बनाता है। कूल्हों और टखनों को लचीला बनाता है। जोड़ों का दर्द कम होता है। मलासन वॉक रीढ़ और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे पीठ दर्द में राहत मिलती है। यह आसन शरीर और दिमाग को शांत करता है, जिससे मानसिक तनाव और चिंता में कमी आती है। प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए भी मलासन लाभकारी है। पेल्विक मांसपेशियों को मजबूत करता है।

हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट मलासन करने से पहले कुछ सावधानियां रखने को कहते हैं। मलासन करते समय घुटनों या पीठ में दर्द होने पर जबरदस्ती न करें। अगर आपको घुटनों या कूल्हों की सर्जरी हुई है, तो डॉक्टर की सलाह लें। शुरुआत में कम समय करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

इनाम में था आशीर्वाद, सख्ती व ममता का रूप थीं सरोज खान

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड में जब भी कोरियोग्राफर की बात होती है, तो दिमाग में सरोज खान का नाम सबसे पहले आता है। बेशक आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें, उनका जज्बा और उनके शानदार डांस मूव्स आज भी हमारे दिलों में बसे हुए हैं। 3 जुलाई 2020 को कार्डियक अरेस्ट के चलते उनका निधन हो गया था। 71 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली और पीछे छोड़ गईं अपना जोश और कभी हार न मानने की ताकत। वह अपनी पूरी जिंदगी नाचती रहीं, झूमती रहीं।

सरोज खान का असली नाम निर्मला नागपाल था। उनकी अदाओं में वो खास बात थी जो हर गाने को और भी खास बना देती थी। उन्होंने माधुरी दीक्षित, श्रीदेवी, ऐश्वर्या राय जैसी बड़ी अभिनेत्रियों को डांस सिखाया। उनके अंदर गुरु की गंभीरता और मां की ममता एक साथ बसी थी। वह जितनी सख्त नजर आती थीं, उतनी ही कोमल दिल की भी थीं। बॉलीवुड के मशहूर कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने और उनके पार्टनर सीजर ने पश्चिमी डांस स्टाइल्स को बॉलीवुड में लाने की कोशिश की, लेकिन सबसे ज्यादा डर उन्हें सरोज खान जी के गुस्से का था। बॉस्को मार्टिस ने कहा कि मैं और मेरा साथी सीजर, जब हम अपने डांस स्टाइल को बॉलीवुड में लाने की कोशिश कर रहे थे, तो हमें सिर्फ सरोज खान का डर था, क्योंकि वह पारंपरिक और भारतीय स्टाइल की मल्लिका थीं। लेकिन, जब उनसे करीब से मुलाकात हुई, तो पता चला कि वह असल में भारतीयता की शुद्धता को बचाए रखना चाहती थीं। उन्होंने हमें अपने साथ काम करने का मौका दिया, आशीर्वाद दिया और हमें हमेशा प्रोत्साहित किया।

उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने आप को खुशनसीब मानता हूं कि मैंने उनकी छांव में डांस को बेहतर तरीके से जाना। मुझे याद है, डांस इंडिया डांस के सेट पर उन्होंने मेरी तारीफ में 100 रुपये का इनाम दिया था। उस पल की खुशी बयान करना नामुमकिन है। उनकी मां जैसी ममता और सख्त अंदाज दोनों एक साथ देखने को मिलते थे।

सरोज ने अपने करियर की शुरुआत महज 3 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म नजराना से की थी, लेकिन

उनका झुकाव धीरे-धीरे डांस की तरफ होता गया। शुरुआती दिनों में वह बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करती थीं और 13 साल की उम्र में ही उन्होंने कोरियोग्राफी सीखनी शुरू कर दी। उन्होंने मशहूर डांस डायरेक्टर बी. सोहनलाल के असिस्टेंट के तौर पर काम किया और डांस की बारीकियों को गहराई से जाना।

उनके करियर का असली मोड़ तब आया जब उन्हें स्वतंत्र रूप से कोरियोग्राफर बनने का मौका मिला। फिल्म 'गीता मेरा नाम' से उन्होंने बतौर स्वतंत्र कोरियोग्राफर शुरुआत की, लेकिन पहचान 1986 में आई फिल्म 'नगीना' के सुपरहिट गाने 'मैं तेरी दुश्मन' से मिली। इस गाने में श्रीदेवी के जबरदस्त डांस ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सरोज खान की भी लोकप्रियता बढ़ी। इसके बाद 1987 में 'मिस्टर इंडिया' का गाना 'हवा हवाई' जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया।

सरोज खान का करियर उस वक्त सातवें आसमान पर पहुंच गया, जब 1988 की फिल्म 'तेजाब' का 'एक दो तीन' गाना कोरियोग्राफ किया। इस गाने ने न सिर्फ माधुरी को रातोंरात स्टार बना दिया, बल्कि सरोज खान को भी 'हिट मशीन' का दर्जा दिला दिया। इस गाने की सफलता इतनी बड़ी थी कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में पहली बार 'बेस्ट कोरियोग्राफी' की कैटेगरी शुरू की गई और पहला अवॉर्ड सरोज खान को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं का अध्ययन

ऑर्गन ट्रांसप्लांट को सुलभ बनाने के लिए पॉलिसी में सुधार जरूरी

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के साथ ही अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक स्टडी के अनुसार ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसी जीवन रक्षक सुविधा को गरीब और वंचित वर्गों तक पहुंचाने के लिए नीतिगत सुधार बेहद जरूरी हैं। द लैंसेट की एक सीरीज में पब्लिश इस शोध में निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में ऑर्गन ट्रांसप्लांट को सरल बनाने पर जोर दिया।

जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. विवेकानंद झा ने बताया कि हमें ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जो इनोवेशन को सभी के लिए सुलभ बनाए, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

शोध में बताया गया कि ऑर्गन प्रिजर्वेशन और इम्यूनोसप्रेसिव दवाओं में प्रगति ने वैश्विक स्तर पर ऑर्गन ट्रांसप्लांट को बेहतर बनाया है। लेकिन, वंचित समुदायों के लिए

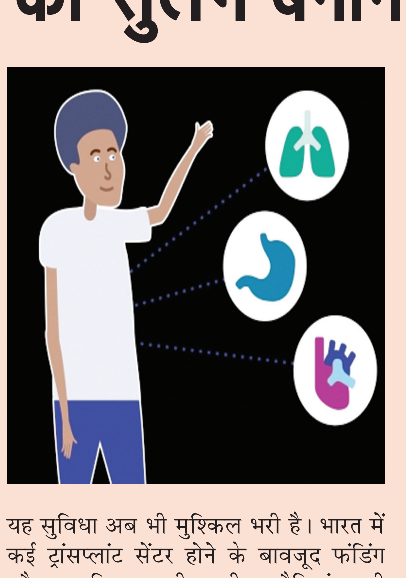

यह सुविधा अब भी मुश्किल भरी है। भारत में कई ट्रांसप्लांट सेंटर होने के बावजूद फंडिंग और प्राथमिकता की कमी चुनौतियां खड़ी करती है।

■ हर साल 17 से 18 हजार लोग कराते हैं ऑर्गन ट्रांसप्लांट

■ दुनिया में अमेरिका और चीन के बाद सबसे ज्यादा

भारत में हर साल 17 से 18 हजार लोग ऑर्गन ट्रांसप्लांट करवाते हैं, जो दुनिया में अमेरिका और चीन के बाद सबसे ज्यादा है। लेकिन, प्रति मिलियन आबादी पर प्रत्यारोपण दर केवल 0.65 है, जो अमेरिका (21.9), स्पेन (35.1) जैसे देशों से काफी कम है।

भारत में ज्यादातर ट्रांसप्लांट प्राइवेट अस्पतालों में होते हैं, जो शहरी क्षेत्रों तक सीमित हैं। कई राज्यों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा है, लेकिन प्रत्यारोपण लागत को कवर करने वाली राष्ट्रीय नीति का भी अभाव है।

शोध में सुझाव दिया गया कि भारत को नेशनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट रजिस्ट्री बनानी चाहिए, जो पहुंच में अंतर को ट्रैक करे। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र में ट्रांसप्लांट की सुविधाओं को मजबूत करने, राष्ट्रीय बीमा नीतियों के जरिए मरीजों और दाताओं को आर्थिक मदद देने, ट्रांसप्लांट पात्रता और ऑर्गन एलोकेशन के मानकों को एक समान करने और सस्ती दवाओं व टेलीमेडिसिन के जरिए बाद की देखभाल को बेहतर करने की जरूरत है।

डॉ. झा ने बताया कि भारत में ट्रांसप्लांट की क्षमता को बढ़ाने की संभावना है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि यह सुविधा हर भारतीय तक पहुंचे, चाहे वह कहीं भी रहता हो या उसकी आय कितनी भी हो।

GREATER NOIDA INSTITUTE OF TECHNOLOGY
(A UNIT OF SHRI RAM EDUCATIONAL TRUST)
"A" Grade by JAC Govt. of NCT of Delhi
Affiliated to GGSIP University New Delhi.
ADMISSION NOTICE FOR MANAGEMENT QUOTA SEATS
SESSION 2025-2026 (College Code – 272)
Applications are invited from eligible candidates for admission against Management Quota Seats in B.Tech. (CSE / AI&ML) & Lateral Entry B.Tech. (CSE) in accordance to the seat matrix uploaded on GGSIPU **website www.ipu.admissions.nic.in.**
The application form can be downloaded from institute website **www.gnitipu.in.** The application forms can also be obtained from the institute's reception on all the working days from July 3, 2025 to July 21, 2025 between 10:00AM to 04:00PM.
The last date of submission of completely filled Management Quota Application Form along with all the documents (as per eligibility criterion of GGSIPU) and application fee of Rs. 2500 (Non-Refundable) is July 22, 2025 till 05:00 PM.
All applicants are advised to visit institute's website regularly for further updates.
CHAIRMAN
Plot No. 6C, Knowledge Park-II, Greater Noida, Uttar Pradesh – 201310
Email: director@gnitipu.in Website: www.gnitipu.in /Contact No.: 8860606625/81

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

ट्रेंट	3.34 प्रतिशत
एसबीआई	1.86 प्रतिशत
बीईएल	1.63 प्रतिशत
इटरनल	0.72 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.70 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	2.11 प्रतिशत
कोटक बैंक	2.03 प्रतिशत
मारुति	1.95 प्रतिशत
अल्ट्रासिम्को	1.33 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.09 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,480
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,06,688
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7900-8000
उड़द दाल	9250-9350
मूंग दाल	9200-9300
अरहर दाल	8400-8500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

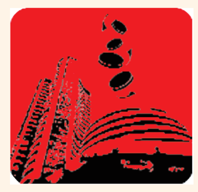

भारत का फार्मा निर्यात अप्रैल-मई में 4.9 अरब डॉलर रहा : फार्मेक्सिल

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्मेक्सिल) के ताजा अपडेट के अनुसार, भारत का फार्मास्यूटिकल्स निर्यात वित्त वर्ष 26 की अप्रैल-मई अवधि में सालाना आधार पर 7.38 प्रतिशत बढ़कर 4.9 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

फार्मेक्सिल वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत एक अधिकृत एक्सपोर्ट प्रमोशन एजेंसी है। देश के फार्मा सेक्टर का बढ़ता हुआ निर्यात दिखाता है कि इंडस्ट्री के उत्पादों की वैश्विक स्तर पर मांग बढ़ रही है। फार्मेक्सिल ने कहा कि यह वृद्धि स्थायी विनिर्माण, वैश्विक बाजार में उपस्थिति में विस्तार और डिजिटल इनोवेशनों पर केंद्रित रणनीतिक पहलों के कारण आई है और साथ ही बताया कि ये प्रयास भारत के फार्मा उद्योग के लिए एक ट्रिलियन डॉलर के व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को मजबूत कर सकते हैं। फार्मेक्सिल के चेयरमैन नमित जोशी ने कहा कि भारत के फार्मास्यूटिकल निर्यात में सालाना आधार पर लगातार वृद्धि जारी है और निर्यात श्रेणी में ड्रग फॉरमुलेशंस और जैविक उत्पादों का वर्चस्व बना हुआ है। जोशी ने आगे कहा कि हम इस वृद्धि का श्रेय बढ़ती वैश्विक मांग, सुव्यवस्थित विनियामक अनुमोदन, टेक्नोलॉजीकल इनोवेशंस, रणनीतिक साझेदारियों और आर्थिक स्थिरता को देते हैं।

भारत के फार्मा निर्यात में मई में ड्रग फॉरमुलेशंस

- देश के इंडस्ट्री के उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बढ़ रही मांग
- भारत के फार्मास्यूटिकल निर्यात में सालाना आधार पर लगातार वृद्धि जारी

और जैविक उत्पादों की हिस्सेदारी 75.74 प्रतिशत रही है। इसके अलावा कई फर्मा उत्पादों का निर्यात बढ़ा है। मई में बल्क ड्रग्स और ड्रग इंटरमीडिएट के निर्यात में 4.40 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वैक्सीन निर्यात 13.64 प्रतिशत बढ़कर 190.13 मिलियन डॉलर पहुंच गया है। सर्जिकल वस्तुओं और आयुष एवं हर्बल उत्पादों के निर्यात में क्रमश: 8.58 प्रतिशत और 7.36 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। फार्मेक्सिल के अनुसार, भारत के लगभग 76 प्रतिशत फार्मा निर्यात गंतव्यों में उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता (एनएएफटीए) क्षेत्र, यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका शामिल हैं। जोशी के अनुसार, भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से इंडस्ट्री को काफी फायदा होगा।

जून में ऑल-टाइम हाई पर रहा मारुति सुजुकी का निर्यात

नई दिल्ली। देश की सबसे यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने जून 2025 में भारत से 37,842 वाहनों का निर्यात किया है। यह कंपनी द्वारा वाहन निर्यात का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जो दिखाता कि मारुति सुजुकी की वैश्विक स्तर पर उपस्थिति बढ़ रही है। निर्यात सहित कंपनी ने बीते महीने 1,67,993 यूनिट्स की बिक्री की है। इसमें से 1,21,339 यूनिट्स वाहन घरेलू बाजार में बेचे हैं, जबकि 8,812 यूनिट्स दूसरी वाहन कंपनी को बेचे गए हैं। घरेलू बाजार की बिक्री में 1,18,906 यात्री वाहन और 2,433 लाइट कमर्शियल वाहन (एलसीवी) शामिल हैं। पिछले साल जून में कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,39,918 यूनिट्स यात्री वाहनों की बिक्री की थी, जबकि 31,033 यूनिट्स का निर्यात किया था।

इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों का समर्थन करता है भारत : सीतारमण

स्पेन, 2 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत समावेशिता और समानता को बढ़ाने के लिए मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक (एमडीबी) सुधारों और निष्पक्ष क्रेडिट रेटिंग सिस्टम सहित इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों का समर्थन करता है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट की चौथी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान तीसरी बैठक में कहा कि एमडीबी लेंडिंग दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही इसे मजबूत निगरानी फ्रेमवर्क में लाना सुनिश्चित करना चाहिए ताकि फंड का सही इस्तेमाल हो सके। उन्होंने कहा कि हम टैक्स सिस्टम को आधुनिक बनाने और अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करते हैं। भारत के व्यापक कर सुधारों और कर प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन ने राजस्व में वृद्धि की है और अनुपालन लागत को कम किया है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने आगे कहा कि हमारा मानना है कि विनियमन इनोवेशन और स्थिरता को बढ़ावा देता

एमडीबी लेंडिंग दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए : **निर्मला सीतारमण**

है। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारतीय वित्तीय प्रणाली खासकर एमएसएमई के लिए आसान ऋण और कम अनुपालन लागत के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देती है। हमने इंफ्रास्ट्रक्चर में स्टार्ट-अप और पीपीपी के लिए एक गतिशील इकोसिस्टम विकसित किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि हम साउथ-साउथ और त्रिकोणीय सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैंकों का एनपीए कई दशक के निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की लेटेस्ट फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को मजबूत पूंजी भंडार, कई दशकों से कम नॉन-परफॉर्मिंग लोन और मजबूत आय से समर्थन मिला है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज करना जारी रखा है, जीएनपीए रेश्यो और एनएनपीए रेश्यो क्रमश: कई दशक के निचले स्तर 2.3 प्रतिशत और 0.5 प्रतिशत पर आ गया है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, बैंकों का कुल ग्रॉस एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग

- निजी क्षेत्र के बैंकों का ग्रॉस एनपीए 2.8 प्रतिशत पर स्थिर

एसेट्स) एक वर्ष पहले के 2.8 प्रतिशत से घटकर 31 मार्च तक कुल ऋणों का 2.3 प्रतिशत हो गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने एनपीए में भारी गिरावट दर्ज की, जो मार्च 2024 में 3.7 प्रतिशत से इस वर्ष मार्च में 2.8 प्रतिशत हो गया। निजी क्षेत्र के बैंकों का ग्रॉस एनपीए रेश्यो 2.8 प्रतिशत पर स्थिर रहा।

भारत की वृद्धि दर अप्रैल-जून में 6.8 से 7 प्रतिशत रहने का अनुमान : एचएसबीसी

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 की अप्रैल-जून अवधि में 6.8 से 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वहीं, वित्त वर्ष 26 में देश की अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसकी वजह हाई फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स का मजबूत होना है।

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च द्वारा हर महीने 100 इंडीकेटर्स फ्रेमवर्क को अपडेट किया जाता है। इसमें कई सेक्टर्स के हाई फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स शामिल होते हैं जो देश के विकास की सही तस्वीर बताते हैं।

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया था कि अप्रैल में 72 प्रतिशत इंडीकेटर्स ने सकारात्मक ग्रोथ दिखाई है और मई में यह आंकड़ा 67 प्रतिशत था। तिमाही

- अप्रैल में 72 प्रतिशत इंडीकेटर्स ने सकारात्मक ग्रोथ दिखाई
- अनौपचारिक क्षेत्र कर रहा खपत का नेतृत्व

आधार पर, 2025 की दूसरी तिमाही में 70 प्रतिशत इंडीकेटर्स ने सकारात्मक ग्रोथ दिखाई है, जबकि इस साल की पहली तिमाही में यह आंकड़ा 67 प्रतिशत पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि अगर यह ट्रेंड जून में भी जारी रहता है तो जीडीपी की विकास दर अप्रैल-जनवरी अवधि में 6.8-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। एचएसबीसी ग्लोबल ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र खपत का नेतृत्व कर रहा है। मई में क्रमिक आधार पर प्रमुख संकेतकों में सकारात्मक वृद्धि हुई। इनमें दोपहिया वाहनों की बिक्री, नॉन-ड्यूरेबल वस्तुओं का उत्पादन, नॉन-सेस जीएसटी कलेक्शन, ग्रामीण व्यापार और वास्तविक ग्रामीण मजदूरी शामिल हैं।

वहीं, औपचारिक क्षेत्र की खपत मिश्रित रही, कुछ संकेतक (पेट्रोल, उपभोक्ता आयात और टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन की मांग) मजबूत रही, जबकि अन्य जैसे यात्री वाहन बिक्री कमजोर रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि सरकारी खर्च में वृद्धि एक अतिरिक्त बोनस थी, जो न केवल खपत पर बल्कि पूंजीगत व्यय पर भी केंद्रित थी।

निवेशकों के सतर्क रुख से बाजार में गिरावट

- सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 अंक पर
- निफ्टी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 अंक पर बंद

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों से मिल रहे मिले-जुले संकेतों तथा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर चल रहे विभिन्न प्रकार के अनुमानों के बीच बाजार को लेकर निवेशकों के सतर्क रुख के कारण भारतीय शेयर बाजारों में बुधवार को गिरावट का रुख रहा।

कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 287.60 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 पर और एनएसई का 50 प्रमुख शेयरों वाल मुख्य सूचकांक निफ्टी 88.40 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 पर था।।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 लाभ और 16 घाटे में बंद हुए। बाजार में रियल्टी और वित्तीय कंपनियों में बिकवाली का दबाव दिखा। श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी लाइफ, एलएंडटी में सबसे ज्यादा गिरावट रही रही, जबकि टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स लाभ में रहे।

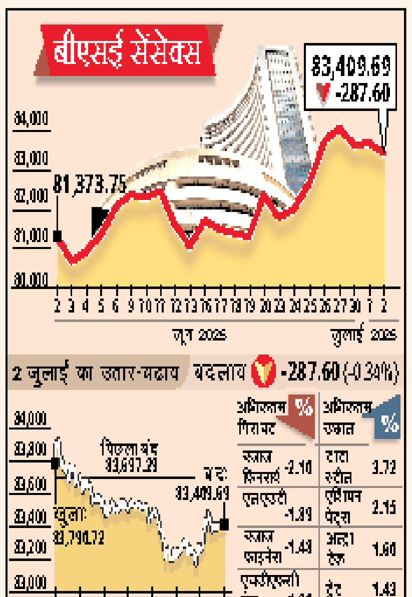

क्षेत्रवार सूचकांकों में सेक्टरों में, मेटल इंडेक्स में 1.4 प्रतिशत की तेजी आयी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि पीएसयू बैंक, कैपिटल गुड्स, रियल्टी, मीडिया, पावर में 0.4-1.4 प्रतिशत तथा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई।

आशिका इंस्टीट्यूशनल इक्विटी के तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक सुंदर केवट ने कहा कि मिश्रित वैश्विक संकेतों और प्रत्याशित अमेरिका-भारत व्यापार सौदे से पहले निवेशकों की सतर्कता ने बाजार सहभागियों को चिंतित कर रखा है। निफ्टी 25,588 पर सपाट खुला और नकारात्मक क्षेत्र में फिसलने से पहले कुछ समय के लिए 25,608 तक चढ़ गया था। उन्होंने कहा कि निफ्टी का 25,378 के निचले स्तर तक जाना मुनाफावसूली और नए संकेतों की कमी को दर्शाता है। डेरिवेटिव सेगमेंट में, बाजार की चौड़ाई नकारात्मक रही, जिसमें 98 शेयर चढ़े और 130 गिरे। इस खंड में पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट, ब्लू स्टार, टाटा कम्युनिकेशंस, सीजी पावर और बालकृष्ण इंडस्ट्रीज में उल्लेखनीय ओपन इंटरेस्ट स्पर्ट्स देखे गए, जो इन काउंटरों में व्यापारियों की बढ़ी हुई रुचि का संकेत देते हैं। श्री केवट के अनुसार कुल मिलाकर, बाजार अभी भी प्रतीक्षा और निगरानी की स्थिति में बना हुआ है तथा वैश्विक मोर्चे पर प्रमुख घटनायें निकट भविष्य की दिशा तय करेंगी।

कोयला उत्पादन अप्रैल-जून तिमाही में 16.4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान देश की कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 39.53 मिलियन टन से 16.4 प्रतिशत बढ़कर 46.01 मिलियन टन हो गया। यह जानकारी कोयला मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों से मिली।

सरकारी डेटा के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में इन खदानों से कोयले का डिस्पैच 13 प्रतिशत बढ़कर 51.63 मिलियन टन हो गया है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 45.68 मिलियन टन था। लगातार तीसरे वर्ष कोयले के उत्पादन और डिस्पैच में तिमाही वृद्धि, बेहतर दक्षता और खनन क्षमता के बेहतर उपयोग को दर्शाती है।

जून माह में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 15.57 मिलियन टन (एमटी) और डिस्पैच 17.31 मिलियन टन (एमटी) रिकॉर्ड किया गया है।

तीन कोयला ब्लॉकों के लिए जारी किए गए स्वामित्व आदेश

सरकार ने बयान में बताया कि जून में उत्कल ए खदान के लिए खदान खोलने की अनुमति प्रदान की गई, जिसकी अधिकतम निर्धारित क्षमता 25 मीट्रिक टन है। साथ ही तीन कोयला ब्लॉकों के लिए स्वामित्व आदेश जारी किए गए, जिससे कोयला मंत्रालय द्वारा आवंटित कोयला ब्लॉकों की कुल संख्या 200 से अधिक हो गई। यह वृद्धि बिजली उत्पादन, इस्पात निर्माण और सीमेंट उत्पादन जैसे प्रमुख उद्योगों को कोयले की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

सोने व चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को मामूली तेजी देखने को मिली और 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 97,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक और चांदी की कीमत 1.06 लाख रुपए प्रति किलो के पार बनी हुई है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 50 रुपए बढ़कर 97,480 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि मंगलवार को 97,430 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 89,292 रुपए हो गई है, जो कि पहले 89,246 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 73,110 रुपए हो गया है, जो कि पहले 73,073 रुपए प्रति 10 ग्राम था। आईबीजेए द्वारा दिन में दो बार-सुबह और शाम सोने की कीमतें जारी की जाती हैं। सोने के उलट चांदी की कीमत में मामूली गिरावट देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में चांदी की कीमत 275 रुपए कम होकर 1,06,688

- सोने की कीमतें 97 हजार रुपए के ऊपर
- चांदी भी 1.06 लाख रुपए प्रति किलो के पार

रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,06,963 रुपए प्रति किलो थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक सोना 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,351.72 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 36.21 डॉलर प्रति औंस पर थी।

1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,318 रुपए या 27.99 प्रतिशत बढ़कर 97,480 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,671 रुपए या 24.03 प्रतिशत बढ़कर 1,06,688 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त रुपए में आज हल्की कमजोरी देखी गई और यह डॉलर के मुकाबले 0.19 प्रतिशत गिरकर 85.71 रुपए पर पहुंच गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि डॉलर इंडेक्स में 96.50 के करीब मजबूती आने और कच्चे तेल से समर्थन मिलने से डॉलर के मुकाबले रुपया 0.19 प्रतिशत कमजोर होकर 85.71 पर कारोबार कर रहा है।

प्रोत्साहन योजना देश में एक नई औद्योगिक क्रांति की शुरुआत : यूबीओओ

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद यूनियन बैंक ऑफिसर्स ऑर्गनाइजेशन (यूबीओओ) के महासचिव सतीश शेट्टी ने बुधवार को कहा कि योजना विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि ईएलआई देश के युवाओं और मैन्युफैक्चरर्स में आत्मनिर्भरता की भावना को लाएगी और जॉब सीकर्स को न केवल रोजगार मिलेगा बल्कि उन्हें जरूरी अनुभव और कौशल भी मिलेगा। यह योजना स्किल डेवेलपमेंट के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। शेट्टी ने कहा कि इस योजना को लेकर सरकार का लक्ष्य 3.5 करोड़ नौकरियां पैदा करना है। मेरा मानना है कि वास्तव में उससे कहीं अधिक रोजगार सृजित होंगे। अगर इन लोगों में से केवल 1 प्रतिशत लोग भी कुछ नया करना शुरू करें तो फिर से नई नौकरियों के अवसर पेश होंगे, जो कि कुल मिलाकर 'विकसित भारत' के मिशन में एक बड़ा योगदान होगा। योजना के तहत स्किल डेवेलपमेंट के जरिए यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाया गया कदम है।

- योजना के तहत स्किल डेवेलपमेंट के जरिए आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाया गया कदम

शेट्टी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा घोषित यह नई योजना वास्तव में देश में एक नई औद्योगिक क्रांति की शुरुआत है। इस योजना का सबसे बड़ा असर मैन्युफैक्चरिंग और छोटे उद्योगों पर पड़ेगा। उन्हें 3,000 रुपए तक की प्रोत्साहन राशि मिलेगी, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। हमें पूरा विश्वास है कि यह योजना गेमचेंजर साबित होगी।

शेट्टी ने कहा कि इस योजना से सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई सेक्टर को होगा। जो उद्यमी नया यूनिट शुरू करना चाहते हैं, उन्हें इस योजना से सीधा सहयोग मिलेगा। इस योजना से न केवल नए रोजगार सृजित होंगे, बल्कि पहले से चल रही फैक्ट्रियों और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को चलाने वालों को भी मदद मिलेगी।

सार संक्षेप

सरकार ने लागत मुद्रास्फीति सूचकांक को बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मुद्रास्फीति-समायोजित परिसंपत्ति कीमतों की गणना के लिए उपयोग किए जाने वाले लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (सीआईआई) में वृद्धि की है, जिससे करदाताओं को लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर अधिक राहत का दावा करने की अनुमति मिल गई है। ताजा अधिसूचना के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सीआईआई को संशोधित कर 376 कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष 363 था। लागत मुद्रास्फीति सूचकांक किसी परिसंपत्ति के क्रय मूल्य को मुद्रास्फीति के अनुरूप समायोजित करने में मदद करता है। यह समायोजन कर योग्य पूंजीगत लाभ को कम करता है, जिसकी गणना बिक्री मूल्य और मुद्रास्फीति-समायोजित खरीद मूल्य के बीच के अंतर के रूप में की जाती है। उच्च सूचकांक का अर्थ है उच्च समायोजित लागत, जो बदले में विक्रेताओं पर कर का बोझ कम करती है। यह संशोधित सूचकांक वित्त वर्ष 26 और असेसेमेंट ईयर 2026-27 के लिए लागू होगा।

भारत में ऑफिस लीजिंग में जीसीसी का दबदबा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 में पैन इंडिया अब्सॉर्प्शन में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का योगदान 42 प्रतिशत रहा, जो एक वर्ष पहले 41 प्रतिशत दर्ज किया गया था। यह जानकारी बुधवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। वेस्टियन की रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के संदर्भ में, इसी अवधि के दौरान जीसीसी अब्सॉर्प्शन में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 31.8 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई। इसके अलावा, फॉर्च्यून 500 जीसीसी ने 13.5 मिलियन वर्ग फुट ऑफिस स्पेस लीज पर दिया, जो वित्त वर्ष 2025 में जीसीसी द्वारा लीज पर दिए गए कुल क्षेत्र का 43 प्रतिशत है। लीज पर दिए गए क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे जीसीसी स्थापित करने वाले वैश्विक उद्यमों के लिए भारत की पसंदीदा जगह के रूप में स्थिति मजबूत हुई। पिछले कुछ वर्षों में, जीसीसी भारत के ऑफिस मार्केट के प्राथमिक विकास चालक रहे हैं।

देश में 53 प्रतिशत रैन्समवेयर पीड़ितों ने दी फिरौती

नई दिल्ली। साइबर हमलों से बचाव के लिए नवोन्मेषी सुरक्षा समाधान प्रस्तुत करने वाली अग्रणी वैश्विक कंपनी, सोफॉस की बुधवार को जारी छठे वार्षिक सर्वे रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ रैन्समवेयर 2025' के अनुसार गत वर्ष 53 प्रतिशत भारतीय कंपनियों ने इंटरनेट सेंधमारों से अपना डेटा वापस पाने के लिए फिरौती का भुगतान किया जो ऐसे मामलों में हुई गिरावट को दर्शाता है। सोफॉस के अनुसार इससे एक साल पहले रैन्समवेयर के मामलों में 65 फीसदी इकाइयों ने फिरौती दी थी। कंपनी ने यह सर्वेक्षण जनवरी और मार्च 2025 के बीच कराया था, और उत्तरदाताओं से पिछले 12 महीनों में रैन्समवेयर के अपने अनुभव के बारे में पूछा गया था।

खेल जगत

विंबलडन 2025: सिनियाकोवा ने 5वीं वरीयता प्राप्त झेंग को हराया

लंदन। विंबलडन 2025 के दूसरे दिन भी बड़ा उलटफेर देखने को मिला। चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मंगलवार को विंबलडन में महिला एकल के पहले दौर में चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त झेंग किनवेन को हराया। चेक खिलाड़ी ने ऑल इंग्लैंड क्लब में 7-5, 4-6, 6-1 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। 10 महिला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम कर चुकी 29 वर्षीय सिनियाकोवा ने दृढ़ता दिखाते हुए पहला सेट 7-5 से जीत लिया। 22 वर्षीय झेंग ने दूसरे सेट में 6-4 से जीत हासिल कर वापसी की कोशिश की। सिनियाकोवा ने 5-0 की शुरुआत के साथ अंतिम सेट पर अपना दबदबा बनाया और 6-1 से जीत दर्ज की। पिछले सीजन में घास पर किनवेन को हराने के बाद से यह सिनियाकोवा की पहली शीर्ष 10 जीत है। अब वह घास पर किनवेन के खिलाफ 3-0 से आगे हैं।

भारत ने इंग्लैंड पर 2-0 से बढ़त बनाई

जेमिमा व अमनजोत के अर्द्धशतकों से भारत ने ब्रिस्टल में इंग्लैंड का किला भेदा

■ टैमी ब्यूमोंट का अर्द्धशतक भी इंग्लैंड के काम न आया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच

नई दिल्ली, 2 जुलाई (देशबन्धु)। अनुभवी जेमिमा रॉड्रिग्ज और अमनजोत कौर के बेहतरीन अर्द्धशतक और अपनी गेंदबाजों की नपी तुली गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मेजबान इंग्लैंड को ब्रिस्टल में दूसरे महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार देर रात 24 रन से हरा लगातार दूसरी जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। भारत की महिला टीम ने इंग्लैंड से सीरीज का ट्रेंट ब्रिज में खेला गया पहला मैच छह विकेट से जीता था। टैमी ब्यूमोंट का तेज अर्द्धशतक भी इंग्लैंड की महिला टीम के काम न आया। भारत की महिला टीम ने इंग्लैंड के अजेय किले समझे जाने वाले ब्रिस्टल में उससे पहला टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता।

भारत की महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने पर शैफाली वर्मा (3 रन, 4 गेंद), पहले मैच में शतक जड़ने वाली उनकी सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना (13 रन, 13 गेंद, 2 चौके) व चोट के बाद वापसी करने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर (1 रन, 2 गेंद) के रूप में तीन विकेट 5.1ओवर में मात्र 31 रन पर खो दिए। शैफाली क्रीज छोड़ कर फिलर की गेंद को उड़ाने निकली और विकेटकीपर जोंस को कैच थमा और भारत ने पहला विकेट 14 रन पर खो दिया। स्मृति ने आर्लोट की गेंद को उड़ाने की कोशिश में मिड ऑन पर बेल को कैच थमाया और भारत ने दूसरा विकेट 30 रन पर गंवा दिया और स्कोर में एक रन ही और जुड़ा था कि कप्तान हरमनप्रीत क्रीज ने बेल की शॉर्ट गेंद को उड़ाने के फेर में फाइन लेग पर फिलर को कैच थमा बैठी। अमनजोत कौर (अविजित 63 रन, 40 गेंद, 9 चौके) की जेमिमा रॉड्रिग्ज (63 रन, 41 गेंद, एक छक्का, 9 चौके) के साथ चौथे विकेट की 93 रन तथा ऋचा घोष(32 रन, 20 गेंद, 6 चौके) के साथ पांचवें विकेट की 57 रन की अटूट भागीदारी की बदौलत भारत ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 181 रन बनाए । भारत ने आखिरी दस ओवर में 117 रन बनाए। जेमिमा इंग्लैंड की सबसे कामयाब मध्यम तेज गेंदबाज लॉरेन बेल (2/17) की गेंद धीम वाइड गेंद को उड़ाने के फेर में कवर में डंकले को कैच थमा भारत की चौथी बल्लेबाज के रूप में 124 रन के स्कोर पर आउट हुई।

जवाब में भारत ने अपना दूसरा टी अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचारणी (2/28) के बुने स्पिन के जाल की बदौलत टैमी टैमी ब्यूमोंट(54 रन,35 गेंद, एक छक्का, आठ चौके) की खुद रन आउट होने से पहले विकेटकीपर एमी जोंस(32 रन,27 गेंद, चार चौके) के साथ चौथे विकेट की 70 रन तथा सौफी एकेलस्टोन (35 रन, 23 गेंद, एक छक्का, चार चौके) के मैच की आखिरी गेंद पर रन आउट होने से पहले एम आर्लोट (अविजित 5) के साथ सातवें विकेट के लिए 47 की भागीदारी के बावजूद इंग्लैंड को 20 ओवर में सात विकेट पर 157 रन पर रोक कर मैच जीत लिया।

भारत की अमनजोत कौर ने अर्द्धशतक जड़ने के बाद शिवर ब्रंट(13 रन, 10 गेंद, तीन चौके) को कप्तान हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच करा उनका अहम विकेट ले पावरप्ले में इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट 17 रन कर दिया। ब्यूमोंट ने चार बरस में अपना पहला टी 20 अंतरराष्ट्रीय अर्द्धशतक जड़ा। इंग्लैंड ने सोफिया डंकले(1 रन, 5 गेंद) और डैनी वेट हॉज(1) के रूप में दो विकेट दो रन पर खो दिए। डंकेल रन आउट हुई जबकि हॉज ने ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा की गेंद को उड़ाने की कोशिश में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर को कैच थमा दिया। श्रीचारणी ने एलिस कैप्सी को अरुंधति रेड्डी के हाथों और एमी जोंस को अपनी ही गेंद पर लपक के अपने एक ही ओवर में आउट किया।

मंधाना-शेफाली की जोड़ी के नाम 'वर्ल्ड रिकॉर्ड'

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। भारतीय टीम ने ब्रिस्टल में खेले गए इस मुकाबले में 24 रन से जीत दर्ज की। पांच मुकाबलों की सीरीज के इस दूसरे मैच के दौरान स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने इतिहास रच दिया। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाली जोड़ी बन गई है। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने अब तक इस फॉर्मेट में कुल 2726 रन बनाए हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिसा हेली और बेथ मूनी की जोड़ी ने कुल 2720 रन जोड़े हैं। इस लिस्ट में सुजी बेट्स और सोफी डिवाइन की जोड़ी तीसरे पायदान पर है, जिसने साथ मिलकर न्यूजीलैंड के लिए कुल 2556 रन जुटाए हैं। ईशा ओझा और तीर्था सतीश की जोड़ी अब तक यूएई के लिए कुल 1985 रन बना चुकी है, जबकि पांचवें पायदान पर मौजूद कविशा ईगोडागे और ईशा ओझा की जोड़ी ने यूएई के लिए कुल 1976 रन जुटाए हैं। ब्रिस्टल में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम ने चार विकेट खोकर 181 रन बनाए। टीम 31 के स्कोर तक तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जेमिमा रोड्रिग्स ने अमनजोत कौर के साथ चौथे विकेट के लिए 93 रन जुटाए। जेमिमा 41 गेंदों में एक छक्के और नौ चौकों के साथ 63 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से अमनजोत ने ऋचा घोष के साथ पांचवें विकेट के लिए 57 रन की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। अमनजोत ने 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जबकि ऋचा ने 20 गेंदों में 32 रन की नाबाद पारी खेली। मेजबान टीम की ओर से लॉरेन बेल ने सर्वाधिक दो विकेट चटकाए, जबकि लॉरेन फाइलर और एम अर्लॉट ने एक-एक शिकार किया। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों के खेल तक सात विकेट खोकर 157 रन ही बना सकी।

दूसरे टेस्ट में स्मिथ की वापसी संभव

■ स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ इस सीरीज के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे

वेस्टइंडीज-ऑस्ट्रेलिया सीरीज

सेंट जॉर्ज, 2 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट में वापसी को तैयार हैं। स्मिथ ने उंगली के 'कंपाउंड डिस्लोकेशन' के बाद पहली बार ट्रेनिंग की है। हालांकि, यह संभावना नहीं है कि वह स्लिप में अपनी नियमित पोजीशन पर लौट पाएंगे। स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ इस सीरीज के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे। स्मिथ ने पिछले रविवार टेस्ट टीम में शामिल होने के बाद अपने पहले ट्रेनिंग सेशन में लगभग एक घंटे तक बल्लेबाजी की। 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' की रिपोर्ट के अनुसार, स्मिथ ने मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड और टीम फिजियो के साथ बातचीत की, जिसके बाद स्लिप कैच और धीमी गेंदबाजी का अभ्यास किया। साथ ही उन्होंने ग्राउंड बॉल ड्रिल भी की। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने पत्रकारों से कहा कि स्मिथ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। सोचिए कि जब वह टीम के लिए 10 हजार रन जोड़ते हैं, तो आप इससे बहुत खुश होते हैं। इसलिए हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। जाहिर है, स्मिथ यहां अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह काफी आश्वस्त दिखाई दे रहे हैं और वापसी करने के लिए उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि थोड़ा और अनुभव टीम के लिए अच्छा है। मुझे लगता है कि स्मिथ वापसी के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले हफ्ते वेस्टइंडीज के खिलाफ बारबाडोस में 159 रन से जीत दर्ज की थी। इस दौरान बीयू वेबस्टर ने सेकेंड स्लिप में स्मिथ की भूमिका निभाई थी। उनके अलावा जोश इंगलिस ने थर्ड स्लिप में फील्डिंग की। उम्मीद है कि स्मिथ नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे। ऐसे में जोश इंगलिस प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठ सकते हैं। ऐसे में वह प्लेइंग इलेवन में एकमात्र बदलाव होंगे। 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज सैम कॉनस्टास स्लिप कॉर्डन में शामिल होने वाले नए खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को कैचिंग ड्रिल्स में हिस्सा लिया, जिसमें बीयू वेबस्टर, फर्स्ट स्लिप में उस्मान ख्वाजा और विकेटकीपर एलेक्स कैरी भी शामिल थे।

सुधांशु मित्तल खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बने, उपकार सिंह बने महासचिव

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सुधांशु मित्तल फिर से खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुने गए, जबकि उपकार सिंह विर्क महासचिव चुने गए। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने राष्ट्रीय राजधानी में केकेएफआई मुख्यालय में चुनावों के सफल आयोजन के बाद आधिकारिक तौर पर अपनी नई शासी संस्था की घोषणा की। चुनावों की देखरेख जिला न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) डॉ. कामिनी लाउ ने की, जो रिटर्निंग ऑफिसर थीं। गोविंद शर्मा को नई व्यवस्था का कोषाध्यक्ष चुना गया। उपकार सिंह विर्क पिछली शासी संस्था में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत थे, जबकि गोविंद शर्मा उसी में कार्यकारी सदस्य थे। घोषणा के बाद बोलते हुए,सुधांशु मित्तल ने कहा कि एक बार फिर से भारतीय खो-खो महासंघ का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने खेल की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छवि को ऊपर उठाने के लिए अथक प्रयास किया है। यह नया जनादेश हमें खो-खो की वैश्विक मान्यता और संस्थागत विकास के लिए

हमारे दृष्टिकोण को गति देने के लिए प्रेरित करता है। नए निकाय ने आठ उपाध्यक्ष, चार संयुक्त सचिव और 13 कार्यकारी सदस्यों का भी चुनाव किया। अश्विनी बिपिन पाटिल और मोनिका शासी निकाय में एथलीट आयोग का प्रतिनिधित्व करेंगे। नए महासचिव उपकार सिंह विर्क ने खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि खो-खो हमारी संस्कृति में निहित है, और इसे एक आधुनिक, वैश्विक खेल में बदलना हमारी पहुंच में है। हमारा ध्यान संरचित विकास, खेल के आधार का विस्तार करने और महासंघ के संचालन में पारदर्शिता और दक्षता लाने पर होगा।

सार संक्षेप

भारत की पहली मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत की मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने पहली बार लॉर्ड्स के मैदान पर मैच खेलकर इस सप्ताह इतिहास रच दिया। वर्तमान में चल रही सीरीज का यह मैच ऐसी टीम के साथ खेला गया जो कि तकरीबन आठ सालों से मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट खेल रही है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ भारत ने विश्वस्तरीय मंच पर इस प्रारूप में आधिकारिक प्रवेश कर लिया है। इस अवसर पर गैर लाभकारी संगठन स्वयं की संस्थापक अध्यक्ष स्मिनु जिंदल को इंग्लैण्ड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन स्थल पर सात क्रिकेट बोर्डो के अधिकारियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि स्वयं इसी नवंबर में एक्सेसिबल स्पोर्ट्स एण्ड टूरिज्म पर भारत के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भी करेगा। इस सम्मेलन में नीति, खेल, आतिथ्य एवं दिव्यांगता से जुड़े प्रतिनिधि हिस्सा लेकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। सुश्री जिंदल ने कहा कि लॉर्ड्स में जो कुछ भी हो रहा है, वह आकस्मिक नहीं बल्कि प्रतीकात्मक है। इस मैदान ने क्रिकेट के सबसे बेहतरीन पलों को देखा है।

बांग्लादेश ने श्रीलंका को 244 रन के स्कोर पर रोका

कोलंबो। तसकीन अहमद (चार विकेट) और तंजीम हसन साकिब (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने पहले दिन-रात्रि एकदिवसीय मुकाबले में श्रीलंका की पूरी टीम को 244 रन के स्कोर पर समेट दिया। आज यहां श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। आलम यह था कि पथुम निसंका और कामिंडु मेंडिस तो अपना खाता भी नहीं खोल सके। निशान मदुश्का (6) तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये कप्तान चरित असालंका ने कुसल मेंडिस के साथ पारी को संभाला।

साक्षी, जैस्मिन, लक्ष्य चाहर अगले दौर में पहुंचे

विश्व बॉक्सिंग कप

■ जैस्मिन ने अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की

अस्ताना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में खेली जा रही विश्व बॉक्सिंग कप में शानदार शुरुआत की। मंगलवार को साक्षी, जैस्मिन और लक्ष्य चाहर अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। महिलाओं की 54 किग्रा वर्ग में साक्षी ने धैर्यपूर्ण प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की चार्ली डेविसन को सर्वसम्मति से 5:0 से हराया। जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में अजरबैजान की अयनुर मिकायिलोवा को उसी अंतर से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। लक्ष्य चाहर ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए बुल्गारिया के विलियम चोलोव को विभाजित फैसले में 4: से हराया। मनीष राठौर पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जापान के रुई यामागुची के खिलाफ करीबी मुकाबले के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गए। साक्षी, लक्ष्य और जैस्मिन अब सचिन सिवाच, हितेश गुलिया, मुस्कान, मीनाक्षी और संजू के साथ अगले दौर में शामिल हो गए हैं, जिससे अस्ताना में टूर्नामेंट में भारत की मजबूत शुरुआत हुई है। इससे पहले हितेश और सचिन सिवाच ने विश्व मुक्केबाजी कप में अपने शुरुआती मुकाबलों में प्रभावशाली और सर्वसम्मत जीत हासिल की। महिलाओं की प्रतियोगिता में, मीनाक्षी ने लाइट-फ्लाईवेट श्रेणी में ऑस्ट्रेलिया की मैडेलीन बोवेन पर 5-0 की स्पष्ट जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि मुस्कान ने मिडिलवेट श्रेणी में इंग्लैंड की केरी डेविस को करीबी मुकाबले में 3:2 से हराया। भारत ने ब्राजील में पिछले विश्व मुक्केबाजी कप चरण में छह पदक जीते थे।

भारत की वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है 'राष्ट्रीय खेल नीति' : भूपति

राष्ट्रीय खेल नीति 2025 भारत की वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में पहचाने जाने की बढ़ती महत्वाकांक्षा को दर्शाती है : महेश भूपति

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व ग्रैंड स्लैम विजेता महेश भूपति ने स्वीकृत राष्ट्रीय खेल नीति 2025 की सराहना की है। उन्होंने बताया कि कैसे यह नीति पैडल जैसे उभरते खेलों के लिए दरवाजे खोलती है और भारत के 'ओलंपिक रोडमैप' को सशक्त बनाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल नीति (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य देश के खेल परिदृश्य को नया आकार देना और खेलों के जरिए लोगों को सशक्त बनाना है। 'वर्ल्ड पैडल लीग' के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा कि राष्ट्रीय खेल नीति 2025 भारत की वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में पहचाने जाने की बढ़ती महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। रोमांचक बात यह है कि यह नीति केवल स्थापित खेलों पर ही फोकस नहीं करती है, बल्कि 'पैडल' जैसे उभरते खेलों के लिए भी जगह बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी लीग शुरू करना, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित करना और निजी क्षेत्र के सहयोग को बढ़ावा देना, यही वह पहलू हैं, जो पैडल जैसे नए और उभरते खेलों के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। नई नीति मौजूदा राष्ट्रीय खेल नीति 2001 का स्थान लेती है और भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और रणनीतिक रोडमैप पेश करती है। इसमें 2036 ओलंपिक गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लक्ष्य को भी प्रमुखता से शामिल किया गया है। महेश भूपति ने कहा कि यह भारत के खेल इकोसिस्टम का अगला अध्याय है, जो भागीदारी, निवेश और वैश्विक उत्कृष्टता को प्रेरित करेगा। हम इस सफर का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं।

गोंजालो ने रियल मैड्रिड को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

■ ग्रेगोरियो ने दूसरे हाफ की शुरुआत में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी

क्लब वर्ल्ड कप

मियामी, 2 जुलाई (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड ने हार्ड रॉक स्टेडियम में जुवेंटस को 1-0 से हराकर क्लब विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

यह मुकाबला जाबी अलोंसो की टीम के शानदार दूसरे हाफ के चलते तय हुआ, जिसमें 54वें मिनट में गोंजालो के जबरदस्त हेडर ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जुवेंटस के गोलकीपर डी ग्रेगोरियो ने रियल मैड्रिड को और गोल करने से रोके रखा। मैड्रिड ने मुकाबले के ज्यादातर समय दबदबा बनाए रखा, लेकिन सिर्फ जुवेंटस के गोलकीपर मिशेल डी ग्रेगोरियो के शानदार बचावों की बदौलत जीत का अंतर और बड़ा नहीं हो सका।

रियल मैड्रिड ने तेज शुरुआत की। उसने जुवेंटस के हाफ में ही डेरा जमाए रखा, लेकिन सीरी-ए की टीम के तेज काउंटर-अटैक ने उन्हें लगभग चौंका ही दिया। इस अटैक का अंत रैंडल कोलो मुआनी के उस प्रयास के साथ हुआ, जो थिबो कर्टुआ की नेट की छत पर जाकर लगा। इसके बाद फ्रांसिस्को कोंसेसाओ के पास गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन उन्होंने फ्री हेडर को सीधा रियल के दिग्गज बेल्जियन गोलकीपर कर्टुआ के हाथों में मार दिया। हालांकि, जुवेंटस के गोलकीपर मिशेल डी ग्रेगोरियो ने पहले हाफ में दो बार अपनी टीम को बराबरी पर रखा। खास तौर पर हाफ आवर के करीब उन्होंने जूड बेलिंगहम के नजदीक से की गई कोशिश को अपने पैर की मदद से असामान्य तरीके से रोकते हुए शानदार बचाव किया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में डी ग्रेगोरियो का सबसे बेहतरीन बचाव देखने को मिला। इस दौरान उन्होंने फेडरिको वाल्वर्डे के लगाए गए शानदार शॉट को गोल में जाने से रोका। 27 वर्षीय ग्रेगोरियो ने दूसरे हाफ की शुरुआत में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। उन्होंने तेजी से आते दो खतरनाक प्रयासों को रोका। लेकिन, आखिरकार डी ग्रेगोरियो भी मात खा ही गए। मुकाबले के 54वें मिनट में गोंजालो गार्सिया ने ट्रेंट एलेक्जेंडर-अर्नोल्ड की क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर रियल मैड्रिड को एक बढ़त दिला दी। इसके बाद फेडरिको वाल्वर्डे की एक शानदार ओवरहेड किक पर डी ग्रेगोरियो ने एक और शानदार बचाव किया।

इसी दौरान रियल मैड्रिड ने टूर्नामेंट में पहली बार किलियन एम्बाप्पे को मैदान में उतारा, जो गैस्ट्रोएन्टराइटिस के चलते शुरुआती मुकाबले मिस कर चुके थे। मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड ने पूरी तरह से पकड़ बनाए रखी। वहीं, जुवेंटस पूरे मुकाबले में गोल दागने में नाकाम रही।

एमएलसी 2025 : सिएटल ओकार्स की यूनिकॉर्न्स पर चार विकेट से जीत

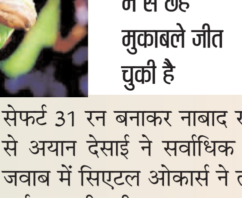

■ सिएटल ओकार्स की टीम ने आठ में से छह मुकाबले जीत चुकी है

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सिएटल ओकार्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 के 22वें मैच को अपने नाम किया। सिएटल ओकार्स ने फ्लोरिडा में खेले गए इस मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ चार विकेट से जीत दर्ज की। यह सीजन में सैन फ्रांसिस्को यूनाइटेड की दूसरी हार रही। टीम अब तक आठ में से छह मुकाबले जीत चुकी है। प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर मौजूद यह टीम पहले ही 'प्लेऑफ' के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। वहीं, दूसरी ओर आठ में से तीन मैच जीतकर सिएटल ओकार्स ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा है। सैन फ्रांसिस्को यूनाइटेड के अलावा वाशिंगटन फ्रीडम और टेक्सास सुपर किंग्स भी अगले दौर में प्रवेश कर चुकी हैं। मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी सैन फ्रांसिस्को यूनाइटेड ने पांच विकेट खोकर 168 रन बनाए। टीम महज दो रन पर कप्तान मैथ्यू शॉर्ट (2) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से फिन एलन ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के साथ दूसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। फिन एलन 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जैक ने 22 गेंदों में 35 रन की पारी खेली। इन दोनों के पवेलियन लौटने के बाद संजय कृष्णमूर्ति ने टिम सेफर्ट के साथ चौथे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। संजय कृष्णमूर्ति ने 28 गेंदों में सर्वाधिक 41 रन की पारी खेली, जबकि टिम सेफर्ट 31 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी टीम की ओर से अयान देसाई ने सर्वाधिक दो विकेट झटके। इसके जवाब में सिएटल ओकार्स ने तीन गेंदें शेष रहते ही जीत दर्ज कर ली। टीम 18 रन तक स्टीवन टेलर (0) और काइल मेयर्स (3) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से शायन जहांगीर (36) ने कप्तान सिकंदर रजा (11) के साथ तीसरे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की। रजा के आउट होने के बाद शिमरोन हेटमायर ने टीम को जीत दिलाने का जिम्मा उठाया।